आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बोले- मणिपुर में सरकार अवश्य होनी चाहिए
- 9

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार
- 12

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन
- 13

गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे पंत करेंगे कप्तानी
- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:47 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 362, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

बिहार में 10वीं बार नीतीश सरकार

मुख्यमंत्री पद की ली शपथ, कैबिनेट में 26 मंत्री शामिल, इनमें से 3 महिलाएं

- मंत्रिमंडल में भाजपा के 14, जदयू के 8, लोजपा के 2 मंत्री शामिल
- शपथ में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी रहे मौजूद

पटना, एजेंसी

पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गमछा लहराते हुए प्रधानमंत्री, साथ में हैं नवनियुक्त मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक भव्य समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री पद की रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी इस अवसर पर मौजूद थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कुमार और 26 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यपाल से नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को हार्दिक बधाई। यह समर्पित नेताओं की शानदार टीम है, जो बिहार को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सभी को मेरी शुभकामनाएं। समारोह के अंत में प्रधानमंत्री ने अपने चिरपरिचित अंदाज में 'गमछा' हवा में लहराकर उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया। शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान में विशाल मंच तैयार किया गया था, जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की।

इनमें आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, असम के हिमंत विश्व शर्मा और दिल्ली की रेखा गुप्ता शामिल थीं। शपथ लेने वालों में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उपनेता विजय कुमार सिन्हा शामिल थे, जो पिछली राजग सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। मंत्रिमंडल में कम से कम तीन मंत्री विधान परिषद के सदस्य हैं जिनमें जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री के विश्वस्त अशोक चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख संतोष कुमार सुमन शामिल हैं। जमुई से लगातार दूसरी बार निर्वाचित पुरस्कार विजेता निशानेबाज श्रेयसी सिंह को पहली बार मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी और औराई से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक रमा निषाद को भी मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है। जदयू के नौ बार के विधायक बिजेंद्र प्रसाद यादव भी एक बार फिर मंत्रिमंडल में लौटे हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में मोदी का 'गमछा' लहराना बना आकर्षण

पटना। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'गमछा' लहराना भीड़ के आकर्षण का केंद्र रहा। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने गमछा लहराया, गांधी मैदान में मौजूद करीब तीन लाख लोगों की भीड़ में उत्साह का माहौल बन गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुति देकर मंच पर मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और उप्र, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, हरियाणा और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों का मन मोह लिया।

विधेयकों की स्वत: स्वीकृति की अनुमति नहीं देता संविधान

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- राज्यपाल एवं राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समय सीमा तय नहीं की जा सकती
- राज्यपाल अनुच्छेद 200 के तहत प्रदत्त अधिकारों से परे जाकर विधेयकों को लंबित नहीं रख सकते

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि निर्धारित समय सीमा की समाप्ति के बाद, विधेयकों पर राज्यपाल या राष्ट्रपति की 'स्वतः स्वीकृति' (डीम्ड एसेंट) कार्यपालिका के कार्यों को न्यायपालिका द्वारा अपने हाथों में लेने जैसा है, जो अस्वीकार्य है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि विधेयकों पर राज्यपाल एवं राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समय सीमा तय नहीं की जा सकती है।

न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए न्यायालय द्वारा लंबित विधेयकों पर स्वतः स्वीकृति की अवधारणा वस्तुतः एक अलग संवैधानिक प्राधिकार की भूमिका और कार्य को अपने हाथ में लेने की तरह है। इस संबंध में राष्ट्रपति द्वारा राय मांगे जाने पर प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि अनुच्छेद 200 और 201 के संदर्भ में 'स्वतः स्वीकृति' की अवधारणा यह कहती है कि एक संवैधानिक प्राधिकार, यानी न्यायालय, किसी अन्य संवैधानिक पदाधिकारी, अर्थात राज्यपाल या राष्ट्रपति की भूमिका नहीं निभा सकता है। पीठ ने कहा, राज्यपाल के कार्य और इसी प्रकार राष्ट्रपति के कार्यों को इस तरह से हड़पना न केवल संविधान की भावना के प्रतिकूल है, बल्कि विशेष रूप से 'शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत' के भी प्रतिकूल है - जो संविधान के मूल ढांचे का एक हिस्सा है। कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 142 पर निर्भरता संवैधानिक प्रावधानों का अतिक्रमण नहीं है। अनुच्छेद 142 शीर्ष अदालत को अपने समक्ष लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक कोई भी आदेश या डिग्री पारित करने का अधिकार देता है। हमें इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि समय सीमा की समाप्ति पर अनुच्छेद 200 या 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी, न्यायिक घोषणा के माध्यम से कोर्ट द्वारा कार्यपालिका के कार्यों को अपने हाथ में लेने जैसा है, जो हमारे संविधान के तहत अस्वीकार्य है।

विधेयक रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं

शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर कोई समय-सीमा नहीं थोपी जा सकती है, तथा राज्यपालों के पास उन विधेयकों को हमेशा के लिए रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं हैं। न्यायालय ने कहा कि राज्यपालों के पास केवल तीन विकल्प हैं - या तो वे विधेयक को मंजूरी दें या उसे राष्ट्रपति के पास भेजें या फिर मंजूरी रोककर अनुच्छेद 200 के तहत पुनर्विचार के लिए उसे विधानमंडल को वापस भेजें। पीठ ने यह भी कहा कि विधेयकों को मंजूरी देने, रोक कर रखने या सुरक्षित रखने के राज्यपालों और राष्ट्रपति के निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते हैं। कोर्ट ने कहा हमारा मानना है कि अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति के कार्यों पर अदालत विचार नहीं कर सकती।

ब्रीफ न्यूज

रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ एक और आरोप पत्र

नई दिल्ली। ईडी ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ब्रिटेन स्थित हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में आरोप पत्र दाखिल किया। अभियोजन की शिकायत यहां विशेष धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) अदालत में दायर की गई है। वाड्रा के खिलाफ धनशोधन के मामले में यह दूसरा आरोप पत्र है। जुलाई में, ईडी ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक ज़मीन सौदे में कथित गड़बड़ियों से जुड़े धनशोध मामले में उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के कई स्कूलों को गुरुवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले, जिन्हें बाद में फर्जी घोषित कर दिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन स्कूलों में चाणक्यपुरी स्थित ब्रिटिश स्कूल और संस्कृति स्कूल, बाराखंभा स्थित मॉडर्न स्कूल, पश्चिम विहार स्थित दून पब्लिक स्कूल और श्री अरबिंदो मार्ग स्थित मदर्स इंटरनेशनल स्कूल (एमआईएस) शामिल हैं। कई स्कूलों को भेजे गए ईमेल में कहा गया, मैं आपको एक अत्यंत गंभीर और जरूरी चेतावनी के साथ लिख रहा हूं। आपकी इमारत में कई बहुत शक्तिशाली बम रखे गए हैं जो किसी भी समय फट सकते हैं।

लुधियाना में मुठभेड़, दो आतंकियों को लगी गोली

लुधियाना, एजेंसी

- बब्बर खालसा के दोनों आतंकी गिरफ्तार पुलिस ने दो हैंड ग्रेनेड, चार पिस्तौल और 50 कारतूस किए बरामद

घटनास्थल से साक्ष्य जुटाते पुलिसकर्मी।

जालंधर-पानीपत नेशनल हाईवे पर गुरुवार रात लाडोवाल टोल प्लाजा के निकट गांव बौंकड़ डोगरा में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद आतंकी माड्यूल के दो आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस और आतंकियों के बीच काफी देर तक गोलबारी हुई। पुलिस की गोली लगने से दोनों आतंकी घायल हो गए। उनको अस्पताल ले जाया गया, जहां एक की हालत गंभीर है। आतंकियों के पास से पुलिस को दो हैंड ग्रेनेड, चार पिस्तौल और 50 कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने आशंका जताई है कि दोनों आतंकी बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े हो सकते हैं जो बड़ी वारदात को अंजाम देने के फिराक में थे।

जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम को दोनों आतंकी लाडोवाल के पास से गुजर रहे थे। नाके पर खड़ी पुलिस ने दोनों को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर दोनों भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने उनका पीछा करना शुरू किया। इस पर दोनों ने पुलिस पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। पुलिस टीम की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर अस्पताल पहुंचाया। मुठभेड़ की सूचना पर पहुंचे पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा ने हालात का जायजा लिया।

पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने साजिश को नाकाम किया है। कुछ समय से पंजाब मे हो रहे हैंड ग्रेनेड अटैक पाकिस्तान में बैठे आतंकी हरजिंदर सिंह रिंदा व अन्य के इशारे पर हो रहे थे।

ये दोनों आतंकी भी उन्हीं के इशारे पर काम कर रहे थे। फिलहाल दोनों की पहचान नहीं हो पाई है। आतंकियों के पास से भारी मात्रा में असलहा मिले हैं। पुलिस इसे टेरर मॉड्यूल मान कर जांच कर रही है जो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के सपोर्ट से चल रहे थे।

कमरे में अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की मौत

कानपुर। पनकी औद्योगिक क्षेत्र डी-58 में निर्माणाधीन ऑयल सीड्स कंपनी में बुधवार रात कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की दम घुटने से नींद में ही मौत हो गई। सुबह मौत का पता चलने पर हड़कंप मच गया। दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाले गए।

पुलिस कमिश्नर, जेसीपी, फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच-पड़ताल कर साक्ष्य एकत्र किए। चारों एक ही कमरे में सोये थे, जिसके एक कोने में अंगीठी में कोयला जलता मिला। फॉरेंसिक के अनुसार अंगीठी से निकली कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस से दम घुटने की आशंका जताई जा रही है। सभी युवक एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर के रहने वाले थे। गोविंदनगर इलाके के रहने वाले वरुण कटारिया की पनकी इंडस्ट्रियल एरिया साइड दो स्थित डी-58 में निर्माणाधीन कटारिया एडिबल्स एलएलपी ऑयल सीड्स कंपनी है। जिसके निर्माण का जिम्मा इंदौर की आदित्य एंटरप्राइजेज कंपनी को सौंपा गया है। कंपनी में ज्यादातर फैब्रिकेटर (कुशल पेशेवर) देवरिया के रहने वाले हैं।

अंबानी की 1452 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईडी ने गुरुवार को रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले के तहत की कार्रवाई

ईडी ने गुरुवार को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत 1,452 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं। ईडी ने एक बयान में यह जानकारी दी।

एजेंसी ने पीएमएलए के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया, जिसके तहत मुंबई के धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटी (डीएकेसी) और मिलेनियम बिजनेस पार्क, नवी मुंबई में स्थित कई इमारतों के साथ-साथ पुणे, चेन्नई और भुवनेश्वर में स्थित भूखंडों और इमारतों को कुर्क किया गया। एजेंसी ने बताया कि ये संपत्तियां 1,452.51 करोड़ रुपये मूल्य की हैं और आरकॉम तथा कुछ अन्य कंपनियों की हैं। एजेंसी ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और अन्य वित्तीय अनियमितताओं से संबंधितप मामले में इससे पहले 7,500 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की थीं।

रिलायंस ग्रुप समूह के सूत्रों ने पहले कहा था कि डीएकेसी आरकॉम की परिसंपत्ति है जो पिछले छह वर्ष से दिवालियापन का सामना कर रही है। इस कुर्की के साथ ही, रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामलों में अब तक कुल 8,997 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। ईडी का आरोप है कि आरकॉम और उसकी समूह कंपनियों ने 2010 से 2012 के बीच घरेलू और विदेशी कर्जदाताओं से ऋण लिया, जिनमें कुल 40,185 करोड़ का कर्ज बकाया है।

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन

लखनऊ। मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का गुरुवार सुबह लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। वह 67 वर्ष के थे।

सिंह के बेटे सुजीत सिंह ने बताया, वह (सुधाकर सिंह) मंगलवार को दिल्ली से विमान से वाराणसी आए थे। दिल्ली हवाई अड्डे पर वह ठीक थे लेकिन वाराणसी हवाई अड्डे पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उन्हें इलाज के लिए वाराणसी में भर्ती कराया गया था और फिर बेहतर उपचार के लिए उन्हें लखनऊ ले जाया गया। पिता को देर रात लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गुरुवार सुबह करीब सात बजे उनका निधन हो गया। उन्होंने चिकित्सकों के हवाले से बताया कि उनके पिता को हृदय संबंधी समस्याएं थीं। तीन बार विधायक रहे सुधाकर सिंह के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं।

भारत को एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और जेवलिन मिसाइल सिस्टम देगा अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका ने भारत के लिए एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल, जेवलिन मिसाइल सिस्टम और संबंधित उपकरणों की कुल नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की बिक्री को मंजूरी दे दी है।

अमेरिका ने भारत को हिंद-प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता एवं शांति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बताया है। अमेरिका ने यह भी कहा कि इस बिक्री से एक प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा मजबूत होगी। यह मिसाइल टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है।

- दोनों देशों के बीच में 9 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का हुआ सौदा

रक्षा सहयोग एजेंसी ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने भारत को अनुमानित लागत चार करोड़ 71 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल' और संबंधित उपकरणों की और अनुमानित लागत चार करोड़ 57 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'जैवलिन मिसाइल सिस्टम' एवं संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का निर्णय लिया है।

गोवंश की हत्या पर भड़का आक्रोश

- हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं के विरोध के बाद दर्ज की गई रिपोर्ट

संवाददाता, अलीगंज (बरेली)

घटनास्थल पर पहुंचीं एसडीएम आंवला।

अमृत विचार : बिशारतगंज थाना क्षेत्र के मझगवां मार्ग पर स्थित गांव कुंडरिया खुर्द में बुधवार की रात में 10 से अधिक निराश्रित गोवंशों की बेरहमी से हत्या कर तस्कर उनका मांस ले गए। गुरुवार सुबह खेतों की ओर गए किसानों ने गोवंशों के अवशेष देख ग्राम प्रधान को सूचना दी।

खबर फैलते ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता भारी संख्या में मौके पर पहुंचे और पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। विहिप मझगवां प्रखंड अध्यक्ष शिवांश शर्मा ने बताया कि दिगाईदत्त नगर गांव निवासी राजबहादुर के खेत में पशु तस्करों ने 10 से अधिक गोवंशों की हत्या कर मांस लेकर फरार हो गये। हंगामा बढ़ने पर एसडीएम आंवला विदुषी सिंह और सीओ नितिन कुमार ने मौके पर पहुंचकर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद आक्रोशित लोग शांत हुए। हिंदू संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि आरोपियों को रात तक गिरफ्तार नहीं किया गया तो शुक्रवार को अलीगंज-आंवला-गैनी मार्ग पर उग्र धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। सीओ नितिन कुमार ने बताया कि घटना अलीगंज और बिशारतगंज की सीमा पर हुई है, इसलिए सर्विलांस टीम सहित दोनों थानों की पुलिस व हल्का दरोगाओं को जांच में लगाया गया है।

क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और पूर्व मामलों के संदिग्धों की तलाश जारी है। अधिकारियों ने जेसीबी मंगवाकर अवशेषों को दफन कराया। इस मौके पर ऋतिक गुप्ता, हर्ष गुप्ता, नवीन ठाकुर, विकास शर्मा, अमन गुप्ता, अमित शर्मा, रूपचन्द्र वर्मा, उपदेश पाराशरी, आशुतोष शंखधार समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिल्ली विस्फोट | 2007 में किया था बीटेक, 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए गए कई विस्फोटों के लिए वांछित था

अल-फलाह का पूर्व छात्र बेग देश में कर चुका कई धमाके

नई दिल्ली, एजेंसी

- जांच के दौरान आतंकी मॉड्यूल से जुड़े अल फलाह के पूर्व छात्र के संबंधों का पता चला

लाल किले के पास हाल में हुए कार विस्फोट की जांच का दायरा बढ़ने के साथ दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा को इंडियन मुजाहिदीन के भगोड़े आतंकवादी और अल फलाह विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मिर्जा शादाब बेग के बारे में एक नया सुराग मिला है।

दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि बेग 2007 में अल फलाह विश्वविद्यालय में छात्र था, जब यह एक इंजीनियरिंग कॉलेज हुआ करता था। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का मूल निवासी बेग 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए गए कई विस्फोटों के लिए वांछित है। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के दस्तावेजों के अनुसार बेग ने 2007 में अल फलाह से बीटेक की पढ़ाई पूरी की थी, उसी साल उसने गोरखपुर विस्फोट को अंजाम दिया था। सूत्र ने यह भी बताया कि बेग 2008 के हमलों के तुरंत बाद भारत से भाग गया था। उसके खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त डॉ. मुजम्मिल शकील विश्वविद्यालय में काम करता था। शकील के फरीदाबाद स्थित किराये के मकान से 2,900 किलोग्राम से अधिक विस्फोटक बरामद किया गया था। दिल्ली में 10 नवंबर को हुए कार विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई थी।

दिल्ली धमाके के 4 आरोपी 10 दिन की एनआईए हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को लालकिला विस्फोट मामले में चार आरोपियों को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया। इन लोगों को 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए कार विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इस विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे। विस्फोट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मुजम्मिल गनई, अदील राथर और शाहीना सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागे को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले दिन में एनआईए ने उन्हें श्रीनगर में हिरासत में लिया और पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। एनआईए ने चारों आरोपियों से पूछताछ के लिए अदालत से 15 दिन की हिरासत का अनुरोध किया था।

पुलिस ने कश्मीर टाइम्स के जम्मू कार्यालय पर छापा मारा

जम्मू। राज्य जांच एजेंसी ने देश के खिलाफ गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में गुरुवार को यहां कश्मीर टाइम्स के कार्यालय पर छापा मारा। अखबार के खिलाफ देश के हितों के प्रतिकूल गतिविधियों का महिमामंडन करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने अखबार के परिसरों और कंप्यूटरों की गहन जांच की। प्रकाशन और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड 25 रजत जयंती वर्ष

देवभूमि रजत उत्सव

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड रजत जयंती उत्सव

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

संकल्प
नये उत्तराखण्ड का

- समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश में प्रथम राज्य बना उत्तराखण्ड।
- राज्य में सशक्त भू कानून, सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, एवं दंगारोधी कानून हुआ लागू।
- राज्य में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹3.56 लाख करोड़ के एम.ओ.यू. हुए साईन। अब तक ₹01 लाख करोड़ से अधिक के निवेश की हो चुकी ग्राउंडिंग।
- राज्य के इतिहास में पहली बार पेश हुआ 1 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट।
- शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर किया 50 लाख रुपए। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि 50 लाख से बढ़ाकर की गई डेढ़ करोड़।
- राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय 17 गुना बढ़ी है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में अर्थव्यवस्था का आकार ₹14501 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर ₹378240 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।
- केदारनाथ पुनर्निमाण और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। बद्रीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी कस्बे के रूप में विकसित करने हेतु ₹255.00 करोड़ की विकास योजनाओं का कार्य गतिमान।
- कुमाऊं क्षेत्र में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अन्तर्गत 48 मन्दिरों को सर्किट के रूप में जोड़ने का कार्य गतिमान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के बनने से 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- राज्य में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेज गति से गतिमान। अब तक 70 प्रतिशत कार्य हुआ पूर्ण।
- राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये ₹200 करोड के वेंचर फण्ड की स्थापना।
- वृद्धावस्था पेंशन को बढाकर ₹1500 किया गया है। अब दोनों बुजुर्ग दंपत्ति को मिल रहा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ। वृद्धावस्था, विधवा, तथा दिव्यांग पेंशन का भुगतान 3 माह की जगह अब प्रत्येक माह होगा।
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों का चयन कर किया जा रहा सुनियोजित विकास।
- मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल।

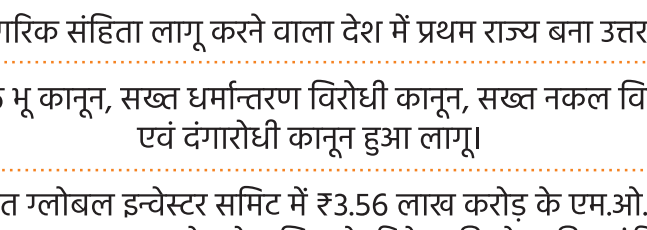

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

न्यूज ब्रीफ

खादी महोत्सव-2025 का उद्घाटन आज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहन देने और पारंपरिक कला को नया बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 21 से 30 नवंबर तक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गोमती नगर में खादी महोत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। दस दिवसीय इस आयोजन का उद्घाटन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान करेंगे। महोत्सव में प्रदेश के 160 से अधिक उद्यमी शामिल होंगे, जो अपने-अपने जिलों की विशिष्ट कला और स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शन व बिक्री करेंगे। प्रदर्शनी में सहारनपुर का नक्काशीदार फर्नीचर, भदोही की कालीन, अमरोहा के गमछे व सदरी, सीतापुर की दरी-तौलिये, वाराणसी की रेशमी साड़ियां, प्रतापगढ़ का आंवला उत्पाद, लखनऊ की रॉयल हनी के साथ मिट्टी कला, पापड़, लेदर उत्पाद और पारंपरिक वस्त्र विशेष आकर्षण होंगे।

आयुष्मान फील्ड वर्कर्स को भुगतान जारी

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान योजना) के क्रियान्वयन में फील्ड लेवल वर्कर्स को उनका लंबित भुगतान जारी कर दिया गया है। स्टेट हेल्थ एजेंसी ने कुल 14,751 फील्ड लेवल वर्कर्स को 61 लाख 44 हजार की राशि रिलीज की है। यह भुगतान 1 दिसंबर 2023 से 13 नवंबर 2025 की अवधि के लिए उन वर्कर्स को किया गया है, जिनकी बैंक विवरण एजेंसी के पास उपलब्ध थे। साचीज एजेंसी की मुख्य कार्यपालक डॉ. अर्चना वर्मा ने गुरुवार को बताया कि जिन फील्ड लेवल वर्कर्स की बैंक जानकारी उपलब्ध नहीं थी, उनके विवरण अब मंगवाए जा रहे हैं। जानकारी प्राप्त होते ही सत्यापन कर शेष भुगतान भी जारी किया जाएगा। एजेंसी का स्पष्ट कहना है कि कोई भी पात्र वर्कर भुगतान से वंचित नहीं रहेगा।

63.55 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा योजना के अन्तर्गत नेशनल क्राप इंश्योरेंस प्रोग्राम के लिए 63 करोड़ 55 लाख नौ हजार की वित्तीय स्वीकृति दी है। साथ ही सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के परिसर में नवनिर्मित केन्द्रीय पुस्तकालय, भवन पर सोलर फोटो वोलटेक की स्थापना के लिए भी 1.50 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई है।

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 26 तक

अमृत विचार, लखनऊ : समाज कल्याण विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के लिए नई संशोधित समय-सारिणी जारी की है। समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक और योजनाधिकारी आनन्द कुमार सिंह ने बताया कि संस्थान स्तर पर मास्टर डेटा लॉक इसी 26 नवम्बर तक किया जाएगा। इसमें पाठ्यक्रम, सीटों की संख्या, मान्यता और संस्थान से संबंधित अन्य विवरणों का अद्यतन शामिल है। विश्वविद्यालय एवं एजेंसियों द्वारा संस्थानों के दस्तावेजों की जांच और सत्यापन 1 दिसम्बर तक किए जाएंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी संस्थानों की डिजिटल सत्यापन प्रक्रिया 4 दिसम्बर तक पूरी करेंगे।

कुशीनगर में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट में इस वर्ष 2025 के जनवरी से अक्टूबर माह के बीच 19 लाख 90 हजार 931 पर्यटक कुशीनगर पहुंचे। इनमें 17 लाख 76 हजार 247 घरेलू और 2,14,684 विदेशी पर्यटक शामिल रहे। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को दी।

पंचायत चुनाव : वोटर लिस्ट तैयार करने का समय बढ़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सूची जारी करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 6 फरवरी की गई

अमृत विचार: प्रदेश में पंचायत चुनावों के मद्देनजर वोटर लिस्ट तैयार करने में कई जिलों की प्रगति धीमी है। ऐसे में राज्य निर्वाचन आयोग ने अब लिस्ट जारी करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 6 फरवरी कर दी है। पहले 15 जनवरी को यह वोटर लिस्ट जारी की जानी थी।

दरअसल, राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जो संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है, उसके मुताबिक अब ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 23 दिसंबर को जारी होगी। पहले इसे 5 दिसंबर को जारी किया जाना था। इतना ही नहीं लिस्ट पर दावे व आपत्तियों का निस्तारण 31 दिसंबर से 6 जनवरी तक किया जाएगा। पहले यह कार्य 13 दिसंबर से 19 दिसंबर के बीच किया जाना था। सूत्रों के मुताबिक, राज्य निर्वाचन आयोग से जारी हिदायतों के बावजूद जिलों में अधिकारी यूपी पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट से डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम बाहर करने और नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के कार्य में ढुलमुल रवैया बरत रहे हैं। एसआईआर अभियान के चलते पंचायत चुनाव की सूची के कार्य में देरी स्वाभाविक है।

गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर अवकाश अब 25 को

अमृत विचार, लखनऊ : गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर घोषित कार्यकारी अवकाश की तारीख बदली गई है। पूर्व में यह अवकाश 24 नवंबर 2025 को घोषित था, जिसे अब बदलकर 25 नवंबर 2025 (मंगलवार) कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्ष 2025 के अवकाश कैलेंडर में संशोधन करते हुए यह सूचना साझा की है। प्रमुख सचिव मनीष चौहान की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि शासन स्तर पर विचारोपरांत यह परिवर्तन आवश्यक पाया गया और पूर्व आदेश को उक्त सीमा तक संशोधित समझा जाएगा।

परिषदीय स्कूलों से 16 लाख बच्चे हुए नदारद

बेसिक शिक्षा विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 93 हजार परिषदीय बच्चों ने छोड़ी पढ़ाई

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

- राजधानी लखनऊ में करीब 3 हजार से अधिक शिक्षक बीएलओ की ड्यूटी पर

अमृत विचार : उप्र. बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय विद्यालयों से 16 लाख से अधिक बच्चे नदारद हैं। सत्र 2023-24 में 1 करोड़ 48 लाख बच्चे नामांकित थे, जबकि वर्तमान सत्र में 1 करोड़ 31 लाख बच्चे रिकार्ड में हैं। कुल 16 लाख बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दी या परिषदीय विद्यालयों से संपर्क तोड़ लिया। यू-डायस 2025-26 के अंतर्गत स्कूल प्रोफाइल, टीचर प्रोफाइल और स्टूडेंट प्रोफाइल की डाटा एंट्री किए जाने के दौरान जारी आंकड़ों से यह सामने आया है।

बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जारी आंकड़े चौंकाने वाले हैं। पिछले दो सत्रों में लाखों बच्चे गायब हो गए, जिसकी चिंता विभाग को नहीं है। खास बात यह है कि इनमें से 93 हजार बच्चे आउट ऑफ स्कूल दिखाए गए हैं, यानी बच्चों ने पढ़ाई छोड़ रखी है। इसके अलावा करीब 2,34,339 बच्चों को अन्यत्र स्थानांतरण या माइग्रेंट कर दिया गया है। सत्र 2023-24 में प्रवेशित बच्चों में यदि जिले के अनुसार देखा जाए तो आजमगढ़ में सर्वाधिक 54,009, जौनपुर में 52,188, शाहजहांपुर में 40,312, गाजीपुर में 39,518, बाराबंकी में 39,039 और रायबरेली में 35,037 बच्चे स्कूलों से गायब हो गए।

प्रदेश में स्थिति

- सत्र 2023-24 में कुल छात्र- 1,48,18,053
- वर्तमान सत्र में छात्र- 1,31,67,503
- नामांकन अंतर- 16,50,550
- 2025-26 कुल ड्रॉपबाक्स विद्यार्थी-83,2,855

सुविधाओं का अभाव

अध्यापक बताते हैं कि प्रदेश में हजारों विद्यालय ऐसे हैं, जो एकल अध्यापक के सहारे संचालित हो रहे हैं। सुविधाओं का अभाव होने के कारण बच्चे प्राइवेट स्कूलों में नामांकन करा रहे हैं। साथ ही शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन से परिषदीय स्कूलों में बच्चों की काफी कमी आई है। लखनऊ में करीब 3 हजार से ज्यादा शिक्षक बीएलओ की ड्यूटी कर रहे हैं।

विश्वस्तरीय होंगी जंबूरी की व्यवस्थाएं

मुख्यमंत्री योगी ने किया भारत स्काउट्स-गाइड्स सम्मेलन की तैयारियों का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 23 से 29 नवंबर तक होने वाली राष्ट्रीय जंबूरी की तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह व अन्य।

- डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 23 से 29 नवंबर तक आयोजन, पीएम करेंगे उद्घाटन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को वृंदावन कॉलोनी स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 23 से 29 नवंबर तक होने वाले 19वें भारत स्काउट्स एंड गाइड्स जंबूरी की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं विश्वस्तरीय हों और प्रतिभागियों की सुविधा में किसी प्रकार की कमी न रहे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और समापन राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू करेंगी।

61 साल बाद उत्तर प्रदेश इस प्रतिष्ठित डायमंड जुबिली जंबूरी की मेजबानी कर रहा है, जिसे लेकर सरकार किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं चाहती। करीब 300 एकड़ में तैयार किए जा रहे जंबूरी परिसर में 32,000 स्काउट्स-गाइड्स, 3,000 स्टाफ तथा नेपाल, श्रीलंका, भूटान और अफगानिस्तान सहित एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने गुरुवार सुबह कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। स्काई साइक्लिंग और जिपलाइन एडवेंचर की तैयारियों की सराहना की। निरीक्षण के दौरान जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, स्काउट्स एंड गाइड्स के राज्य मुख्य आयुक्त प्रभात कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रतिभागियों की सुविधा के लिए 16 जर्मन हैंगर, 600 वाटर टैंक, 30 आरओ प्वाइंट, 2,200 से अधिक शौचालय, 100 किचन और चार केंद्रीय रसोईघर स्थापित किए जा रहे हैं। सुरक्षा और अनुशासन के लिए 3,500 क्षमता वाला कॉन्फ्रेंस हॉल, अस्थायी पुलिस स्टेशन और 11 फायर टेंडर तैनात रहेंगे। राज्य की संस्कृति, तकनीक और हस्तशिल्प को प्रदर्शित करने वाला विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा, जिसमें ओडीओपी, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, नेडा का सोलर पवेलियन, प्लानेटेरियम और एआई जोन शामिल हैं। वाराणसी और बुंदेलखंड की सांस्कृतिक झलक व व्यंजन प्रतिभागियों को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना से जोड़ेंगे। प्रतिभागी अपने परिजनों से जुड़े रह सकें, इसके लिए परिसर में विशेष मोबाइल टावर भी लगाया जा रहा है।

सेवा, अनुशासन और नवाचार का संगम बनेगा जंबूरी

राष्ट्रीय जंबूरी में कौशल प्रशिक्षण, सामुदायिक जागरूकता, सांस्कृतिक प्रदर्शन, नेतृत्व निर्माण, प्रदर्शनी और आपदा प्रबंधन से जुड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। आयोजन समिति के अनुसार, स्काउट-गाइड संगठन की सौ साल की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप युवाओं में अनुशासन, सेवा और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया जाएगा।

मनुष्य के लिए वस्तुगत विशेषण प्रयुक्त करना निंदनीयः हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुज़फ्फरनगर पुलिस द्वारा एक लड़की को कोर्ट के स्पष्ट स्टे आदेश के बावजूद हिरासत में लेने और उसे केस डायरी में कब्ज़ा पुलिस लिया जाता है लिखकर कब्ज़े में दिखाने पर तीखी नाराज़गी जताते हुए कहा कि ऐसा रवैया 21वीं सदी में बिल्कुल अस्वीकार्य है। कब्ज़ा' शब्द वस्तुओं के लिए प्रयुक्त होता है, मनुष्यों के लिए नहीं। किसी व्यक्ति पर कब्ज़ा दिखाना न सिर्फ कानून का अपमान है बल्कि सभ्य समाज में घोर निंदनीय मानसिकता को दर्शाता है।

कोर्ट ने मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग, स्कूल प्रधानाचार्य और जांच अधिकारी को पक्षकार बनाते हुए व्यापक जांच का आदेश दिया है। मामले के अनुसार सानिया और विकास उर्फ रामकिशन ने कोर्ट को बताया कि वे बालिग हैं और जनवरी 2024 में दिल्ली में विवाह कर साथ रह रहे थे। सानिया के पिता ने पहले 2023 में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें सानिया ने मजिस्ट्रेट के सामने अपने पिता द्वारा प्रताड़ित किए जाने की बात कही थी। विकास को बाद में हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी, लेकिन 29 जून 2025 को पिता ने फिर एफआईआर दर्ज कराई कि 17 वर्षीया सानिया को विकास और अन्य लोग बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। इस एफआईआर के सापेक्ष कोर्ट ने 13 अगस्त 2025 को गिरफ्तारी पर रोक लगा दी, बशर्ते याची जांच में सहयोग करें। कोर्ट ने पाया कि आदेश की जानकारी एसएसपी, थानाध्यक्ष और जांच अधिकारी, सभी को थी, फिर भी 8 सितंबर 2025 की केस डायरी में लिखा गया कि पीड़िता को कब्ज़ा पुलिस लिया जाता है। अंत में कोर्ट ने राष्ट्रीय महिला आयोग को मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है, साथ ही एसएसपी, मुज़फ्फरनगर को व्यक्तिगत हलफ़नामा दाखिल कर यह बताने के लिए कहा किस्टे आदेश के बावजूद गिरफ्तारी जैसी कार्रवाई क्यों की गई और एक मानव को कब्ज़ा दिखाने की मानसिकता कैसे अपनाई गई। सानिया को 27 नवंबर को दोपहर 2 बजे कोर्ट में प्रस्तुत करने को कहा गया है।

कफ सिरप की तस्करी मामले में अमेरिका की कंपनी को नोटिस

कार्यायल संवाददाता, लखनऊ

- फेंसेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त दवाओं का 300 करोड़ रुपये का भंडारण

अमृत विचार: नशे के लिए प्रयोग किये जाने वाले फेंसेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त दवाओं का प्रदेश में करीब 300 करोड़ रुपये का भंडारण किया गया है। यह भंडराण तस्करों की मिलीभगत से कारोबारियों ने किया। इसका खुलासा सहारनपुर से गिरफ्तार चार आरोपियों की पूछताछ में हुआ है। इस मामले में एसटीएफ ने अमेरिका की कंपनी को नोटिस भी भेजा है। ताकि इसकी भारत में तस्करी पर रोक लगाई जा सके।

एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक लाल प्रताप सिंह ने बताया कि कफ सिरप और अन्य दवाओं के नशे में इस्तेमाल करने के लिए भंडारण किया जाता है। जांच में पाया गया कि यह कंपनी अमेरिका से जुड़ी हुई है। कुछ देशों में यह पूरी तरह से प्रतिबंधित है। यह सिरप भारत में जहां बिक रही है, इसका पता लगाया जा रहा है। साथ ही इसे पूरी तरह से रोकने के लिए अमेरिका की कंपनी से पत्राचार किया जा रहा है। जांच में सामने आया कि रांची का सुपर डिस्ट्रीब्यूटर शैली ट्रेडर्स भी फेंसेडिल की तस्करी में शामिल है। इन लोगों ने मिलकर 300 करोड़ से अधिक का कारोबार किया है।

एएसपी लालप्रताप के मुताबिक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त टीम ने 8 अप्रैल 2024 को यूपी एसटीएफ और औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने सुशांत गोल्फ सिटी के अहिमामऊ से ट्रक चालक धर्मेंद्र कुमार निवासी मौरावां उन्नाव को गिरफ्तार किया था। ट्रक से 52 पेटी सिरप और अन्य सामान बरामद किया गया था। बरामद माल पश्चिम बंगाल भेजा जा रहा था।

छह जिलों में 2009 करोड़ की नौ परियोजनाएं मंजूर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

रेरा मुख्यालय पर बैठक करते अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी। अमृत विचार

- लखनऊ, बाराबंकी, प्रयागराज, चंदौली, अलीगढ़ और नोएडा में बनेंगी 1586 इकाइयां
- रेरा की 189वीं बोर्ड बैठक में दी गई मंजूरी

अमृत विचार : उप्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने लखनऊ, बाराबंकी, प्रयागराज, चंदौली, अलीगढ़ और गौतमबुद्ध नगर के नोएडा में नौ परियोजनाओं को मंजूरी दी है। बिल्डरों द्वारा 2009 करोड़ रुपये के निवेश से 1,586 यूनिट विकसित करके फ्लैट, प्लॉट और विला बनाए जाएंगे। इससे घर खरीदारों को राहत मिलेगी।

गुरुवार को न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय पर अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में प्राधिकरण की 189वीं बैठक हुई। वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया। विभिन्न परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई और आवासीय इकाइयों का प्रस्तुतिकरण दिया गया। इसमें लखनऊ, बाराबंकी, प्रयागराज, चंदौली, अलीगढ़ और गौतमबुद्ध नगर के नोएडा में कुल नौ परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। इन जिलों में 2009 करोड़ से 1,586 इकाइयां बनेंगी। यह परियोजनाएं आवासीय एवं मिश्रित विकास मॉडल पर आधारित हैं, जो शहरी और उपनगरीय दोनों क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेंगी।

सबसे अधिक निवेश नोएडा में 1,536.99 करोड़ से तीन परियोजनाओं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा लखनऊ में 283.76 करोड़ की एक परियोजना स्वीकृत हुई है। जबकि बाराबंकी में 120.85 करोड़ की दो परियोजनाएं उपनगरों और उभरते क्षेत्रों में रियल एस्टेट विस्तार को गति देगा। वहीं, प्रयागराज में 11.47 करोड़ और चंदौली में 37.85 करोड़ की एक-एक परियोजनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही अलीगढ़ में 17.72 करोड़ की एक परियोजना स्वीकृत हुई है।

बिजली बिल भुगतान को एकमुश्त समाधान योजना 1 दिसंबर से

अमृत विचार, लखनऊ : बिजली उपभोक्ता अपना बिल एकमुश्त जमा करता है, तो उसे सरचार्ज में 100 प्रतिशत के साथ-साथ बकाए के मूलधन में 25 प्रतिशत छूट मिलेगी। यह छूट तीन चरणों में दी जाएगी। पहले चरण की शुरुआत 1 दिसंबर से हो जाएगी, जो 31 दिसंबर तक चलेगी। इस दौरान पंजीकरण कराने पर 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वहीं, दूसरा चरण 1 जनवरी से चलेगा, जो 31 जनवरी तक रहेगा। उस दौरान 20 प्रतिशत, जबकि 1 फरवरी से शुरू होने वाले तीसरे चरण में पंजीकरण कराने में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। तीसरा चरण 28 फरवरी तक चलना है। ऐसे में जो उपभोक्ता पहले पंजीकरण कर भुगतान करेंगे, उन्हें अधिक लाभ मिलेगा। दरअसल, राज्य सरकार ने गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मासिक किस्तों में भुगतान की सुविधा भी दी है। इससे वे उपभोक्ता, जो एकमुश्त भुगतान करने में असमर्थ हैं, वे भी योजना का लाभ उठाकर अपने बकाया बिलों का निस्तारण कर सकते हैं। योजना के दौरान विभाग ओवर बिलिंग और अंडर बिलिंग वाले उपभोक्ताओं के बिलों का भी संशोधन करेगा।

मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में हो रही दिक्कत

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत गणना प्रपत्र घर-घर पहुंचाने का काम लगभग पूरा है। इस बीच कई जिलों से गणना प्रपत्रों को भरने में मतदाताओं को आ रही दिक्कतों की भी सूचना मिली है। वर्ष 2023 की मतदाता सूची के भाग संख्या व क्रमांक आदि कुछ परिवार से जुड़ी सूचनाएं भरने में सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में कई सवालों को सुलझाने के लिए बीएलओ को तलाशना पड़ रहा है। दरअसल, गणना प्रपत्र में वर्तमान सूचनाओं के अलावा परिवार से जुड़ी सूचनाएं, पिछली 2023 की मतदाता सूची सूची के भाग संख्या व क्रमांक आदि का भी उल्लेख करना है। कई जिलों से ऐसी सूचना हैं कि वितरण के दौरान बीएलओ प्रपत्र से जुड़ी खास जानकारी मतदाताओं के बीच साझा नहीं कर रहे हैं।

उपलब्धि | वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा, वर्तमान समय में सहकारिता की साख बढ़ रही

सहकारी समितियों के 50 लाख सदस्यों ने जुटाए 500 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 एवं 72वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के समापन अवसर पर हुई गोष्ठी

अमृत विचार: वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने पूर्ववर्ती सरकारों में सहकारिता विभाग की स्थिति काफी दयनीय होने का हवाला देते हुए कहा कि यह विभाग आज उन्नति के मार्ग पर अग्रसर है। सहकारी समितियों के 50 लाख सदस्यों द्वारा 500 करोड़ रुपये की धनराशि एकत्र की गयी है, यह किसी चमत्कार से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि साख के ऊपर ही अर्थशास्त्र काम करता है। साख बेहतर होती है तो हर चीज बेहतर होती है। वर्तमान समय सहकारिता की साख बढ़ रही है और बैंकों की स्थिति काफी सुदृढ़ हुई है।

वित्तमंत्री ने यह उद्गार अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 एवं 72वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के समापन अवसर पर गुरुवार को आयोजित एक गोष्ठी में प्रकट किए। सहकारिता भवन स्थित उत्तर प्रदेश सहकारी यूनियन सभागार लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सहकारिता विभाग जेपीएस राठौर, अध्यक्ष पीसीयू सुरेश गंगवार, अध्यक्ष यूपीआरएनएसएस प्रेम सिंह शाक्य, आयुक्त एवं निबन्धक सहकारिता योगेश कुमार समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे।

राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने कहा कि गोदामों के आधुनिकीकरण, कंप्यूटरीकरण, सौर ऊर्जा के उपयोग और खाद वितरण में डिजिटल प्रणाली को आगे बढ़ाया है।

मृतक आश्रित को नियुक्ति पत्र प्रदान करते मंत्री सुरेश खन्ना व जेपीएस राठौर।

पांच मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र

उत्तर प्रदेश सहकारी यूनियन के 5 मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। नियुक्ति पत्र लाभार्थियों में धर्मेन्द्र कुमार पांडेय को जालौन में, अजीत यादव आगरा, अनिकेत गिरी मुजफ्फरनगर, श्रीमती अलका अमरोहा और नितिन कुमार को मेरठ में सहकारी कामदार के पद पर नियुक्ति दी गई है। जनता दुर्घटना बीमा योजना के तहत पात्र आश्रितों को 50 हजार रुपये के चेक सौंपे गए।

हाथरस भगदड़ मामले की अगली सुनवाई 27 को

हाथरस, एजेंसी : जिले में पिछले साल दो जुलाई को सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि बाबा उर्फ भोले बाबा के सत्संग के दौरान मची भगदड़ मामले की अगली सुनवाई 27 नवंबर को होगी। सिकंदराराऊ कोतवली क्षेत्र के मुगलगढ़ी व फुलरई गांव के बीच कार्यक्रम स्थल पर मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी।

आरोपी पक्ष के वकील मुन्ना सिंह पुंडीर ने बताया कि आज अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अदालत संख्या (एक) महेंद्र श्रीवास्तव की अदालत में उस समय वहां तैनात दरोगा नीलेश यादव के बयान दर्ज हुए हैं। उन्होंने बताया कि अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 नवंबर को होगी।

हरदोई के एक स्कूल में गैस रिसाव से 16 छात्र बेहोश

हरदोई, एजेंसी

- जिलाधिकारी ने जांच के आदेश दिए, एक छात्र लखनऊ रेफर

जिले के संडीला कस्बे के एक निजी स्कूल में गुरुवार को संदिग्ध रूप से गैस रिसाव की चपेट में आने से कम से कम 16 छात्र बेहोश हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सभी प्रभावित बच्चों को दो निजी अस्पतालों में ले जाया गया, जहां से एक बच्चे को बेहतर उपचार के लिए लखनऊ भेज दिया गया। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि जांच के आदेश दे दिए गए हैं और रिसाव के कारण की पुष्टि होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, स्कूल परिसर में गैस की तेज गंध फैल गई, जिससे कई बच्चे घबरा गए और अपनी कक्षाओं से बाहर भाग निकले। शिक्षकों ने तुरंत सभी विद्यार्थियों को बाहर निकाला और अभिभावकों व प्रशासन को सूचित किया। जिलाधिकारी झा और पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और इलाज करा रहे बच्चों से भी मिले। झा ने बताया कि इस घटना में करीब 16 विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं लेकिन सभी की हालत अब स्थिर है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

बरेली देहात

न्यूज ब्रीफ

टैंकर में पीछे से घुसे बाइक सवार की मौत

फरीदपुर, अमृत विचार : बरेली–शाहजहांपुर हाईवे फ्लाईओवर के ऊपर मेहताब (25) निवासी ग्राम बकैनिया थाना फरीदपुर मोटरसाइकिल से फरीदपुर की तरफ आ रहे थे। फ्लाई ओवर के ऊपर एक टैंकर खराब हो जाने के कारण खड़ा हुआ था। मेहताब खड़े हुए ट्रक में पीछे से घुस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल मेहताब को एंबुलेंस से अस्पताल भेजवा दिया जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

नाम जुड़वाने के लिए फार्म भरना होगा

आंवला, अमृत विचार : विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर गुलडिया और मझगवां मंडल की बैठक में कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटवाने और संशोधन के लिए फॉर्म 6, 7 और 8 भरना होगा। मंत्री ने भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट और पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन की जानकारी भी साझा की।

महिला को पीटकर घर से निकाला, तीन पर रिपोर्ट दर्ज

कैंट, अमृत विचार : बच्चे न होने पर महिला को 8 साल तक प्रताड़ित किया। ससुरालियों ने मारपीट करके पति की दूसरी शादी करने की बात कहते हुए घर से निकाल दिया। दोबारा लौट कर घर में घुसने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने कैंट थाने में बुधवार देर रात पति समेत तीन लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना क्षेत्र के झील गौटिया निवासी मीता देवी की शादी 8 साल पहले यहीं के सुरेश कुमार के साथ हुई थी। शादी के बाद कोई बच्चा नहीं होने पर पति, सास विमला देवी, ससुर ओमपाल उसे बांझ होने का ताना देकर प्रताड़ित करते थे। घर बचाए रखने के लिए वह शांत थी और ससुराल में अपना उत्पीड़न सहती रही। 19 नवंबर को सुबह ससुरालीजनों ने महिला के साथ पहले लात घूंसो पिटाई की इसके बाद डंडों से पीटा। उत्पीड़न से त्रस्त महिला ने इसके बाद फोन करके अपने भाइयों को बुला लिया। जिनके साथ वह कैंट थाने पहुंची। और बुधवार देर रात तहरीर देकर पति सुरेश कुमार, सास विमला देवी, ससुर ओमपाल के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

तार चोरी करने गए युवक की सीढ़ी से गिर कर मौत

फरीदपुर में दो सीढ़ियों को बांधकर पोल पर चढ़ा, लगा करंट

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : सीढी तंमचा कारतूस लेकर बिजली का तार चोरी करने आए अज्ञात युवक की करंट लगने के बाद सीढ़ी से गिरकर मौत हो गई। सुबह राहगीरों की सूचना पर पहुंची फरीदपुर पुलिस ने आसपास के लोगों से युवक के शव की शिनाख्त करने का किया प्रयास लेकिन पहचान नहीं हो सकी।

फरीदपुर थाना क्षेत्र के (अधंरपुरा) शंकरपुर बिजली घर से फतेहगंज पूर्वी बिजली घर जाने वाली हाईटेंशन लाइन को कई बार अज्ञात चोर काट कर ले जाते थें। बुधवार की रात चोर दो सीढ़ियों में रस्सी से बांधकर हाईटेंशन लाइन से जोड़कर उसे काटने के लिए चढ़ गए लेकिन थोड़ी सी चूक से करंट लगने से वह गिर पड़े और उनकी मौत हो गई।

घटना स्थल पर जांच करती पुलिस टीम। ● अमृत विचार

सुबह पुलिस को सूचना मिली। पुलिस ने सूचना पर युवक की पहचान करने के लिए आसपास के लोगों को भी बुलाया लेकिन सभी ने भी उसकी पहचान होने से इनकार कर दिया पुलिस द्वारा युवक की तलाशी लेने पर उसके पास से चार जिंदा कारतूस 315 बोर एक बंगाली तंबाकू और चार रुपए बरामद हुए पुलिस ने घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दुग्ध पार्लर में तीसरी बार दीवार काटकर चोरी

संवाददाता, फरीदपुर

- 28 अक्टूबर, 6 और फिर 19 नवंबर को हजारों की हुई चोरी
- पुलिस पर भी सवालिया निशान रिपोर्ट दर्ज कर ठंडे बस्ते में डाली

अमृत विचार : पराग पार्लर में ऐसा क्या है जिसे बार बार निशाना बनाया जा रहा है। पुलिस भी इस मामले में ढिलाई बरते हैं और चोर लगातार एक ही पार्लर को निशाना बनाए हैं। पराग पार्लर पर चोरों ने चौथी बार कल रात छत काटकर चोरी कर ली।

मोहल्ला फर्रखपुर निवासी सर्वेश गुप्ता ने थाना पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि उसकी गौसगंज पुलिया के निकट पराग मिल्क पार्लर की दुकान है।

बुधवार को रात्रि में अज्ञात चोरों ने दुकान में रखा लगभग 25 हजार का सामान चोरी कर ले गए। सुबह अपनी दुकान खोलने गए तो दुकान कटीथी। चोर उसमें रखा सामान चोरी कर ले गये थे। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया लेकिन कार्यवाही नहीं की। इससे चोरों ने बुधवार को फिर उसी पार्लर में चोरी की।

6 नवम्बर के बाद फिर से 19 नवंबर को अज्ञात चोरों ने पराग पार्लर को लगाते निशाना बनाते हुए पुलिस की कार्रवाई पर सवाल ही नहीं खड़े किया बल्कि पुलिस को चुनौती देते हुए कलई खोल दी बताते चले सबसे व्यस्त जगह विगत दिनों एक ही सप्ताह में दो बार दुकान की छत काटकर हुई हजारों की चोरी की गई पीड़ित का आरोप तहरीर देने के बाद भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज तो की लेकिन मामले में लीपापोती की जा रही है।

अंग्रेजी दवा की दुकान में आयुर्वेदिक दवाएं मिलीं

संवाददाता, शेरगढ़

- औषधि निरीक्षक ने किया औचक निरीक्षण, सेंपल लैब में भेजे

अमृत विचार : क्षेत्रीय औषधि निरीक्षक राजेश कुमार ने बृहस्पतिवार को कस्बे में अचानक छापेमारी कर दवाखानों की जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दो स्थानों पर छापा मारा, जिसमें कस्बे के एक दवाखाना पर एलोपैथिक दवाओं का कोई स्टॉक नहीं मिला। वहां बड़ी मात्रा में आयुर्वेदिक दवाएं भंडारित पाई गईं। इसके अलावा उन्होंने एक स्थानीय मेडिकल एजेंसी का भी सघन निरीक्षण किया और मौके पर ही जांच रिपोर्ट तैयार की।

औषधि निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि निरीक्षण के दौरान संदेहजनक दवाओं के कुछ नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजा गया है। नमूनों की रिपोर्ट आने के बाद संबंधित संचालकों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट सहायक आयुक्त औषधि को भेजी जा रही है।

क्षेत्र में अवैध दवाखानों और अनियमित मेडिकल स्टोरों की भरमार को लेकर उन्होंने चिंता व्यक्त की। नगरिया सोबरनी, बैरमनगर, नगरिया कलां समेत आसपास के क्षेत्रों में अनेक जगह दवाखानों का अवैध संचालन किया जा रहा है, कई किराना दुकानों पर भी दवाएं बेची जा रही हैं। लोगों ने शिकायत की कि मेडिकल स्टोरों पर दवा खरीदने पर बिल जारी नहीं किया जाता। राजेश कुमार ने कहा कि क्षेत्र में अवैध मेडिकल स्टोरों और दवाखानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हेलीकाप्टर ने चौथे दिन भरी उड़ान

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : तकनीकी खराबी से गोरा लोकनाथपुर गांव में हुई हैलीकाप्टर की इमरजेंसी लैडिंग के चौथे दिन गुरुवार को विमान ने उड़ान भरी और गंतव्य को रवाना हो गया।

गुरूवार को वैज्ञानिकों ने हैलीकॉप्टर को दोपहर में स्टार्ट किया गया और पायलट द्वारा उसे जमीन से करीब 20 मीटर की ऊंचाई पर चालू हालत में काफी समय तक टैस्टिंग के लिए रोके रखा गया। इसी दौरान एयरबेस से

गंतव्य को रवाना हुआ हेलीकाप्टर।

आये दूसरे हैलीकॉप्टर के साथ ही 3.39 बजे लैंडिंग हुए हैलीकॉप्टर पायलट द्वारा गंतव्य को रवाना हो गया। विगत सोमवार को दोपहर बाद गांव गोरा लोकनाथपुर निवासी विनोद शर्मा के सरसों के खेत में तकनीकी खराबी से वायुसेना का हैलीकॉप्टर खेत में उतारा गया था। खेत में खड़ा हैलीकाप्टर ग्रामीणों के लिए कौतूहल का विषय बन गया। हैलीकॉप्टर के बीच रास्ते में लैंडिंग होने से दिल्ली, मध्य प्रदेश, पुणे, बंगलूरू और गुजरात आदि से इंजीनियरों की टीम मौके पर पहुंची और कई दिन तक सुरक्षा डेरा डालकर खराबी को दूर करने में लगी रहीं।

बंटवारे को लेकर मारपीट, 4 पर रिपोर्ट

आंवला। कस्बे के नंद वाटिका निवासी दीपक ने बताया कि वह गुरुवार की सुबह दूध लेने के बाद वापस लौट रहे थे। तभी पक्का कटरा निवासी राजीव अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, सूरज अग्रवाल और नीरज अग्रवाल उनके सामने लाठी–डंडे लेकर आ गए और पीट दिया।

दबंगों ने किसान पर किया हमला

मानपुर, अमृत विचार : थाना शीशगढ़ के ग्राम खमरिया निवासी सलमान पुत्र पीर खान ने पुलिस को बताया कि उसने अपने चार बीघा खेत में दो माह पूर्व लाही की फसल बोई थी। उक्त फसल को तहसील खान, तौफील खान, तौसीब खान व आसिफ निवासी सहदौरा थाना किच्छा दबंगई के बल पर ट्रेक्टर से पलट रहे थे। किसान ने फसल पलटने का विरोध किया तो उपरोक्त चारों लोगों ने गाली गलौच करते हुए मारपीट की तथा कोई धारदार चीज हाथों में मारकर किसान को घायल कर दिया। परिजन उसे अस्पताल ले गये। वहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मुकद्दमा दर्ज कर मामले की जाँच शुरू कर दी है।

न्यूज डायरी

विज्ञान मेले में छात्रों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

राजपुरकलां, अमृत विचार : सदगुरु कुलम पब्लिक स्कूल, अलीगंज में विज्ञान मेला एवं आर्ट–क्राफ्ट गैलरी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 6 से 12 तक के छात्र–छात्राओं ने वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया। मेले में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए 50 से अधिक प्रोजेक्ट और मॉडलों ने आगंतुकों का ध्यान खींचा। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व ब्लॉक प्रमुख मझगवां डॉ. जीराज सिंह यादव ने किया। इस दौरान प्रधानाचार्य अमित कुशवाह, मुकुट सिंह यादव, मंतश परवीन, प्रतिभा सक्सेना, गौरव शर्मा, विशाल चौहान, दीपक पाठक, अजीत कुमार, शिवम सक्सेना, अतुल तथा नदीम का योगदान रहा।

रिछा-जहानाबाद मार्ग पर मरम्मत शुरू

देवरनियां, अमृत विचार : चावल नगरी रिछा में रिछा–जहानाबाद मार्ग की मरम्मत का काम पीडब्लूडी ने शुरु करा दिया है। जर्जर हो चुके इस मार्ग पर बृहस्पतिवार से काम शुरु हो गया। रिछा राइस मिलर एसोसिएशन अध्यक्ष अतहर हुसैन नियाज़ी समय–समय पर राइस मिलर्स और आम जन मानस के मुद्दे उठाते रहे हैं। सड़क निर्माण के लिए वह लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता से मिले थे। इस मार्ग पर साइन बोर्ड लग चुके हैं, साथ ही रिफ्लेक्टर्स के लिए बजट आने का इंतज़ार है, उसके बाद काम शुरू हो जाएगा। रिफ्लेक्टर्स लगने के बाद रात में भी राहगीरों को आवागमन में सुविधा होगी। सड़क मरम्मत के बारे में विभाग द्वारा काम शुरू होने की बात कहीं गई थी। बृहस्पतिवार से पीडब्ल्यूडी विभाग ने मरम्मत का कार्य शुरू करा दिया है। जिसमे रिछा–जहानाबाद रोड पर रेलवे स्टेशन से दमखोदा तक बड़े गड्ढों की मरम्मत की जाएगी।

छात्राओं के लिए आयोजित किया करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम

नवाबगंज, अमृत विचार : मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत गुरुवार को गंगाशील महाविद्यालय, फैजुल्लापुर में छात्राओं के लिए करियर काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट कार्यक्रम में मार्गदर्शन और करियर संबंधी दिशा प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन नीतू चौधरी ने प्रभावी व आत्मविश्वासपूर्ण ढंग से किया। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वह पढ़ाई के दौरान ही लक्ष्य केन्द्रित करके भविष्य की योजना बनाएं। इससे आगे की राह आसान हो सकेगी और करियर को प्राप्त करने में सुविधा होगी। उन्होंने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारण, विषय चयन, कौशल विकास और रोजगार की संभावनाओं जैसे अहम बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य कुलदीप वर्मा ने छात्राओं को विषयों के चयन, करियर लक्ष्य तय करने, आत्मप्रेरणा के महत्व तथा वनस्पति विज्ञान एवं रसायन विज्ञान में उपलब्ध भविष्य की संभावनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. नजमा बेगम, डॉ. शिल्पा जैन, संतोष कुमार, डॉ. अरविंद सिंह, डॉ. बीरेन्द्र कुमार वर्मा, सौरभ गंगवार, डॉ. प्रीति सक्सेना, डॉ. स्वाति गुप्ता, प्रीतिका गुप्ता, डॉ. दुर्गेश शर्मा, श्रीमती मिथलेश कुमारी, रजनदीप कौर, अम्बुज सिंह एवं शाबीन बी का विशेष योगदान रहा।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

क्योलडिया, अमृत विचार : भदपुरा ब्लाक संसाधन केंद्र क्योलड़िया में समेकित शिक्षा के तहत 44 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हो गया। प्रशिक्षण मंगलवार से शुरू हुआ था बृहस्पतिवार को इसका समापन हो गया। इसके ट्रेनर अवध नारायण पांडेय एवं गोविंद वर्मा रहे। इन्होंने शून्य से छह वर्ष तक के बच्चों को समावेशी शिक्षा से जोड़ने और आंगनबाड़ी केंद्रों पर दिव्यांग बच्चों की पहचान करने के बारे में बताया। यह प्रशिक्षण बीईओ विजय कुमार और समस्त कर्मचारियों के सहयोग से किया गया इस मौके पर, नीरज, अनीता देवी, मंजू, ज्ञानेश्वरी, दीपा, पूजा सहित आदि आंगनबाड़ी मौजूद रही।

जनसेवा केन्द्र संचालक पुनरीक्षण कार्य में सहायक बनें

मीरगंज, अमृत विचार : गुरुवार को तहसील सभागार में एसडीएम आलोक कुमार और तहसीलदार आशीष कुमार की अध्यक्षता में जनसेवा केन्द्र संचालकों की बैठक हुई। इसमें मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की जानकारी संचालकों को दी गई। अधिकारियों ने बताया कि बीएलओ एवं मतदाताओं को होने वाली समस्याओं के निराकरण में जनसेवा केन्द्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कहा कि जनसेवा केन्द्र आम जनमानस के लिए आवश्यक सेवा केंद्र बन चुके हैं, जहाँ नागरिक विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं। इसी के तहत विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की जानकारी मतदाताओं तक आसानी से पहुंचाई जा सकती है, जिससे हर मतदाता अपना नाम सत्यापित कर सके।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल परीक्षा का प्रमाण पत्र सन् 2016 जिसका अनुक्रमांक 1010172 वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **शिवम पुत्र प्रेमशंकर निवासी ग्राम रतनपुर परगना व तहसील बिसौली जिला बदायूं**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 19.11.2025 को घर से कचहरी फोटो स्टेट कराने जाते समय मेरी बी.कॉम की डिग्री रास्ते में कहीं गिर गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। **शिल्पी गुप्ता पुत्री राजीव कुमार गुप्ता पत्नी श्री मयंक गुप्ता निवासी 5/116 सिविल लाइन्स, चौपुला, बरेली।**

वैधानिक सूचना :– समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

प्रगति नहीं होने पर तीन बीएलओ का वेतन रोकने की संस्तुति

मीरगंज, अमृत विचार : एसआईआर कार्य में लगातार धीमी प्रगति दिखाने वाले बीएलओ पर कार्यवाही की संस्तुति की है। बीडीओ आनन्द विजय यादव ने पत्र भेजकर बीएलओ सलमा परवीन सहायक अध्यापिका प्राइमरी स्कूल परौरा द्वारा निर्वाचन कार्य में रूचि नहीं लेने और समय पूर्व बूथ छोडकर चले जाने से आवेदन नहीं भरे जा रहे हैं। इसके अलावा राजीव कुमार बीएलओ (शिक्षा मित्र, समसपुर)बिना बताए तीन दिन की छुट्टी पर हैं। हरवेंद्र सिंह प्राथमिक विद्यालय नरखेड़ा, आलम प्राथमिक विद्यालय मनकरा ,मनीषा प्राथमिक विद्यालय मनकरा की कार्य की प्रगति दस फीसदी से कम है। तीनों बीएलओ का वेतन रोकने की संस्तुति बीएसए से की गई है।

मारपीट के मामले में 5 लोगों के खिलाफ दर्ज की रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार : बच्चों के झगडे से उपजा विवाद बडों तक पहुंच गया। मारपीट में तीन लोग घायल हो गये। पीडित ने पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। भीमलौर रसूलपुर गांव निवासी वीरेश पाल ने बताया कि पिछले दिनों उनके छोटे बच्चे और विपक्षी पक्ष के बच्चों के बीच विवाद हो गया था। जिससे विपक्षी परिवार उनसे रंजिश रखने लगा। 11 नवंबर की शाम को जब वीरेश पाल अपने गांव के शिशुपाल के मकान पर मजदूरी कर रहा था। तभी विपक्षियों ने नाजायज तमंचा, भाला, लाठी-डंडे और ईंटों से उसके ऊपर हमला कर दिया। इस हमले में उसका बेटा गौरव का हाथ टूट गया, पत्नी राजो देवी के सिर पर गंभीर चोटें आईं, और स्वयं वीरेश पाल के बांये हाथ की तीन उंगलियां फट गईं। विरोध करने पर आरोपितों ने तमंचा लहराकर धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर देवेन्द्र, राजेश, करन सिंह, प्रताप, वीरसिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

एक माह बाद मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव रहपुरा जागीर निवासी पीड़ित महेन्द्र ने बताया पिछले माह गांव में हो रही चकबंदी के दौरान उनकी गांव निवासी देवेंद्र से कहासुनी हो गई थी, जिससे 21 अक्टूबर की सुबह देवेन्द्र, डोरीलाल,कमलपाल,रूपलाल घर में लाठी,डंडे और धार दार हत्यारों को लेकर घर में घुस कर पीड़ित को पीटने लगे। बचाने आए चाचा कृष्णपाल,भाई सुनील को भी पीटकर घायल कर दिया। परिवार की एक महिला को जमीन पर पटककर उसके साथ अश्लील हरकत की ।विरोध करने पर उनको पीटकर घायल कर दिया ।वह पिछले एक माह से जिला अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित की शिकायत पर एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने करीब एक माह बाद रिपोर्ट दर्ज की है।

विवाद में हस्तक्षेप महिला की अंगुली चबाई, रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : ननद और पड़ोसी महिला में हो रहे विवाद में हस्तक्षेप करना एक महिला को महंगा पड़ गया। ननद के साथ विवाद कर रही पड़ोसी महिला ने उसे जमीन पर गिरा कर लाठी डंडों से मारपीट की। तथा उसके दाएं हाथ की अनामिका उंगली दातों से चबा डाली। महिला ने बुधवार देर रात कैंट थाने में आरोपी महिला के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रिश्वत कांड में सीडीपीओ के खिलाफ होगी रिपोर्ट

आंगनबाड़ी भर्ती में महिला से कार में पैसा लेते वीडियो हुआ था वायरल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- निलंबन के सात महीने बाद भी रिपोर्ट दर्ज नहीं होने पर निदेशक ने जताई नाराजगी

अमृत विचार : आंगनबाड़ी भर्ती में रिश्वत लेने के आरोपों में घिरे सीडीपीओ कृष्ण चंद्र पर और शिकंजा कसेगा। निलंबन के सात माह बाद भी ठोस कार्रवाई न होने पर निदेशक सिमरन कौर ब्रोका ने तत्काल एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दिए हैं।

फतेहगंज पश्चिमी के सीडीपीओ कृष्ण चंद्र की शिकायत इसी साल अप्रैल माह में ग्राम टिटोली की वीरवती ने तत्कालीन जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार से जनसुनवाई के दौरान की थी। उनका आरोप था कि सीडीपीओ ने आंगनबाड़ी में चयन कराने के एवज में पिछले साल 12 नवंबर को कार में 70 हजार रुपये की रिश्वत ली थी। महिला ने रुपये देते मोबाइल से बनाया वीडियो भी डीएम को दिया था और बताया कि मार्च में जब चयनित अभ्यार्थियों की सूची चस्पा हुई तो नाम गायब देखकर सीडीपीओ से बात की तो उन्होंने उसके फार्म में कुछ कमियों का हवाला देकर फोन काट दिया। आरोप था कि दूसरी महिला से 2.50 लाख रुपये लेकर जान-बूझकर उसका चयन कराया था।

डीएम ने तत्कालीन सीडीओ जग प्रवेश से जांच कराई। सीडीओ ने आईसीडीएस के डायरेक्टर और प्रमुख सचिव को सीडीपीओ का रुपये लेते वीडियो भेज निलंबन की संस्तुति की थी। इसके बाद निलंबित कर सीडीपीओ को शाहजहांपुर अटैच करते हुए उप निदेशक मुख्यालय को जांच अधिकारी नामित किया है। इधर, सीडीपीओ की वीडियो रिकार्डिंग पिछले माह विधि प्रयोगशाला भेजी गई। इस 15 अक्टूबर को वहां से यह कहकर वापस कर दिया गया कि लैब में कोर्ट और पुलिस से भेजी गई जांच ही स्वीकार की जाती हैं।

उधर, डीपीओ की रिपोर्ट में यह पहले ही बता दिया गया था कि आरोपी पर अभी तक एफआईआर नहीं हुई है। इसके बाद निदेशक ने सीडीपीओ पर अब तक एफआईआर नहीं होने पर सवाल उठाते हुए कड़ी नाराजगी जताई। साथ ही सीडीपीओ पर तत्काल रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश दिए। डीएम अविनाश सिंह ने बताया कि आईसीडीएस की निदेशक का पत्र मिला है। इसके बाद डीपीओ को एफआईआर कराने के निर्देश दिए हैं।

बकरी व्यापारी से 40 हजार रुपये छीने

भमोरा, अमृत विचार : बाजार में बकरियां बेच कर सब्जी खरीदने जा रहे व्यापारी को तीन अज्ञात लोग दरोगा बुला रहे हैं कहकर बरेली बदायूं रोड पर ढाबे पर ले गये। वहां उसके साथ मारपीट की और उससे पैसे छीनकर फरार हो गये।

ग्राम चकरपुर निवासी वीरपाल पुत्र फूलचन्द्र देवचरा बाजार में बकरियां बेचने व खरीदने का व्यापार करते हैं। गुरुवार दोपहर बाद बकरियां बेच कर सब्जी खरीदने बाजार जा रहा था। रास्ते में तीन अज्ञात लोगों ने बोला तुमने चोरी कर बकरी बेची है।दरोगा जी बुला रहे है। थोड़ा दूर चलने के बाद ठग बोले दरोगा जी आगे चले गए हैं। इतने में एक अन्य मोटरसाइकिल सवार आया जिसकी मोटरसाइकिल पर बैठा कर उक्त तीनों युवक बरेली बदायू रोड पर बने एक ढाबे के पीछे कब्रिस्तान में ले गए और मारपीट कर व्यापारी से 40 हजार रुपए छीन लिये। व्यापारी ने थाना पुलिस को तहरीर दे कार्रवाई की मांग की।

चलती कार बनी आग का गोला, बाल-बाल बचे

इज्जतनगर कारखाने के सामने कार में लगी आग। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- यांत्रिक कारखाना इज्जतनगर गेट पर हुई घटना

अमृत विचार : इज्जतनगर क्षेत्र में गुरुवार शाम चलती कार में अचानक आग लग गई। दमकल विभाग की टीम ने आग बुझाई। कार सवार दंपती और बच्चे हादसे का शिकार होने से बच गए। इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है।

बहेड़ी के नूरी नगर मोहल्ले के मो. शादाब ने बताया कि वह गुरुवार को कार से पत्नी और बच्चों के साथ दवा लेने के लिए शहर आ रहे थे। शाम करीब 6: 30 बजे वह जैसे ही यांत्रिक कारखाना इज्जतनगर गेट के पास पहुंचे, तभी कार में अचानक से आग लग गई। वह तुरंत कार से बच्चों और पत्नी के साथ बाहर निकल गए। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। एन. ई. रेलवे मेंस कांग्रेस के मंडल मंत्री रजनीश तिवारी भी पदाधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच गए। उनकी सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने किसी तरह आग पर काबू पाया।

धोखाधड़ी कर प्लॉट बिकवाने में तीन पर मुकदमा

नवाबगंज, अमृत विचार : मोहल्ला बंजारान निवासी साबिर ने कोतवाली में दी तहरीर में आरोप लगाया कि उसने यूसुफ व कौशरजहां से ग्राम रिछौला किफायतुल्ला में 128 वर्ग गज का प्लॉट 1 लाख 53 हजार रुपये नगद देकर खरीदा था। कौशरजहां से नोटरी के माध्यम से अपने नाम विक्रय रसीद भी कराई गई थी, जिसमें अब्दुल रऊफ निवासी मोहल्ला प्रेमनगर, कस्बा व थाना नवाबगंज गवाह था।

उक्त प्लॉट को तीनों ने मिलकर धोखाधड़ी करते हुए काशिम खां के हाथ बेचकर बैनामा करा दिया।

मोहल्ले के लोगों ने तहरीर दी

फरीदपुर, अमृत विचार : घर बुलाकर महिलाओं और लड़कियों के झांसे में लेकर उनके साथ अश्लील वीडियो बनाये। फोटो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोप लगाते हुए मोहल्ले के लोगों ने आरोपी के खिलाफ कोतवाली फरीदपुर में कार्यवाही के लिए तहरीर दी है।

कंप्यूटर ऑपरेटर पर किसान से रिश्वत मांगने का आरोप

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार: उप मंडी स्थल गेट पर तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा किसान के साथ मारपीट और रुपये मांगने का मामला सामने आया है। बुधवार को आरोपी द्वारा की गई पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गुरुवार को पीड़ित किसान कई अन्य किसानों के साथ कोतवाली पहुंचा और तहरीर दी। इस पर कोतवाल ने रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

थाना हाफिजगंज क्षेत्र के गांव ग्रेम निवासी किसान रामबहादुर ने बताया कि उन्होंने 17 नवम्बर को अपना धान ऑनलाइन कराया था, जिसके बाद जमीन के कागजात मंडी स्थल पर कंप्यूटर ऑपरेटर रामनिवास के पास जमा किए गए थे। टोकन पास होने के बाद कागजात लौटाए जाने की बात कही गई थी। जब किसान कागज लेने पहुंचा तो अगले दिन आने को कहा गया।

अगले दिन पुनः पहुंचने पर ऑपरेटर ने एक हजार रुपये की मांग की। किसान ने रुपये देने में असमर्थता जताई तो कागजात खो जाने की बात कह दी और दोबारा जमा करने को कहा। इस पर सवाल करने पर ऑपरेटर भड़क गया और गाली-गलौज करते हुए केबिन से बाहर निकलकर किसान के साथ मारपीट कर दी।

घटना से आहत होकर गुरुवार को किसान अन्य किसानों के साथ कोतवाली पहुंचा और आरोपी पर कार्रवाई की मांग की। किसानों की तहरीर पर कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव ने तत्काल रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए।

प्रतिभांजलि : गायन में नूर उल नबी प्रथम

बरेली कालेज के वाणिज्य संकाय में यूजी फोरम की ओर से आयोजित गायन-वादन में प्रस्तुति देने से पूर्व मौजूद कलाकार।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली कालेज के वाणिज्य संकाय में यूजी फोरम की ओर से वाणिज्य संकाय के स्मार्ट कक्ष में बीकॉम विषम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं की गायन, वादन, नृत्य, कविता, शायरी, अभिनय आदि कलाओं के प्रस्तुतीकरण के लिए प्रतिभांजलि कल्चरल इवेंट का आयोजन हुआ।

गायन में नूर उल नबी ने प्रथम, प्रणव शंखधार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि सांत्वना पुरस्कार नुसरा फातिमा खान व रौनक गोस्वामी को मिला। कविता में अतुल कीर्ति व नृत्य में अर्पित शर्मा ने बाजीमारी। वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष प्रो. भूपेंद्र सिंह, यूजी फोरम के डायरेक्टर प्रो. दयाराम, प्रो. ओमकार, प्रो. पंकज यादव, डॉ. प्रतीक वर्मा, यूजी फोरम प्रभारी डॉ. विकास शर्मा, डॉ. बृजवास कुशवाहा, डॉ. आलोक कुणाल, डॉ. ईशा धवन, डॉ. जीवेश नंदन, डॉ. शैल चौधरी, डॉ. संजय कुमार और डॉ. राहुल मिश्रा मौजूद रहे। संचालन डॉ. विकास शर्मा ने किया। छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में उत्साह से भाग लिया।

महिला को पीटकर निकाला जेठ पर दुष्कर्म का आरोप

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : नगर स्थित एक दरगाह के सज्जादानशीन की पुत्री ने अपने ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और सामूहिक दुष्कर्म जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

विवाहिता का निकाह करीब पांच वर्ष पूर्व रिठौरा के कुर्मियान मोहल्ला निवासी मुन्ने के पुत्र अब्दुल गनी के साथ हुआ था। आरोप है कि उसके जेठ सरफराज उर्फ लल्ला, मोहम्मद यासीन और देवर राजा लंबे समय से उसके साथ छेड़छाड़ करते थे। इस संबंध में उसने पहले भी हाफिजगंज थाने में शिकायत की थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से आरोपियों के हौसले और बुलंद हो गए।

आरोप है कि 26 अक्टूबर की रात, जब वह अपने दो बच्चों के साथ घर में लेटी थी, तभी सास नसीबन के उकसावे पर दोनों जेठों और देवर ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। जब पीड़िता ने इस घटना की शिकायत की, तो पति, सास और ननदों (नथिया, शबनम व जीनत) ने उल्टे आरोपियों का पक्ष लेते हुए उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी और उसके गहने छीनकर घर से निकाल दिया।

पीड़िता ने अपने पति पर किसी अन्य युवती से अवैध संबंध होने का भी आरोप लगाया है। एक सप्ताह पूर्व पति अपने तीन साथियों के साथ मायके पहुंचा और वहां भी विवाहिता के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने आए उसके सूफी पिता की दाढ़ी पकड़कर उन पर हमला किया गया ।

..शख्सियत अपनी असली छिपाते हैं हम

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार: सत्यराज आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में न्यू प्रवेश छात्रों के उपलक्ष्य में काव्य पाठ का आयोजन डॉ वीरेंद्र प्रताप द्वारा किया गया। जिसमें कवियों ने अपनी अपनी कविताओं से समाँ बांध दिया। छात्र/ छात्राओं ने कविताओं का खूब आंनद उठाया ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, विशिष्ट अतिथि विधायक डा.डीसी वर्मा,डा. राघवेंद्र शर्मा, जिला अध्यक्ष सोमपाल शर्मा, रामपुर जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार व स्वामी दयानन्द डिग्री कॉलेज, इंटर कॉलेज के निदेशक पंकज गंगवार,शुगर मिल के महाप्रबंधक अरविन्द गंगवार,राजेश गंगवार व समस्त क्षेत्रवासी आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार। ● अमृत विचार

बरेली के कुमार आदित्य यदुवंशी ने कहा कि : सीखता अनुभव से मैं और खेलता हूं काव्य से,
लिखने का यह हुनर मिला मुझे मेरे सौभाग्य से।

बदायूं से कवि विवेक यादव "अज्ञानी"ने कहा: पाठ जब आचरण का पढ़ाते हैं हम
शख्सियत अपनी असली छुपाते हैं हम
अपने अंदर के रावण को जिंदा रखा
और दशहरे का रावण जलाते हैं हम

हापुड़ से राजकुमार शिशौदिया "राजा" ने आजादी पर अपनी रचना सुनाई : देश की स्वतंत्रता की बलिवेदी पै चढ़े जो,
क्रान्तिकारियों के इतिहास को नमन है।
आजादी की ले मशाल रक्त में लिए उबाल,गौरों के गले की बने फांस को नमन है।

आईटीआई में शुरू होंगे शॉर्ट टर्म कोर्स

बरेली, अमृत विचार : छोटी अवधि वाले प्रशिक्षण कोर्सों को ज्यादा महत्व दिया जा रहा है। सिविल लाइंस स्थित राजकीय प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में शॉर्ट टर्म तकनीकी कोर्स शुरू किए जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से अपग्रेड हो रहे आईटीआई में नई ट्रेड शुरू होने से युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकेंगे।

विद्यार्थी आधुनिक मशीनों से इलेक्ट्रिक व्हीकल असेंबली ऑपरेटर और ऑटोमोटिव एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेटर सहित अन्य ट्रेड, रोबोट ऑपरेटर, ईवी टेक्नीशियन, डिजाइनिंग, लैथ मशीन तकनीक, सीएनसी प्रोग्रामिंग और वेल्डिंग जैसे आधुनिक उद्योगों से संबंधित प्रशिक्षण पा सकेंगे।

41वीं सीनियर व 8 वीं कैडेट राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता आज से

कार्यालय संवाददाता, बरेली

स्पोर्ट्स स्टेडियम में इंतजाम न होने के कारण जमीन पर बैठे खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए आए खिलाड़ी जमीन पर बैठे रहे

अमृत विचार : ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया और उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो संघ की ओर से बालक एवं बालिका वर्ग में 41 वीं ऑफिशियल सीनियर व 8 वीं कैडेट राष्ट्रीय ताइक्वांडो फाइट एवं पूमसे स्पर्धा शुक्रवार से स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगी। प्रतियोगिता के लिए गुरुवार सुबह से ही टीमों ने पहुंचना शुरू कर दिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ फरीदपुर विधायक प्रो श्याम बिहारी लाल सुबह साढ़े 11 बजे करेंगे। उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो संघ के महासचिव अनिल कुमार बॉबी ने बताया कि प्रतियोगिता में बिहार, झारखंड, पंजाब, हरियाणा, नई दिल्ली, उत्तराखंड, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना, दमन एंड दीव नागर एंड दादर हवेली, आसाम एवं मेजबान यूपी सहित 22 से अधिक राज्यों की चयनित टीमें पहुंच चुकी हैं। वहीं, प्रतियोगिता के लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम में आए खिलाड़ी और कोचों के लिए रुकने और बैठने के लिए उचित व्यवस्था की नहीं गई। अव्यवस्था पर बात करने से कोच और खिलाड़ी बचते रहे। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए आए खिलाड़ी जमीन पर बैठे रहे।

खेल प्रतियोगिता

बेसिक शिक्षा परिषद में न्याय पंचायत स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता में गांव के बच्चों ने विभिन्न खेलों में दिखाया दमखम, हुए सम्मानित

दौड़,कबड्डी में कंपोजिट विद्यालय अटंगा योगी के छात्र-छात्राओं का दबदबा

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : विकासखंड नवाबगंज के प्राथमिक विद्यालय फाजिलपुर के पास स्थित मैदान में गुरुवार को न्याय पंचायत स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अलग-अलग खेलों में बढ़-चढ़कर प्रतिभा दिखाई।

100 मीटर दौड़ में सत्यम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे तेज दौड़कर प्रथम स्थान हासिल किया। प्राथमिक स्तर की 50 मीटर दौड़ में बालक वर्ग से मोहम्मद आरिश ने बाजी मारी, जबकि 200 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग से नैतिक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कंपोजिट विद्यालय अटंगा योगी की बालिका एवं बालक कबड्डी टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर क्षेत्र का मान बढ़ाया। वहीं खो-खो में भी कंपोजिट विद्यालय अटंगा योगी की बालक एवं बालिका टीमों ने प्रथम स्थान के साथ अपना वर्चस्व दर्ज कराया। विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हर स्वरूप, देवेंद्र, संजय सिंह, हरीश गंगवार, भूपेंद्र, तनवीर सिंह, पारुल गंगवार, वंदना आदि रहे।

खेल कूद प्रतियोगिता में विजयी कंपोजिट विद्यालय अटंगा योगी के विद्यार्थी।

डीएम अविनाश कुमार सिंह ने बच्चों को सम्मानित किया। ● अमृत विचार

न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

क्योलड़िया, अमृत विचार : न्याय पंचायत क्षेत्र के 16 प्राथमिक एवं 6 उच्च प्राथमिक विद्यालयों द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। प्राथमिक स्तर पर बालक वर्ग में 50 मीटर दौड़ में सत्येंद्र (प्रा.वि. मोहम्मदपुर), 100 मीटर में मोहम्मदपुर इस्लाम प्रा.वि. खतौआ, 200 मीटर में रेहान (प्रा.वि. खतौआ) तथा 400 मीटर दौड़ में प्रा.वि. बरखन प्रथम रहे। बालिका वर्ग में 50 मीटर दौड़ में अनामिका (प्रा.वि. दलेलनगर) तथा अन्य स्पर्धाओं में रोशनी (उ.प्रा.वि. मोहम्मदपुर) विजयी रहीं। उच्च प्राथमिक स्तर पर बालक वर्ग में 100 मीटर में संजय (दलेलनगर), 200 मीटर में अरबाज (दलेलनगर), 400 मीटर में दीपांशु तथा 600 मीटर दौड़ में सुमित प्रथम आए। बालिका वर्ग में 100 मीटर में पूजा (बरखन), 200 मीटर में इमरान (उ.प्रा.वि. बरखन) तथा 400 व 600 मीटर दौड़ में मीनाक्षी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ऊँची कूद में बालक वर्ग के सत्यम और बालिका वर्ग की मीनाक्षी विजयी रहीं। विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार एवं मेडल प्रदान किए गए।

डीएम ने टीम को किया सम्मानित

फरीदपुर, अमृत विचार : 69 वीं प्रदेशीय माध्यमिक विद्यालयों की ताइक्वांडो प्रतियोगिता पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज मिर्जापुर में हुई। बरेली मण्डल का प्रतिनिधित्व करते हुए उच्च प्राथमिक विद्यालय शिवनगर विकासखंड भुता से बालक वर्ग में अनुज कुमार ने स्वर्ण पदक ,दिनेश एवं इन्द्रजीत ने कांस्य पदक प्राप्त किया। बालिका वर्ग में रागिनी ने रजत पदक,प्रियांशी,अनुपम,पारुल ने कांस्य पदक प्राप्त किया । विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर डीएम ने आज उनको अपने कार्यालय में सम्मानित किया और सभी बच्चों को चॉकलेट भी खिलाई उन्होंने कोच जय सिंह भानु प्रताप एवं शिक्षक अनुज शर्मा को शुभकामनाएं दी।

किसी को ट्रैक्टर तो किसी को मिला हार्वेस्टर

कार्यक्रम में मौजूद अपर आयुक्त, उप निदेशक मंडी व अन्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के तहत लकी ड्रा का आयोजन

अमृत विचार : मंडी समिति कार्यालय सभागार में गुरुवार को अपर आयुक्त (न्यायिक) मनोज कुमार की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के तहत मंडल स्तरीय लकी ड्रा का आयोजन हुआ। जिसमें बरेली संभाग के 5095 किसानों के 68381 कूपन शामिल किए गए। इनमें 117 कृषकों के नाम विजेता के रूप में सामने आए। जिसमें किसी को पंपिंग सेट, टीवी, पॉवर स्प्रेयर, मिक्सर ग्राइंडर, ट्रैक्टर, पावर टिलर तो किसी को पावर ड्रिवेन हार्वेस्टर और सोलर पावर पैक संयंत्र जैसे आकर्षक पुरस्कार मिले।

किसानों ने सरकार के इस कदम की सराहना की और कहा कि इससे उन्हें अपनी फसलों के लिए उचित मूल्य मिलने में मदद मिलेगी। अपर आयुक्त (न्यायिक) ने कहा कि सरकार किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। उन्हें उनकी मेहनत का उचित पुरस्कार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंडी सचिव संतोष यादव, सम्भागीय लेखाधिकारी व अन्य अफसर मौजूद रहे।

आध्यात्मिक व एकता की भूमि

बरेली: नाथ नगरी

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

नाथ कॉरिडोर से पर्यटन नक्शे पर बरेली को मिलेगी आध्यात्मिक नगरी की पहचान

जहां अलख निरंजन की गूंज आज भी सुनाई देती है

- बरेली का नाम लेते ही बहुतों के मन में सबसे पहले "नाथ नगरी" की छवि उभरती है। कहा जाता है कि इस नगर की आत्मा शिव में बसती है। यहाँ की हवा में भभूती की महक है, और गलियों में हरदम किसी योगी के कदमों की आहट सुनाई देती है। वैदिक काल से चली आ रही परपंरा अलखनाथ मंदिर इसकी गवाही दे रहा है। बरेली का अलखनाथ मंदिर केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि वैदिक युग की आस्था, योग-परंपरा और नागा साधुओं की साधना-भूमि का जीवंत प्रतीक है। मान्यता है कि यह 6500 वर्ष पुराना है। यदि इसे 6500 वर्ष पुराना माना जाए, तो यह काल लगभग 4475 ईसा पूर्व या विक्रम संवत 4532 के आसपास आता है। यह वही समय था जब प्रारंभिक वैदिक सभ्यता (सप्तसिंधु क्षेत्र) में यज्ञ, वेद पाठ और शिव-अग्नि-सूर्य उपासना का आरंभिक रूप प्रचलित था। उस युग में पूजा के केंद्र प्रकृति आधारित होते थे यानि बरगद, पीपल और यज्ञ कुंड के रूप में। अलखनाथ मंदिर का प्रमुख प्रतीक बड़ (बरगद) के नीचे स्थित शिवलिंग इसी वैदिक परंपरा की निरंतरता का संकेत देता है। इससे यह स्थल वैदिक युग की प्राकृतिक देव-उपासना परंपरा और आधुनिक मंदिर पूजा प्रणाली के बीच एक सेतु प्रतीत होता है।
- बरेली के पुराने हिस्से में जब आप अलखनाथ या त्रिवतीनाथ मंदिर की ओर बढ़ते हैं, तो लगता है मानो किसी सुरंग में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ शोर नहीं, केवल अलख निरंजन की अनुगूंज है।
- अलखनाथ मंदिर — जिसे बरेली का आध्यात्मिक केंद्र कहा जाता है — नाथ संप्रदाय का सबसे प्रमुख स्थान है। इसका नाम ही बताता है कि यहाँ अलख निरंजन की उपासना होती है, यानी उस परम सत्ता की, जिसे देखा नहीं जा सकता पर महसूस किया जा सकता है।

अलखनाथ मंदिर का इतिहास: साधना की अनंत परंपरा

अलखनाथ मंदिर बरेली शहर के हृदय में स्थित है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही सबसे पहले विशाल नंदी की मूर्ति दिखाई देती है। चारों ओर साधुओं के छोटे-छोटे कुटीर हैं, जिनमें वर्षों से तप कर रहे नागा बाबा, सिद्ध योगी और गृहस्थ भक्त रहते हैं। मंदिर की दीवारों पर समय की परतें जमी हैं — जिनमें भक्ति, साधना और तप की कहानियाँ लिखी हैं। लोककथाओं के अनुसार, गुरु गोरखनाथ के शिष्य अलखनाथ ने यहाँ साधना की थी। उनके नाम पर ही यह स्थान प्रसिद्ध हुआ। हर वर्ष चैत्र मास में लगने वाला अलखनाथ मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और लोकसंस्कृति का उत्सव बन चुका है। नागा साधु यहाँ अपने अखाड़ों के साथ पहुँचते हैं, भभूती रमाते हैं और अलख पुकारते हैं अलख निरंजन

- महंत कालू गिरी कहते हैं कि यह स्थान केवल शिवभक्तों का नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का है जो सत्य की तलाश में है। यही कारण है कि यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, जैन — सभी श्रद्धालु बिना भेदभाव के दर्शन करने आते हैं। बताते हैं कि आनंद अखाड़े के अध्यक्ष गुरुदेव देवगिरी, धर्मगिरी, बालकगिरी की समाधि भी मंदिर में ही है।

अलखनाथ मंदिर की सज्जा

मंदिर की वास्तुकला मंदिर पारंपरिक और आधुनिक वास्तुकला शैलियों का मिश्रण दर्शाता है। इसमें जटिल नक्काशी, सुंदर कलाकृति और एक विशाल प्रांगण है। गर्भगृह में मुख्य देवता, भगवान शिव, एक शिवलिंग के रूप में स्थित हैं। मंदिर महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है। खासकर श्रावण महीने (जुलाई-अगस्त) के दौरान जब भक्त प्रार्थना करते हैं और विशेष अनुष्ठान करते हैं। महाशिवरात्रि, सावन सोमवार और कार्तिक पूर्णिमा कुछ प्रमुख अवसर हैं जिन्हें मंदिर में भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

तपेश्वर नाथ मंदिर

- तपेश्वरनाथ मंदिर के पुजारी बिशन महाराज बताते हैं कि यह मंदिर साधु संतो की तपस्थली रहा है। यहां पहले वन हुआ करता था। इसी के पास रामगंगा नदी बहती थी। वन में एक बाबा ने कठोर तपस्या की थी। इसके अलावा हिमालय से लौटते समय महर्षि के शिष्य ने यहां सैकड़ो वर्ष तप किया। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव यहां स्वयं विराजमान हुए। तभी से इसका नाम तपेश्वर नाथ पड़ा। महाराज बताते हैं कि यह सिद्धपीठ मंदिर है।

मढ़ीनाथ

मढ़ीनाथ मंदिर शिवभक्तों के प्राचीन और अत्यंत आस्थावान धामों में गिना जाता है। यह स्थान अपनी शक्ति, सिद्धि और शांत आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि मढ़ीनाथ की भूमि सदियों से साधकों, संतों और श्रद्धालुओं की पूजा—साधना का केंद्र रही है।मढ़ीनाथ मंदिर को कई स्थानीय ग्रंथों और लोककथाओं में बहुत प्राचीन शिव-पर्वत स्थल बताया गया है।इसकी स्थापना का काल सटीक रूप से प्रमाणित नहीं है, लेकिन परंपरा के अनुसार यह स्थान कई सौ वर्षों से शिवभक्ति का प्रमुख केंद्र है। मढ़ीनाथ क्षेत्र में पहले तपस्वी साधु ध्यान और तपस्या करते थे। इन्हीं साधकों की साधना शक्ति से यहाँ शिव की चेतना प्रकट होने की मान्यता है। स्वयंभूत ऊर्जा का स्थानमढ़ीनाथ को "सिद्ध पीठ" भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ की ऊर्जा साधारण मंदिरों से अधिक प्रबल मानी जाती है। यहाँ रूद्राभिषेक और महामृत्युंजय जाप अत्यंत फलदायी माने जाते हैं।सावन, महाशिवरात्रि और सोमवार को यहाँ भक्तों की भारी भीड़ रहती है। कई परिवारों में किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले मढ़ीनाथ के दर्शन की परंपरा है।

मढ़ीनाथ से कई रोचक कथाए जुड़ी हैं—

- कहा जाता है किसी समय यहाँ एक संत ने कठिन तपस्या की थी। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव शक्ति ने यहाँ स्वयंभू स्वरूप में प्रकट होने का वरदान दिया।
- एक अन्य कथा में माना जाता है कि मढ़ीनाथ महादेव नजर दोष, संकट और खतरों को दूर करते हैं। इसी कारण कई लोग यहाँ विशेष पूजा कराते हैं।
- मढ़ीनाथ केवल पूजा का स्थान नहीं बल्कि स्थानीय समाज का सांस्कृतिक केंद्र भी है।
- मढ़ीनाथ मंदिर बरेली की आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण अंग है।

पशुपति नाथ मंदिर

- यह सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शिव मंदिरों में से एक है। इसकी स्थापना 2001 में पीलीभीत बाईपास के पास की गई थी और इसे नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है यह मंदिर व्यापारी जगमोहन सिंह के मन में आए विचार से अस्तित्व में आया, जो स्वयं नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए जाया करते थे। उन्होंने 2001 में बरेली में इस मंदिर की स्थापना कराई। मंदिर का नाम जगमोहन नाथ के नाम से भी जाना जाता है। यहां के प्रमुख शिवलिंग के चारों ओर 108 शिवलिंग स्थापित किए गए हैं, जो भगवान शिव के 108 नामों को समर्पित है। मंदिर की स्थापना में जगतगुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती जी भी शामिल हुए थे धार्मिक महत्व यहां पंचमुखी शिवलिंग स्थापित किया गया है, जो नेपाल मंदिर की विशेषता भी है। मंदिर में 108 छोटे शिवलिंग भगवान शिव के विभिन्न नामों के प्रतीक हैं और इन पर जल अर्पित करने से भक्तों को मानसिक शांति प्राप्त होती है। सावन महीना विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं, जिसमें हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए आते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां के सरोवर में मछलियों को भोजन देने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पशुपतिनाथ जरूर पूरी करते हैं

विशेषताएं

- मंदिर का परिसर एक सुंदर सरोवर और पर्यटन स्थल के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें मछलियां, बत्तख और रामेश्वरम के रामसेतु से लाए गए तैरते पत्थर आकर्षण के केन्द्र हैं। परिसर में कैलाश पर्वत की झांकी, भैरव मंदिर, रुद्राक्ष और चंदन के वृक्ष भी हैं
- परिसर में रोजाना भव्य शिव श्रृंगार और आरती होती है।यहां आने वाले भक्तों का विश्वास है कि सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा करने पर उनकी हर मनोकामना पूरी होती है।

भित्ति कला से बरेली बनेगी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी

बरेली : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना से नाथ नगरी बरेली अब सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कला के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होने जा रही है। शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों, धार्मिक स्थलों और सरकारी परिसरों में 19 भव्य फोकस वॉल का निर्माण होगा। भित्ति वॉल पर भारत की प्राचीन सभ्यता, नाथ परंपरा, महाभारतकालीन इतिहास और स्थानीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहरों का संगम का शानदार प्रदर्शन होगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार के अनुसार मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप युवाओं को भारत के गौरवशाली अतीत, प्राचीन और समृद्धशाली संस्कृति से परिचय करायेगी। युवाओं और पर्यटकों को बरेली के 5000 वर्ष पुराने इतिहास और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का माध्यम बनेगी। फोकस वॉल का विचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस परिकल्पना से प्रेरित है, जिसमें उत्तर प्रदेश की सभ्यता को ग्लोबल टूरिज्म मॉडल से जोड़कर रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को बढ़ाना शामिल है। इन फोकस वॉल पर बनने वाले भित्ति-चित्र अजंता-एलोरा की शैली पर आधारित होंगे। इन चित्रों में भगवान शिव के त्रिशूल और डमरू, नाथ योगियों के प्रतीक, देवी-देवताओं की आकृतियां, बरेली की आध्यात्मिक पहचान, महाभारतकालीन नगर की विरासत और स्थानीय लोककला को जीवंत कलात्मक स्वरूप दिया जाएगा। पर्यटन विभाग ने सर्वे करने के बाद ऐसे स्थानों को चुना है। जहां से सबसे ज्यादा पर्यटक और राहगीर गुजरते हैं। इस परियोजना पर कुल 621.33 लाख रुपये (लगभग 6 करोड़ 21 लाख 33 हजार रुपये) खर्च किए जाएंगे। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा कि बरेली केवल झुमके तक ही सीमित नहीं है। यह योगियों, सिद्ध—नाथों, ऋषि-मुनियों और प्राचीन सभ्यता का नगर है। फोकस वॉल आने वाली पीढ़ियों को बरेली की असली आत्मा से परिचित कराएगी। यह न सिर्फ शहर के सौंदर्यीकरण की योजना है, बल्कि बरेली के सांस्कृतिक पुनरुद्धार और पर्यटन अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

6.21 करोड़ से शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनेगी

नाथ कॉरिडोर के तहत शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनाने की योजना है। 6.21 करोड़ रुपये से कार्य कराए जाएंगे। फोकस वाल का आठ स्थानों पर निर्माण शुरू करा दिया गया है। इसमें पेंटिंग, डिजाइन और पौराणिक कलाकृतियों को दीवार पर उकेरा जाएगा। मनोहर भूषण इंटर कॉलेज ग्राउंड, एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डीडी पुरम पार्क, नियर स्टेडियम, कुदेशिया अंडरपास, बीसलपुर चौराहा, विकास भवन चौराहा, आयुक्त कार्यालय, उद्योग विभाग कार्यालय, त्रिवटी नाथ मंदिर मैकेनियर रोड, 100 फुटा तिराहा आदिनाथ चौक, इन्वर्टिस तिराहा बड़ा बाइपास, रेलवे स्टेशन, मिनी बाइपास इज्जतनगर रेलवे स्टेशन, झुमका तिराहा, और पर्यटन कार्यालय रोहिला होटल वॉल।

नाथ कॉरिडोर के मंदिरों की दूरी

- धोपेश्वरनाथ से पशुपति नाथ मंदिर-8.2 किमी
- पशुपतिनाथ मंदिर से बनखंडी नाथ-3.0 किमी
- वनखंडीनाथ मंदिर से त्रिवटीनाथ मंदिर-7.0 किलोमीटर
- त्रिवटीनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3.2 किलोमीटर
- अलखनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3.5 किलोमीटर
- मढ़ीनाथ मंदिर से तपेश्वरनाथ मंदिर-2.5 किलोमीटर
- तपेश्वरनाथ मंदिर से धोपेश्वरनाथ मंदिर-5.8 किलोमीटर

त्रिवटी नाथ मंदिर के पुजारी रवीन्द्र शर्मा बताते हैं 1476 विक्रम संवत में जंगल में चरावाह आया वह वट वृक्ष के नीचे सो रहा था। तब बाबा ने उसे जगाया और अपने यहां होने की बात कही। चरावाहे ने बाबा के प्रकट होने की बात आसपास के लोगों को बताई। इसके बाद तो यहां जनसैलाब उमड़ पड़ा। खुदाई के बाद यहां शिवलिंग प्रकट हुआ। जैसे जैसे सभ्यता और संस्कृति का प्रचार हुआ। उसका बढ़ना शुरु हुआ त्यों त्यों मंदिर का स्वरूप भी बढ़ता गया। इस समय मंदिर में पुरातन सिद्धहस्त शिवलिंग है ही साथ ही मंदिर के स्वरूप को भव्यता प्रदान करने वाले भोलेशंकर के तांबे की भव्य आकृतियां भी है। जो यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। प्रदेश सरकार ने बरेली को नाथ नगरी के रूप में विकसित किया है। यह पुरातन मंदिर भी नाथनगरी कॉरीडोर का हिस्सा है और यहां कारीडोर के तहत निर्माण कार्य चल रहा है।

अलखनाथ मंदिर के महंत और आनंद अखाड़े के सचिव कालू गिरी बताते हैं कि यह मंदिर मुगलों के समय का है। मुगलों ने भी कई बार यहां हिन्दू मंदिरों के प्रति अपनी दुर्भावना का प्रदर्शन किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। वे बताते हैं कि मुगलों के बाद राजा महाराजा आए। उनके समय भी यहां रहने वाले बाबा अलख जगाते थे। राजा महाराजा यह सेवा देखते आ रहे थे। तब बाबा ने राजाओं से जमीन देने को कहा तो राजा ने जमीन दान दी थी। वे बताते हैं कि सनातन तो मानता ही रहा है साथ ही नवाबों अंग्रेजों ने भी नागाओं के प्रभाव को माना है। नाथ संप्रदाय की जड़ें बरेली में बहुत गहरी हैं।

सातों नाथ मंदिरों का नाथ सर्किट बनाने का उद्देश्य

- एक नाथ मंदिर से दूसरे नाथ मंदिर तक यात्रा को आसान बनाने और पूरे सर्किट में सुरक्षित और उचित सुविधाएं प्रदान करने का प्रस्ताव नाथ सर्किट में शामिल किया हैं। इसमें कनेक्टिविटी और सुगमता में सुधार के लिए आईपीटी और अन्य सार्वजनिक परिवहन जोड़े गए हैं। मंदिरों तक पैदल आवागमन को सुगम बनाने के लिए चौड़ी सड़कों पर फुटओवर ब्रिज बनेंगे। आगंतुकों के लिए पार्किंग क्षेत्र होगा। पहचान में सुधार के लिए संकेतों और नाथ नगरी सर्किट की ध्यान में रखकर की गई है। अन्य दृश्य चिह्नों का उपयोग होगा। पहचान सभी नाथ मंदिरों के जुड़ाव को प्रत्येक नाथ मंदिर में आंतरिक सड़क लाइटिंग, साइनेज, भूनिर्माण, इतनी सुविधाएं होंगी - प्रवेश मार्ग, विकास, फुटपाथ, स्टॉल, स्ट्रीट कूड़ेदान, स्ट्रीट फर्नीचर, भूमिगत संग्रहालय भवन, पार्किंग, पर्यटक सुविधाएं, खोया-पाया सुविधा, प्राथमिक चिकित्सा, पुलिस बूथ, पेयजल, सूचना कियोस्क।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत बरेली शहर की चारों दिशाओं की मुख्य सड़कों पर कॉरिडोर को दर्शाते हुए भव्य द्वार बनाए गए हैं। कॉरिडोर बनने से बरेली शहर के नाथ मंदिरों के साथ ही हर बरेलियंस को नई पहचान मिलेगी। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से होटल इंडस्ट्री से लेकर तमाम वर्गों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। रोजगार के भी साधन बढ़ेंगे। इसके साथ नाथनगरी में सभ्यता की 5000 साल पुरानी गाथा भी शहर में गूंजेगी। शहर में बनाई जा रहीं 19 फोकस वॉल पर भित्ति कला प्रदर्शित होगी। इससे बरेली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी भी बनेगी।

बरेली शहर के धोपेश्वरनाथ मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर, वनखंडीनाथ मंदिर, अलखनाथ मंदिर, तपेश्वरनाथ मंदिर, त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर ब्लॉक के अहिच्छत्र क्षेत्र में श्रद्धालुओं को हर वो सुविधाएं दी जाएं, जिनसे पर्यटक आकर्षित हों, इसको ध्यान में रखते हुए नाथ कॉरिडोर की रूपरेखा तैयार की गई। नाथ मंदिरों की भव्यता और पौराणिक इतिहास को दर्शाते हुए पर्यटकों को इस ओर आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग ने कार्ययोजना तैयार की। नाथ कॉरिडोर को राज्य सरकार ने 2023 में मंजूरी दी थी। इसके बाद बीडीए से प्रपोजल मांगा गया। जून, 2023 में बीडीए ने 70 पेज की डीपीआर बनाकर शासन को भेजी। अब करीब 231 करोड़ रुपये से नाथ कॉरिडोर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8.36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11.50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत करीब 9.71 करोड़ रुपये से तुलसी मठ में कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8.36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11.50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9.71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

सिख धर्म की सेवा और भक्ति

- सुभाष नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा का इतिहास सिख समाज की सेवा, त्याग और आस्था का जीवंत उदाहरण है। जिले में पहला गुरुद्वारा है जो सबसे पुराना है। यह गुरुद्वारा भारत विभाजन के पहले का है। भारत विभाजन से पहले (1940 के दशक में), जब सिख परिवारों का एक छोटा समुदाय बरेली में बसना शुरू हुआ, तो सुभाष नगर क्षेत्र में सिख संगत बहुत सीमित थी। उन दिनों संगत के पास न तो अपनी कोई स्थायी जगह थी और न ही भवन। आरंभ में एक छोटे से कमरे में गुरु ग्रंथ साहिब जी की स्थापना की गई थी। वहीं रोज़ाना सुबह-शाम का पाठ, कीर्तन, और लंगर सेवा शुरू हुई। यह छोटा-सा कमरा ही गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह साहिब लाइन पार का बीज साबित हुआ। समय के साथ जब सिख परिवारों की संख्या बढ़ी, तो संगत ने मिलकर गुरुद्वारा का विस्तार करने का निश्चय किया।
- 1950—60 के दशक में स्थानीय संगत के सहयोग और चंदे से पक्का भवन बनाया गया। धीरे-धीरे इसमें दीवान हॉल, लंगर हॉल, और संगत के ठहरने हेतु कमरों का निर्माण हुआ। नवनिर्माण के साथ गुरुद्वारे में गुरु नानक जयंती, वैशाखी, और अन्य प्रमुख गुरपुरब बड़ी श्रद्धा से मनाए जाने लगे। अब सुभाष नगर का यह गुरुद्वारा एक बृहद परिसर में विकसित हो चुका है। इसमें शानदार दीवान हॉल, आधुनिक लंगर हॉल, सेवादार आवास, और सिख इतिहास पर आधारित चित्र सजावट शामिल हैं। प्रतिदिन सुबह-शाम दीवान, कीर्तन दरबार, और निशुल्क लंगर सेवा जारी रहती है।

गुरूद्वारे के सामने बुक एजेंसी संचालक गुरूविंदर पाल सिंह छाबड़ा बताते हैं उन्होंने अपनी बाल्यकाल से युवावस्था में इस गुरूद्वारे को बढ़ते देखा है। बताते हैं कि पहले यह गुरूद्वारा लाइनपार के नाम से जाना जाता था। आजादी के समय से पहले का यह गुरूद्वारा आज भी अपनी परंपराओं को निर्वहन करता आ रहा है। अब भी यहां सुबह शाम लंगर लगता है। हर रोज शाम को तमाम फकीर गुरूद्वारे के लंगर के ही भरोसे जीवन यापन कर रहे हैं। स्टेशन के पास होने के कारण यहां यात्री भी आकर ठहरते हैं। यह निशुल्क सेवा है। एक कमरे से गुरूद्वारे का सफर हुआ था। अब यहां दस कमरे हैं। बड़े हाल हैं। यहां गुरूनानक के जन्मदिन पर प्रकाशपर्व का नगर कीर्तन इसी गुरुद्वारे से निकलता आ रहा है। वे बताते हैं कि गुरूद्वारे में हर धर्म के लोग आते हैं। यहां कोई भेदभाव नहीं है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

शिव की त्रिविध ज्योति का प्रतीक

नाथ परंपरा की दूसरी प्रमुख कड़ी है — त्रिवतीनाथ मंदिर। यह मंदिर भी शिव के त्रिवेणी रूप का प्रतीक माना जाता है — ब्रह्मा, विष्णु और महेश की त्रिविध ज्योति यहाँ एक साथ विराजमान है। मंदिर का स्थापत्य अद्भुत है — ऊँचे शिखर पर लगा स्वर्ण कलश दूर से ही श्रद्धा जगाता है। सावन के महीने में जब कांवड़िए यहाँ गंगाजल चढ़ाने आते हैं, तो पूरा बरेली शहर भक्ति में डूब जाता है।

यहाँ कोई एक दिन भी ऐसा नहीं जाता जब 'हर हर महादेव' की आवाज़ न गूंजे। भक्त सुबह से ही शिवलिंग पर बेलपत्र, दूध और जल चढ़ाने आते हैं। यह मंदिर बरेली का आध्यात्मिक नाड़ी बिंदु है।" त्रिवतीनाथ मंदिर का परिसर केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि समाज सेवा का केंद्र भी है। मंदिर के ट्रस्ट द्वारा निशुल्क भोजन, चिकित्सा शिविर और गौसेवा के कार्य नियमित रूप से किए जाते हैं। मंदिर के बगल में स्थित सरोवर में हर अमावस्या को हजारों श्रद्धालु स्नान करते हैं। यह वही सरोवर है जहाँ कभी योगी अपने ध्यान की शुरुआत करते थे।

वनखंडीनाथ मंदिर

बरेली की प्राचीन धरती में अनेक ऐतिहासिक, पौराणिक और आध्यात्मिक स्थल बसे हैं, उन्हीं में से एक अत्यंत प्रतिष्ठित शिवधाम है,वनखंडीनाथ मंदिर यह मंदिर बरेली के सबसे पुराने धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। वनखंडी क्षेत्र के हृदय में स्थित यह मंदिर स्थानीय लोकपरंपरा, पुरातन आस्था और सदियों से प्रवाहित शिवभक्ति का अद्भुत केंद्र है। कहा जाता है कि जिस स्थान पर यह मंदिर स्थित है, वह क्षेत्र प्राचीन समय में घने वनों से आच्छादित था। तब यह स्थान निर्जन, शांत और वन्य क्षेत्र का हिस्सा था, इसलिए इस स्थान को नाम मिला—"वनखंडीनाथ", अर्थात् वनखंडों में विराजमान भगवान शिव।वनखंडीनाथ जी का आध्यात्मिक महत्व वनखंडीनाथ मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि शिवभक्ति की जीवंत ऊर्जा का केंद्र है।

रामनगर जैन मंदिर

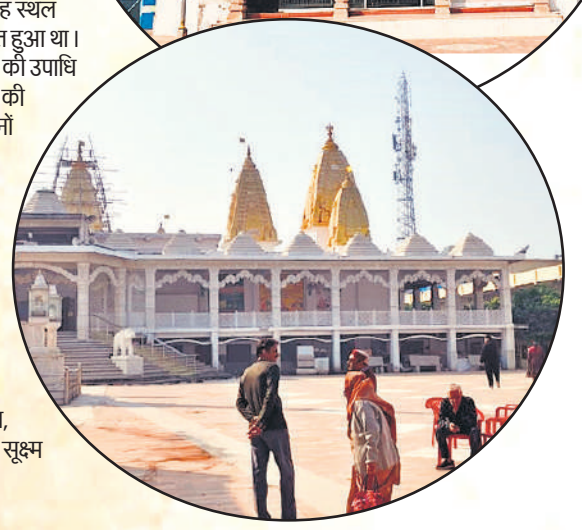

बरेली के आंवला में रामनगर में जैन मंदिर भी विश्व प्रसिद्ध है। रामनगर न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के प्रसिद्ध जैन तीर्थों में से एक है। यह तीर्थ अपनी आध्यात्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता के कारण देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है। भगवान पार्श्वनाथ की तपस्या स्थली रामनगर आंवला है। पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी में लेकिन उन्हें ज्ञान रामनगर में प्राप्त हुआ। यही वह स्थल है जहां पार्श्वनाथ को ज्ञान प्राप्त हुआ था। यही पर पार्श्वनाथ को भगवान की उपाधि मिली। यहां भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा हरित पन्ने की है। विद्वानों का मत है कि यह प्रतिमा देव द्वारा स्थापित की गई है। रामनगर जैन मंदिर की वास्तुकला अत्यंत भव्य और पारंपरिक है। मुख्य मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ हरितपन्ने की प्रतिमा विराजमान है, जिसकी मुद्रा अत्यंत शांत और ध्यानमग्न है। मंदिर की दीवारों पर जैन पुराणों के दृश्य, तीर्थंकरों के जीवन प्रसंग और सूक्ष्म नक्काशी देखने योग्य हैं।

ईसाई धर्म की शांति — चर्च और उनके सामाजिक योगदान

बरेली का सीएनआई चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। 1838 में इटालियन डिजाइन से बना इस चर्च में अंग्रेज प्रार्थना करने आते थे। मुगल काल के समय जब रुहेलों और अंग्रेजों की लड़ाई हुई तब रुहेलों ने इसी चर्च पर आक्रमण कर इसे आग के हवाले कर कई अंग्रेजों को मौत के घाट उतारा था। उस समय लगभग 100 से ज्यादा अंग्रेज मारे गये थे। यहां के पुराने पादरियों की कब्र भी इसी चर्च के अंदर है। चर्च जलाने के बाद इसका फिर से पुनर्निर्माण किया गया। 1947 में देश आजाद हुआ तो अंग्रेजों ने कुछ चर्च संस्थाएं भारतीयों के हाथ में दी गई। तब छह ग्रुपों को मिलाकर चर्च आफ नार्थ इंडिया संगठन बनाया गया और उसी के अधीन चलता रहा। फिर विवाद सामने आए तो 1960 से यहां प्रार्थना आराधना बंद हो गई। फिर एक बैपिस्ट चर्च ने सीएनआई चर्च को किराये पर लिया और 1989 से यहां फिर से अराधना और प्रार्थना होने लगी। इस चर्च के पहले पास्टर डा. विलियम सैमुअल बने। मौजूदा समय ऐतिहासिक चर्च के पादरी मेल्विन चार्ल्स हैं।

डा. सैमुअल बताते हैं कि यह चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। यह एतिहासिक है। इसे पर्यटन के रूप में विकसित किया जा सकता है। डा. विलियम ने बताया कि बरेली का जीरो प्वाइंट भी चर्च को ही माना गया है। कैंट में बिशप के पास स्टीफन चर्च है। बरेली का माइलेज यहीं से नापा जाता है। कुछ लोग कुतुबखाना को जीरो प्वाइंट मानते हैं लेकिन अंग्रेजों के समय का जीरो प्वाइंट सेंटस्टीफन चर्च है। शहर की ऐतिहासिक धरोहरों में एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 19वीं शताब्दी के मध्य में ब्रिटिश शासन के दौरान निर्मित यह चर्च न केवल ईसाई समुदाय के धार्मिक जीवन का केंद्र रहा है, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विविधता का भी एक सुंदर प्रतीक है। अंग्रेजों द्वारा उत्तर भारत में मिशनरी गतिविधियों के विस्तार के साथ यह चर्च स्थापित हुआ।

इस चर्च की सबसे बड़ी विशेषता इसका वास्तुशिल्प है। गोथिक शैली में निर्मित यह भवन अपनी ऊँची मेहराबों, नुकीले आर्च, पत्थर की पारंपरिक दीवारों और रंगीन काँच की खिड़कियों के कारण दूर से ही पहचान में आ जाता है। चर्च के भीतर लगे स्टेन ग्लास पैनलों पर उत्कीर्ण बाइबिल की कथाएँ न केवल कलात्मक सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण हैं, बल्कि आध्यात्मिक अनुभूति भी कराती हैं।

धार्मिक दृष्टि से यह चर्च सदियों से ईसाई समाज का केंद्र रहा है, जहाँ क्रिसमस, गुड फ्राइडे और ईस्टर जैसे प्रमुख पर्व अत्यंत भव्यता और श्रद्धा से मनाए जाते हैं।

बरेली जैसे बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक शहर में सीएनआई चर्च सौहार्द और सह-अस्तित्व की खूबसूरत मिसाल है। अलखनाथ मंदिर, आला हज़रत दरगाह, जैन तीर्थ, प्राचीन गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों के साथ यह चर्च बरेली की विविध आध्यात्मिक विरासत को और भी समृद्ध बनाता है। शहर के इतिहास, औपनिवेशिक वास्तुकला और धार्मिक सौहार्द का अध्ययन करने वाले पर्यटकों व शोधकर्ताओं के लिए यह चर्च विशेष आकर्षण का केंद्र है।

समय के साथ बरेली बदलता रहा, पर यह चर्च अपनी गरिमा, शांति और आध्यात्मिक महत्त्व के साथ आज भी उसी तरह खड़ा है। यह केवल ईसाई समुदाय का प्रतीक नहीं, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक स्मृति का एक जीवंत अध्याय है।

धोपेश्वरनाथ

- पांडवकालीन यह मंदिर सिद्धपीठ मंदिर है। यहां द्रोपदी के गुरु धूम्र ऋषि ने तपस्या की। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव ने वरदान मांगने को कहा तो ऋषि ने जनता की मंगल कामना और कल्याण के लिए शिव से यहीं पर लिंग रूप में रहने का वरदान मांगा। वरदान स्वरूप शिव यहीं स्थापित हो गये। नाथ मंदिर में यह ऐसा मंदिर है जिसे अर्धनारीश्वर का रूप भी कहा जाता है। मंदिर के महंत घनश्याम जी बताते हैं ग्रामीण क्षेत्रों में धोपा मंदिर को अर्धनारीश्वर का रूप भी माना जाता है। इसका प्रमाण आज भी प्रचलित है। इसी मंदिर में भादों माह में आखिरी के दो गुरुवार को मेला आज भी लगता है। यह मेला धोपा मइया के नाम से प्रचलित है। जब आवागमन के साधन नहीं थे तो लोग एक दिन पहले आकर रुकते थे लेकिन अब लोग गुरुवार को आकर धोपा के सरोवर में स्नान करते हैं इससे चर्म रोग ठीक होते हैं। इसके बाद यहां स्थित रायसती मठिया में प्रसाद चढ़ाते हैं। नाथ मंदिरों में यह धोपेश्वर नाथ भी प्रसिद्ध और सिद्ध मंदिर है। यह इशान कोण में स्थित है।

शहर में नाथ योगियों से लेकर सूफी संतों तक को एक साथ स्थान दिया। यही वजह है कि इसे आज भी नाथ नगरी कहा जाता है, तो वहीं "आला हजरत की नगरी" के रूप में भी इसकी पहचान है। दो नाम, दो परंपराएँ पर एक ही आत्मा, जो इंसानियत और आस्था को जोड़ती है। यहाँ की गलियाँ धर्मों के इतिहास की जीवंत गवाही देती हैं। अलखनाथ मंदिर के आसपास की गलियों में आज भी नागा साधुओं के डेरों की गंध आती है। त्रिवतीनाथ मंदिर की घंटियाँ उसी श्रद्धा से बजती हैं, जैसे सैकड़ों साल पहले बजती थीं। वहीं, नौमहला की पत्थर जड़ी गलियों से होकर गुजरने वाला हर शख्स आला हजरत की दरगाह की तरफ सिर झुकाए निकलता है। उस गली के कोनों पर बैठा कोई दुकानदार अगर "जय भोले" कह दे तो सामने वाला "सलाम वालेकुम" के साथ मुस्कुरा देता है यही है बरेली की पहचान। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि 1657 में मुगल शासन के दौरान बरेली को आधिकारिक रूप से बसाया गया। लेकिन इस नगर की आत्मा इससे भी पुरानी है। स्थानीय किंवदंतियाँ बताती हैं कि यह क्षेत्र "महा योगी गोरखनाथ" की तपोभूमि था, जहाँ से नाथ परंपरा का एक प्रमुख केंद्र विकसित हुआ। गोरखनाथ संप्रदाय के अनुयायी आज भी बरेली को "उत्तर भारत की योग नगरी" कहते हैं। मुगल काल में जब सूफी संत हज़रत शाह शरीफ और फिर इमाम अहमद रज़ा खान आला हजरत इस भूमि पर आए, तो इस शहर में आध्यात्मिकता का एक नया स्वर जुड़ गया। उनके अदब, इल्म और इंसानियत ने न सिर्फ मुसलमानों, बल्कि हर मजहब के लोगों के दिल में जगह बनाई। यही वह दौर था जब बरेली ने हिंदू-मुस्लिम एकता की ऐसी मिसाल पेश की, जो आज भी कायम है। बरेली के इतिहास की एक और खासियत है , यहाँ धर्म ने कभी राजनीति का रूप नहीं लिया। चाहे अंग्रेज़ों का दौर रहा हो या स्वतंत्रता संग्राम का समय, बरेली की धार्मिक संस्थाएँ हमेशा समाज के निर्माण में लगी रहीं। मंदिरों ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाया, तो दरगाहों ने सामाजिक न्याय और बराबरी का संदेश दिया। यही कारण है कि यहाँ की मिट्टी हर इंसान को अपनाने का माद्दा रखती है।आज जब कोई यात्री बरेली जंक्शन पर उतरता है, तो उसके स्वागत में दो प्रतीक खड़े दिखाई देते हैं ।

अल्लाह की याद और इंसानियत का पैग़ाम साथ

अगर कोई बरेली की आत्मा को महसूस करना चाहता है, तो उसे सिर्फ नाथ मंदिर ही नहीं, बल्कि नौमहला की गलियों तक भी जाना होगा। यह इलाका बरेली की तहज़ीब, आस्था और एकता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यहाँ हर दीवार सूफ़ियों, मोहब्बत और इंसानियत की किसी कहानी को बयाँ करती है — बरेली में जैसे शिव के साधकों की परंपरा गहरी है, वैसे ही सूफ़ी संतों की रूहानियत भी हर पत्थर में बसती है। और इसी रूहानियत की सबसे ऊँची चोटी पर है — आला हजरत की दरगाह।

आला हजरत इमाम अहमद रज़ा खान (1856–1921) न केवल बरेली के, बल्कि पूरे इस्लामी जगत के एक महान विद्वान और सूफ़ी संत थे। उन्होंने अपने ज्ञान, तर्क और करुणा से दुनिया को यह दिखाया कि धर्म का असली उद्देश्य नफरत नहीं, बल्कि इंसान को इंसान से जोड़ना है। कहा जाता है कि आला हजरत ने बरेली की मिट्टी को अपनी कलम से अमर बना दिया। उन्होंने फतावा-ए-रज़विया जैसे ग्रंथों के माध्यम से इस्लामी दर्शन को एक नई दृष्टि दी। वे उस दौर में भी धार्मिक कट्टरता के विरोधी थे, जब समाज गुटों में बँट रहा था। अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे धर्म के उपासक को तकलीफ़ देता है, तो वह खुद इस्लाम की शिक्षा के विरुद्ध जाता है। इसी सोच ने बरेली की पहचान धर्म से पहले इंसानियत की बनाई ।

उर्स-ए-रज़वी — आध्यात्मिक मेला और इंसानियत का उत्सव

हर साल रबी-उल-अव्वल महीने में मनाया जाने वाला "उर्स-ए-रज़वी" बरेली का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। तीन दिनों तक दरगाह परिसर में आध्यात्मिक वातावरण रहता है। देश-विदेश से आए आलिम, मौलाना और सूफी यहाँ तकरीरें (विचार भाषण) देते हैं।

- दरगाह परिसर के बाहर लगने वाला मेला, जिसमें किताबें, इत्र, तस्बीह और सूफी संगीत की धुनें गूंजती हैं, वह श्रद्धालुओं के लिए किसी उत्सव से कम नहीं।
- हर साल लगभग दस लाख से अधिक लोग इस मौके पर बरेली पहुँचते हैं। रेलवे और नगर प्रशासन विशेष प्रबंध करते हैं। खास बात यह है कि इस दौरान न सिर्फ मुस्लिम, बल्कि हिंदू, सिख और ईसाई समुदाय के लोग भी सेवा में शामिल होते हैं। नगर निगम की टीम से लेकर पुलिस कर्मियों तक सभी इसे "धार्मिक नहीं, मानवीय पर्व" की तरह मानते हैं। सूफी संगीत और रूहानी माहौल
- आला हजरत की दरगाह में शाम के वक्त जब कव्वाली शुरू होती है — "नज़र-ए-मदीना से मंज़र-ए-बरेली तक" तो लगता है जैसे आत्मा और संगीत एकाकार हो गए हों। सूफी गायकों की तान और दुआ की लय वातावरण को भक्ति में डूबो देती है।
- कई प्रसिद्ध कव्वालों जैसे मो. अफज़ल साबरी और शहनवाज़ खान — ने अपनी शुरुआत इसी दरगाह के उर्स मंच से की थी। आज भी दरगाह का कव्वाली मंच नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

आला हजरत का संदेश "इंसानियत सबसे ऊपर"

आला हजरत का दर्शन यह था कि धर्म किसी दीवार का नहीं, बल्कि एक पुल का नाम है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सौ साल पहले थे। उन्होंने कहा था "जब तक किसी भूखे को खाना और किसी नंगे को कपड़ा नहीं मिलेगा, तब तक तुम्हारी नमाज़ें भी अधूरी हैं।" बरेली के लोग आज भी इस संदेश को जीते हैं। दरगाह के लंगर में रोज़ाना हज़ारों लोगों को बिना किसी भेदभाव के भोजन कराया जाता है । यहाँ कोई यह नहीं पूछता कि कौन हिंदू है, कौन मुसलमान। सब एक ही कतार में बैठकर खाना खाते हैं, और यही इस शहर की असली ताकत है।

दरगाह आला हजरत : श्रद्धा और शांति का संगम

- दरगाह आला हजरत केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं का केंद्र है। हर साल उर्स-ए-रज़वी" के अवसर पर देश-विदेश से हजारों ज़ायरीन यहां आते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका तक से लोग चादर चढ़ाने आते हैं।
- दरगाह परिसर में प्रवेश करते ही जो सुकून महसूस होता है, वह शब्दों में नहीं बताया जा सकता। चारों ओर कुरआनी आयतें, गुलाब की खुशबू और या रज़ा की पुकार वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।
- यहाँ का मुख्य गुम्बद सफ़ेद संगमरमर का है, जिस पर सुनहरे अक्षरों में लिखा है —रज़ा का शहर बरेली, मुहब्बत की ज़मीन।
- आला हजरत की मज़ार के पास की जाने वाली "सलात-ओ-सलाम" (प्रार्थना) में जो विनम्रता दिखती है, वही इस दरगाह की आत्मा है।
- दरगाह के प्रमुख खादिम मौलाना फ़ैज़ान रज़ा बताते हैं —
- यहाँ हर आने वाला ज़ायरीन सबसे पहले 'सलाम' करता है और फिर दूसरों के लिए दुआ मांगता है। यही सूफ़ियत का असली मतलब है — अपने लिए नहीं, सबके लिए भलाई मांगना।"
- नौमहला — तहज़ीब और एकता की गवाही देने वाला इलाका आला हजरत की दरगाह के आसपास का इलाका "नौमहला कहलाता है। यह नाम मुगलकालीन स्थापत्य से आया है। यहाँ नौ मंज़िलों वाले पुराने महलों के अवशेष कभी मौजूद थे। आज यह इलाका धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बरेली का हृदय बन चुका है।
- नौमहला की गलियाँ संकरी हैं, लेकिन दिल बहुत बड़े हैं। यहाँ दरगाह के ठीक सामने एक प्राचीन शिव मंदिर भी है, जिसके पुजारी हर साल उर्स के दौरान मुसलमानों को जल पिलाने का "सेवा स्टॉल लगाते हैं। वहीं, दरगाह की ओर से भी सावन में कांवड़ियों को पानी और नींबू-शरबत बाँटा जाता है। यह दृश्य बरेली की "गंगा-जमनी तहज़ीब" का जीवंत उदाहरण है।
- स्थानीय निवासी सलीम बताते हैं , हमारे यहाँ कोई दीवार नहीं जो बांट सके। उर्स में पंडितजी भी आते हैं, और सावन में मौलवी साहब भी कांवड़ियों को आशीर्वाद देते हैं।
- इसी सौहार्द की वजह से नौमहला सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रतीक बन चुका है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

अलीगढ़ में मदरसा शिक्षकों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य

अलीगढ़, एजेंसी

अलीगढ़ जिला प्रशासन ने सभी मदरसा शिक्षकों के लिए बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य कर दिया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बताया कि यह कदम उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुसार उठाया गया है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा किअब से मदरसा शिक्षकों का वेतन उनके बायोमेट्रिक उपस्थिति रिकॉर्ड के आधार पर दिया जाएगा। रंजन ने एक सवाल के जवाब में कहा कि जिले में गैर-कानूनी मदरसों की पहचान करने के प्रयास जारी है। जिला अल्पसंख्यक कार्यालय के मुताबिक अलीगढ़ में 120 पंजीकृत मदरसे हैं, जिनमें से चार सरकारी मदद वाले और 116 बिना मदद वाले हैं। सरकारी मदद वाले संस्थान में कुल मिलाकर 55 शिक्षक हैं और इनमें करीब 14,000 विद्यार्थी पढ़ते हैं जबकि बिना मदद वाले मदरसों में 200 शिक्षक और करीब 60,000 बच्चे तालीम लेते हैं। अल्पसंख्यक कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा से जुड़े हालिया मामलों को देखते हुए यह मौजूदा कदम उठाया गया है।

कानपुर व आगरा मेट्रो परियोजनाओं को मिले 49.90 करोड़

लखनऊ, अमृत विचार : योगी सरकार ने प्रदेश के दो बड़े मेट्रो प्रोजेक्ट कानपुर और आगरा मेट्रो को मजबूती देने के लिए कुल 49.90 करोड़ रुपये और जारी किए हैं।

आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की ओर से गुरुवार को जारी आदेश में यह धनराशि यूपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) को उपलब्ध कराने की मंजूरी दी गई है। कानपुर मेट्रो परियोजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्धारित प्रावधान के अनुरूप 26.65 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

दिल्ली ब्लास्ट : एटीएस की छापामारी से मची खलबली

जिला अस्पताल पीलीभीत में गोपनीय ढंग से किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डीएम ने की पुष्टि, एक को हिरासत में लेने का मचा शोर जिम्मेदार साध गए चुप्पी

अमृत विचार : दिल्ली ब्लास्ट की कड़ियों की तलाश में सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता बुधवार देर शाम पीलीभीत तक आ पहुंची, जहां एटीएस की टीम ने जिला अस्पताल में गोपनीय निरीक्षण कर स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक अफसरों में खलबली मचा दी। मेडिकल कॉलेज और आयुर्वेदिक कॉलेज तक फैली इस पड़ताल के बीच एक युवक को हिरासत में लेने की चर्चाएं तेज रहीं। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। डीएम ने एटीएस टीम के आने की पुष्टि की।

10 नवंबर को दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार ब्लास्ट हुआ था। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां लगातार इस घटना की तह में जाने की कोशिश कर रही हैं। एटीएस की गतिविधियां उत्तर प्रदेश में भी तेज हो गई हैं। बुधवार देर शाम पीलीभीत में एटीएस की टीम ने अचानक निरीक्षण कर सबको चौंका दिया। बताते हैं कि तीन दिन पहले ही एटीएस ने मेडिकल कॉलेज, आयुर्वेदिक कॉलेज और जनपद के मदरसों की सूची तलब की थी। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने भी एटीएस को सूची सौंपने के बाद कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की आंतरिक जांच पड़ताल शुरू कर दी थी। इसी क्रम में बुधवार को एटीएस टीम बिना किसी पूर्व सूचना के जिला अस्पताल पहुंची। हालांकि टीम ने किसी भी कर्मचारी या डॉक्टर से बातचीत नहीं की। वह केवल अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर बिना औपचारिक चर्चा के निकल गई। इस बीच चर्चा यह भी है कि टीम अपने साथ एक युवक को लेकर गई है। अफसर इस बारे में आधिकारिक रूप से कुछ भी कहने से बच रहे हैं। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. रमाकांत ने बताया कि एटीएस की गाड़ियां जरूर देखी गईं, लेकिन उनसे कोई जानकारी नहीं ली गई। वहीं डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने एटीएस टीम के आने की पुष्टि की है, हालांकि किसी को हिरासत में लिए जाने पर उन्होंने स्पष्ट नहीं बता सके हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर, गुरुवार को आगरा में पत्नी के साथ ताजमहल देखने पहुंचे। ● एजेंसी

डोनाल्ड ट्रंप के बेटे ने किया ताजमहल का दीदार

आगरा, एजेंसी: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने गुरुवार को यहां आगरा में ताजमहल का दीदार किया और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लगभग एक घंटा अपने परिवार के साथ इस विश्व धरोहर में बिताया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ट्रंप जूनियर ने ताजमहल के इतिहास और निर्माण में गहरी रुचि दिखाई तथा अपने गाइड से इसकी वास्तुकला के बारे में विस्तृत प्रश्न पूछे। गाइड नितिन सिंह इस दौरान ट्रंप जूनियर के साथ थे। एक अधिकारी ने बताया हिफाजत के लिए स्थानीय पुलिस के अलावा, अमेरिकी सुरक्षाकर्मियों को भी तैनात किया गया था। ट्रंप जूनियर उदयपुर में एक हाई-प्रोफाइल डेस्टिनेशन वेडिंग में भी शामिल हो सकते हैं।

चलती ट्रेन से तीन छात्राएं कूदी, बाल-बाल बचीं

शाहजहांपुर, अमृत विचार : शाहजहांपुर स्टेशन पर चलती ट्रेन से तीन छात्राएं कूद गईं। एक बाद एक छात्रा के कूदने पर प्लेटफार्म पर हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि ट्रेन की स्पीड कम थी, इससे छात्राएं चोटिल होने से बच गईं। एक छात्रा को जीआरपी और आरपीएफ ने रोजा जंक्शन पर ट्रेन से उतरवाया। घटना के वक्त स्टेशन पर भीड़ लग गई।

पक्का पुल स्थित एक बालिका इंटर कॉलेज की आठ छात्राएं स्काउट एंड गाइड के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गुरुवार को लखनऊ जाने के लिए स्टेशन पर पहुंची थी। त्रिवेणी एक्सप्रेस दोपहर में 12.30 बजे प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंची। ट्रेन में भीड़ होने के कारण चार छात्राएं ही ट्रेन के अलग अलग कोच में चढ़ सकी कि ट्रेन चल दी। इस पर प्लेटफार्म पर खड़ी उनकी साथी छात्राएं चिल्लाने लगीं। तभी ट्रेन में सवार हो चुकीं तीन छात्राएं एक बाद एक ट्रेन से कूद गईं।

इस दौरान प्लेटफार्म पर हड़कंप मच गया। इसके बाद अन्य छात्राओं ने बताया कि उनकी एक साथी ट्रेन में रह गई है। तब जीआरपी और आरपीएफ ने ट्रेन को रोजा जंक्शन पर रूकवाकर चौथी छात्रा को उतरवा दिया। उनके साथ एक शिक्षिका भी थी। कूदने वाली किसी छात्रा के चोट नहीं लगी। छात्राओं ने बताया कि स्काउट गाइड की शिविर में लखनऊ जा रहे है। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर मेल और एक्सप्रेस स्टापेज दो मिनट का है। दो मिनट के स्टापेज में यात्रियों को चढ़ने और उतरने में दिक्कत होती है। कोच से यात्री उतर नहीं पाता है और यात्री चढ़ने लगते है। चढ़ने और उतरने को लेकर यात्रियों के काफी नोकझोंक होती है।

फरवरी से होगी बाघों की राष्ट्रीय गणना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में राष्ट्रीय बाघ गणना (टाइगर एस्टीमेशन) नए साल में फरवरी माह से शुरू होने जा रही है। तीन चरणों में होने वाले गणना कार्य के दौरान तृण भोजी वन्यजीवों की भी गिनती की जाएगी। इसको लेकर तैयारियां भी शुरू हो चुकी है। वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ के नेतृत्व में टीम प्रशिक्षण लेने उत्तराखंड गई हुई है। विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित टीम टाइगर रिजर्व में टाइगर एस्टीमेशन करने वाली टीमों को प्रशिक्षित करेगी। इसके बाद ही बाघ गणना का कार्य शुरू किया जाएगा।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा देश भर में बाघों की संख्या जानने को राष्ट्रीय बाघ गणना (टाइगर एस्टीमेशन) हर चार साल के अंतराल पर कराई जाती है। इससे पूर्व राष्ट्रीय बाघ गणना वर्ष 2022 में संपन्न कराई गई थी। उस दौरान पीलीभीत टाइगर रिजर्व को 365 ग्रिड में विभाजित कर बाघ गणना की गई थी। 700 से अधिक कैमरा ट्रेप लगाकर की गई गणना में उस दौरान 71 बाघ पाए गए थे। इधर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की ओर से आगामी बाघ गणना अगले साल 2026 में प्रस्तावित है। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व में आगामी राष्ट्रीय बाघ गणना नए साल के फरवरी माह से शुरू कराई जानी है। इसको लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। टाइगर रिजर्व में बाघ गणना को लेकर वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके, महोफ रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव और बायोलॉजिस्ट आलोक कुमार तीन दिवसीय प्रशिक्षण लेने उत्तराखंड के राजाजी टाइगर रिजर्व गए हुए हैं। टीम वापस लौटकर टाइगर एस्टीमेशन करने वाले वन अफसरों और वन कर्मियों को प्रशिक्षण देगी।

पीटीआर में शावकों के साथ चहलकदमी करती बाघिन। ● अमृत विचार

- तीन चरणों में होगा गणना कार्य, तृणभोजी वन्यजीवों की भी होगी गिनती

पहले चरण में किया जाएगा साइन सर्वे

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघ गणना के दौरान बाघों की मौजूदगी, आवाजाही और उनकी संख्या के बारे में सटीक डेटा एकत्र किया जाएगा। बाघों की पहचान उनके खास स्ट्राइप पैटर्न यानी धारियों के पैटर्न से करने के लिए कैमरा ट्रैप तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक टाइगर एस्टीमेशन के पहले चरण में साइन सर्वे किया जाएगा। इसमें बाघ-तेंदुआ बाहुल्य जंगल में अनावश्यक रूप से उगी घास काटने के बाद टीमें बाघ और तेंदुओं की साइटिंग, पैरों के निशान आदि देखकर इनकी संख्या का अनुमान लगाएगीं।

15 लाख का सिल्वर डस्ट मंगाया, कट्टों में मिला बालू

रुद्रपुर, अमृत विचार : फिरोजाबाद यूपी के रहने वाले एक कारोबारी को सिल्वर डस्ट का सौदा कर लाखों रुपये का बालू भेजने का मामला सामने आया है। पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

गुरुवार को एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में कटरा पठानान फिरोजाबाद निवासी अमन आदिल ने बताया कि 18 नवंबर को उसका दोस्त उसे रुद्रपुर स्थित जाफरपुर दिनेशपुर लेकर आया और दो व्यक्तियों से मुलाकात कराई। जहां आरोपियों ने उसे सिल्वर डस्ट दिखाया और शाम के वक्त सिल्वर डस्ट का सौदा 15 लाख में तय हुआ और भुगतान कर दिया गया लेकिन सिल्वर डस्ट की जगह कट्टों में बालू मिला।

अल्मोड़ा में पिंजरे में कैद हु

अल्मोड़ा, अमृत विचार : अल्मोड़ा नगर से सटे ग्राम सभा बख में आतंक का पर्याय बना गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। गुलदार के पिंजरे में कैद होने से लोगों और वन विभाग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली। दरअसल, लंबे समय से धारानौला के चीनाखान, गोपालधारा, गोलनाकरड़िया, सरसों, बख समेत कई इलाकों में गुलदार की धमक से लोगों में दहशत थी।

खाली बैठे सिटी बस परिचालकों को जोड़ेगा परिवहन निगम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- करीब 500 परिचालक को मिलेगा रोजगार

अमृत विचार : उम्र पार कर चुके घटते नगर बसों के बेड़े में काम कर रहे करीब 500 परिचालकों को परिवहन निगम वापस लेगा। पुरानी नगर बसें हटने से बड़ी संख्या में यह परिचालक बेरोजगार थे। अब इनका उपयोग रोडवेज स्वयं करेगा। यह कर्मी संविदा पर निगम में आएंगे। इस संबंध में प्रस्ताव पर अनुमोदन करते हुए निर्णय ले लिया गया है। यह जानकारी परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2009 में नगरीय विकास विभाग की मांग पर विभिन्न महानगरों में संचालित होने वाली नगरीय परिवहन सेवा के संचालन की जिम्मेदारी निगम के अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों की थी। इसके तहत संचालन से जुडे.इन लोगों को किसी सेवा प्रदाता के माध्यम से नहीं, बल्कि सीधे ही इन्हें शामिल किया गया था। अब इनकी वापसी होगी। सिंह ने बताया कि वर्तमान में सिटी ट्रान्सपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड में संचालित बसों की आयु पूर्ण हो जाने के कारण अब पुरानी नगर बसों का संचालन पूरी तरह से बन्द हो गया है तथा बसें नीलाम हो रही है। सिटी ट्रान्सपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड में लगभग 15 वर्ष से अधिक परिचालन अनुभव को देखते हुए उन्हें निगम स्तर पर निर्धारित शर्तों पर परिचालक बनाया जाएगा।

इससे खाली बैठे इन परिचालकों का समुचित उपयोग करते हुए उन्हें काम उपलब्ध कराया जाएगा। इससे परिवहन निगम में परिचालकों की कमी भी दूर होगी। महानगरीय परिवहन सेवाओं में कार्यरत संविदा परिचालक जो पूर्व में राज्य सड़क परिवहन निगम से सीधे रखे गए थे एवं जिनकी प्रतिभूति राशि निगम में ही जमा हुई।

आजम खां की परेशानियां नहीं होंगी कम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- 2027 चुनाव परिणाम के बाद तय होगा आजम खां का भविष्य

अमृत विचार : आजम खां और उनके परिवार से जुड़े मामलों में एमपी-एमएलए कोर्ट लगातार सुनवाई कर रही है। आने वाले दिनों में आजम खां के लिए मुश्किलें कम नहीं होंगी, क्योंकि अन्य मुकदमों में सुनवाई चल रही है। ऐसे में 2027 के विधानसभा चुनाव पर सपाइयों की निगाहें टिकीं हैं। 2027 में बाजी सपा के हाथ लगी तो आजम खां और परिवार को राहत मिल सकती है, जबकि भाजपा फिर से सत्ता में आई तो मुश्किलें और बढ़ेंगी।

आजम खां।

सपा नेता आजम खां को अभी तक 50 माह की सजा जेल में काट चुके हैं, जबकि बेटे अब्दुल्ला के साथ फिर से जेल गए हैं। जबकि अब्दुल्ला व पत्नी डॉ. तजीन फात्मा भी कई महीने जेल काट चुकी हैं, पत्नी जमानत पर बाहर हैं। आजम खां को डूंगरपुर में 10 साल की सजा, जन्म प्रमाण पत्र और दो पैन कार्ड मामले में 7-7 साल की सजा हो चुकी है। अगर 2027 में भाजपा सरकार फिर से आती है तो आजम खां के आने वाले दिनों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं, जबकि सत्ता में सपा आई तो राहत के आसार हैं। कभी सियासत की बुलंदियों को छूने वाले सपा नेता आजम खां भाजपा सरकार आने के बाद से बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। आजम खां पर मौजूदा समय में 111 मुकदमे दर्ज हैं, यह सभी मुकदमे भाजपा सरकार आने के बाद हुए। कभी सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव इनके कार्य में हस्तक्षेप नहीं करते थे, लेकिन उनके निधन के बाद से उनका बुरा दौर शुरू हो गया है। चारों तरफ से हुई घेराबंदी के चलते अब सलाखों के पीछे समय काट रहे हैं।

दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में जहां सात साल की सजा हुई, तो कुछ ही माह के बाद डूंगरपुर के मामले में 10 साल की सजा हो चुकी है। सोमवार को दो पैन कार्ड में फिर से पिता पुत्र को सात-सात साल की सजा हो चुकी है। जो कि मौजूद समय में रामपुर जिला कारागार में यानि घर से 200 कदम की दूरी पर बंद है। इन सजाओं के आधार पर अंदाजा लगाया जा सकता है कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में आजम खां का चुनाव लड़ना मुश्किल है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर / खीरी वृत्त, लो0नि0वि0,
सीतापुर

पत्रांक 6032 / 352सी / ई–टेण्डर–सी0खी0 / 2025–26 दिनांक 07.11.2025

–ई–प्रोक्योरमेण्ट निविदा सूचना–

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में "मार्ग निर्माण कार्य" हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

कृषि विपणन सुविधाओं के अन्तर्गत नव निर्माण के कार्य

क्र0 सं0	जनपद / खण्ड का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रू0 लाख में)	अनुरक्षण लागत (रू0 लाख में)	कुल लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	खीरी / प्रा0खं0	विकास खण्ड मितौली में ककरहापुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	73.40	5.40	78.80	5.94	2715.00	06 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ	A, B,
2-	खीरी / प्रा0खं0	विकास खण्ड मितौली में रमपुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	84.70	6.30	91.00	6.55	2715.00	06 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ	A, B,

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 25.11.2025 से 05.12.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 05.12.2025 को समय अपराह्न 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 05.12.2025 को अपराह्न 12:30 बजे खोली जायेगी।

(तरूणेन्दु त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
लखीमपुर खीरी

(सतीश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर / खीरी वृत्त, लो0नि0वि0,
सीतापुर।

UP-240738 दिनांक 18.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ / पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 8158 / 533सी0(ई–टेण्डर)–08 / 2025–26 दिनांक 06.11.2025

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ / पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, पीलीभीत के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई0–निविदा प्रतिषत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट / पोर्टल पर दिनांक 25.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

2.

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में)			विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म / ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
		अनुमानित लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत				
1	2	3	4	5	6	7	7	7
1	तेजनगर से कुकरीखेड़ा रोड से होते हुए ग्राम पंचायत सरौरा तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	132.00	8.50	140.50	9.03	2714.00	12 माह	A & B
2	मुडिया कुंडरी सम्पर्क मार्ग पर गांव जगीपुर जैतपुर से गांव कोकिला तक सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	64.50	3.80	68.30	5.42	2714.00	06 माह	A, B & C

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(एस.के. जैन)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लोनिवि, पीलीभीत

(के0के0 सिंह)
अधीक्षण अभियंता
बदायूँ / पीलीभीत वृत, लोनिवि, बरेली

UP-240831 दिनांक 18.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11286 / 142सी0(ई0टेण्डर)–3 / 25 दिनांकः 14.11.2025

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 22.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया हैः–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू० लाख में)	कुल लागत (4+5) (रू० लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत परोतन सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड–1 लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर	76.00	5.70	81.70	6.10	2725.00	6 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
2	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत सुखनईया से झकरेली पश्चिम लगेवा नगला सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य।		86.60	6.50	93.10	6.66	2725.00	6 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
3	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत मुस्तफानगर से रहीमादासपुर सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य।		99.00	7.40	106.40	7.32	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
4	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत डींगुरपुर सहजापुर मार्ग से चकवाजिद सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य।		126.00	7.00	133.00	8.65	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(रथिन सिन्हा)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0,
शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,
बरेली

UP – 240883 दिनांकः 19/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सं0 उपमु0इं0–निर्माण–एलजेएन–10–2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण / पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0 : (1) खुली निविदा संख्याः उपमु0इं0–नि0–एलजेएन–10–2025 दिनांक 19.11.2025 कार्य का नामः** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में बुढ़वल–बाराबंकी तीसरी लाईन परियोजना के अन्तर्गत बुढ़वल यार्ड में फार्मेशन कार्य, प्लेटफार्म कार्य भवन निर्माण कार्य, पी0वे0 कार्य एवं अन्य कार्य के साथ–साथ बिन्दौरा यार्ड में भवन, पहुँच मार्ग और अन्य विविध कार्यों का निष्पादन। **अनुमानित निविदा मूल्य :** 39,90,19,087.36 **बयाना राशि (रु) :** 21,45,100.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0) :** निल। **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 18 (अठारह) माह। ● **क्रम सं0–1 :** ई–टेण्डर डालने की अंतिम तिथि 12.12.2025 समय 15.00 बजे तक है तथा उसी दिन 15.30 बजे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण / पूर्वोत्तर रेलवे / गोरखपुर के कार्यालय मे खोली जायेगी। ● निविदा सूचना योग्यता मापदण्ड, नियम एवं भातें बेवसाइट **http://ireps.gov.in.** अथवा बेवसाइट **www.ner.indianrailways.gov.in.** पर भी देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना मे यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों मे कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इंजीनियर / निर्माण–II लखनऊ
मुजाधि / डब्लू–339

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा

निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.) / इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैः– **क्र. सं. 01. खुली ई–निविदा सूचना सं.: इज्जत / इलै. / ओ.टी / 28 / 2025 दि. 18.11.2025 कार्य का नामः** नैनीताल होली डे होम में NV सीरीज सूटों के उपर 07 सूटों के निर्माण से सम्बन्धित विद्युत कार्य और मण्डल चिकित्सालय, इज्जतनगर में ICCU वार्ड, अधिकारी केबिन, दंत चिकित्सा कक्ष, पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, पैथेलॉजी और OT, ICCU अधिकारी केबिन आदि की छत उपचार में सुधार और भोजीपुरा टी.आर.डी. डिपो में बारवेड वायर बाउंड्री वाल, दो स्टोर रूम, दो जीप ट्रक शेड और मॉडल OHE की व्यवस्था तथा काठगोदाम और लालकुआं में पुराने / जीर्ण–शीर्ण 28 नग टाइप–II आवासो के बदलाव से सम्बन्धित विद्युतीय कार्य। **विवरण अनुमानित लागत (रु. में) :** 76,29,856.65 **धरोहर राशि रु. में :** 1,52,600.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में :** शून्य **निविदा का प्रकार :** खुली निविदा। **ई–निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय :** 11.12.2025 15.00 बजे तक। **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** आठ माह। ● इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। ● पूर्ण विवरण वेबसाइट, http://www.ireps.gov.in. पर अपलोड कर दिया गया है। ● निविदादाता के पास क्लास–III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS_पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। ● सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए। ● निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे समय–समय पर ऑन लाइन जारी किए गए शुद्धिपत्र की जॉच करे, यदि कोई हो। समाचार पत्र में अलग से कोई प्रकाशन जारी नही किया जाएगा।

सहायक मंडल विद्युत इंजी / कोचिंग / इज्जतनगर
मुजाधि / विद्युत–190

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

कार्यालय उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मीरगंज, बरेली

1. रामलाल पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली **बनाम** 1. महीपाल पुत्र मुन्नालाल निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली 2. सोमवती पत्नी मुन्नालाल निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली 3. देवेन्द्र स्वरूप पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना तहसील मीरगंज जिला बरेली 4. झांजन लाल पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली 5. भगवान दास पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली

अन्तर्गत धारा–116 राजस्व संहिता– 2006 आराजी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली

चूंकि रामलाल पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली ने धारा–116 राजस्व संहिता–2006 वाद दायर किया है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है। कि आप तारीख 21.11.2025 को असालतन या मार्फत किसी वकील के जो मुकदमा हाजा से बखूबी वाकिफ हो और जो मुकदमा माहाजा को जवाब दे होकर मय कागजात मुकदमा के हाजिर हो वरना गैरहाजरी में मुकदमा हाजा फैसला कर दिया जायेगा। आज तारीख 14.11.2025 मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर अदालत से जारी किया गया।

उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मीरगंज, बरेली

कार्यालय नगर पंचायत अल्हागंज जनपद-शाहजहांपुर

पत्रांकः 193/न.पं.अ./अति.अ.निविदा/2025–2026 दिनांकः 20.11.2025

सूचना

नगर पंचायत अल्हागंज में शीतलहर में अलाव लगवाने हेतु सूखी लकड़ी जलानी प्रति कुन्तल, लकड़ी/मूंगफली का छिलका प्रति कुन्तल, लकड़ी का बुरादा प्रति कुन्तल, जूट / बोरा कतरन प्रति कुन्तल, धान भूषी प्रति कुन्तल, गोबर के कन्ड़े प्रति सैकड़ा की आवश्यकता है। इच्छुक फर्मो/आपूर्तिकर्ताओं/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत अल्हागंज में उक्त सामग्री दरें दिनांक 26.11.2025 तक कार्यालय समयावधि में आमंत्रित की जाती है। जो तद्दिनांक को सायं 03 बजे खोली जायेगी।

अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत अल्हागंज शाहजहांपुर

अध्यक्ष नगर पंचायत अल्हागंज शाहजहांपुर

IS 15700:2018
उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक 122, सिविल लाइन्स, बरेली।

सर्व साधारण को सूचना

परिषद की राजेन्द्र नगर यो०सं०-2, बरेली में स्थित एस०एफ०एस० भवन सं०-सी-28 श्री बदन सिंह भदौरिया पुत्र स्व० श्री जगमोहन सिंह को आवंटित किया गया। श्री बदन सिंह भदौरिया पुत्र स्व० श्री जगमोहन सिंह द्वारा अपना मुख्यारेआम श्री रंजीत सिंह भदौरिया पुत्र श्री बदन सिंह भदौरिया को नियुक्त कर दिया गया। श्री रंजीत सिंह भदौरिया पुत्र श्री बदन सिंह भदौरिया द्वारा मुख्त्यारेआम के आधार पर अपने पक्ष में डीड निष्पादित कराने के उपरान्त भवन का विक्रय श्री वीरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र स्व० श्री कृष्ण मुरारी डायरेक्टर नील कमल साडीज प्राइवेट लिमिटेट बरेली को कर दिया गया। अब श्री वीरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र स्व० श्री कृष्ण मुरारी डायरेक्टर नील कमल साडीज प्राइवेट लिमिटेट बरेली द्वारा अवगत कराया गया है कि मेरे द्वारा काफी तलाशने के उपरान्त भी विक्रेता का कोई अता-पता नहीं चल पा रहा है जिस कारण मैं उनके कोई भी प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत नहीं कर पा रहा हूं। इस हेतु परिषद नियमानुसार जो भी कार्यवाही हो मैं करने को तैयार हूं तथा उक्त भवन को अपने पक्ष में अन्तरण कराने हेतु ऑन लाईन प्रार्थना पत्र के माध्यम से परिषद नियमानुसार प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। अतः एतद्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है राजेन्द्र नगर यो०सं०-2 बरेली में स्थित एस०एफ०एस० भवन सं०-सी-28 का अन्तरण श्री वीरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र स्व० श्री कृष्ण मुरारी डायरेक्टर नील कमल साडीज प्राइवेट लिमिटेट बरेली के पक्ष में किया जाना है। एस०एफ०एस० भवन सं०-सी-28 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्री वीरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र स्व० श्री कृष्ण मुरारी डायरेक्टर नील कमल साडीज प्राइवेट लिमिटेट बरेली के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से सम्पत्ति प्रबन्धक

नेशनल ब्रीफ

गृह मंत्रालय ने तीन नए बंदरगाहों को आव्रजन चौकी नामित किया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के प्रवेश और निकास के लिए तीन नए बंदरगाहों को नामित आव्रजन चौकियां घोषित किया है। सरकार द्वारा बृहस्पतिवार को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, मंत्रालय ने केरल में विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह और गुजरात में हजीरा और पिपावाव बंदरगाहों को अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के प्रवेश और निकास के लिए नामित आव्रजन चौकियों की सूची में शामिल कर लिया है। मंत्रालय की ओर से एक सितंबर को जारी अधिसूचना में संशोधन के माध्यम से इन बंदरशाहों को सूची में शामिल किया गया है।

दुलारचंद हत्याकांड में अनंत सिंह की जमानत याचिका खारिज

पटना। एक विशेष अदालत ने बहुचर्चित दुलारचंद यादव हत्याकांड में आज विधायक अनंत सिंह की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। सांसदों एवं विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष अदालत के न्यायाधीश प्रवीण कुमार मालवीय की अदालत में एक याचिका दाखिल कर सिंह के अधिवक्ता सुनील कुमार ने अपने मुवक्किल को इस मामले में निर्दोष बताते हुए नियमित जमानत पर मुक्त किए जाने की मांग की थी। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद अदालत ने सिंह को नियमित जमानत पर मुक्त करने से इन्कार कर दिया। पटना जिले के घोसवारी थाना क्षेत्र स्थित बसावनचक गांव में 30 अक्टूबर को एक राजनीतिक पार्टी के नेता दुलारचंद यादव की उस समय हत्या कर दी गई थी जब वह विधानसभा चुनाव में प्रचार कर रहे थे।

सबरीमला मामला: पूर्व टीडीबी अध्यक्ष पद्मकुमार को गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। सबरीमला मंदिर से सोना गायब होने के मामले की जांच कर रहे एसआईटी ने बृहस्पतिवार को त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार को यहां गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पूर्व विधायक से अपराध शाखा के दफ्तर में पूछताछ की गई जिसके बाद दोपहर में उनकी गिरफ्तारी दर्ज की गई। सूत्रों ने बताया कि श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाज़े की चौखट से सोना गायब होने से संबंधित मामले में आरोपी बनाए जाने के बाद पद्मकुमार को गिरफ्तार किया।

बुद्धिजीवियों का आतंकवादी बनना अधिक खतरनाक

दिल्ली दंगा: आरोपियों की जमानत का विरोध करते हुए पुलिस ने की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में कहा कि जब बुद्धिजीवी आतंकवादी बन जाते हैं तो वे जमीनी स्तर पर गतिविधियां संचालित कर रहे आतंकवादियों से अधिक खतरनाक होते हैं। पुलिस ने कहा कि डॉक्टरों और इंजीनियरों का देश विरोधी कामों में शामिल होना अब एक चलन बन गया है।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने न्यायमूर्ति

● कहा- डॉक्टरों-इंजीनियरों का अब आतंकी बनना चलन

अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ को बताया कि सुनवाई में देरी आरोपियों की वजह से हुई है और वे इसका फ़ायदा नहीं उठा सकते। राजू ने नागरिकता संशोधन कानून के ख़िलाफ़ इमाम के भड़काऊ भाषणों के वीडियो शीर्ष अदालत में दिखाए। वीडियो में इमाम को फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से पहले 2019 और 2020 में चाखंड, जामिया, अलीगढ़ और आसनसोल में भाषण देते हुए देखा गया। इमाम इंजीनियरिंग स्नातक है। राजू ने कहा कि यह कोई साधारण नहीं है। ये हिंसक प्रदर्शन हैं। वे नाकेबंदी की बात कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति कुमार ने पूछा कि क्या भाषण आरोपपत्र का हिस्सा थे, जिसका राजू ने 'हां' में जवाब दिया। एएसजी ने कहा कि सीएए विरोधी प्रदर्शन को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान जानबूझकर किया गया था ताकि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया जा सके। असल मकसद सत्ता परिवर्तन और अर्थव्यवस्था का गला घोंटना और देश में अराजकता पैदा करना था। खालिद, इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर और रहमान पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड होने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज्यादा घायल हो गए थे। यह हिंसा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन के दौरान भड़की थी।

अब 61 वर्ष में सेवानिवृत्ति होंगे न्यायिक अधिकारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष कर दी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने एक अंतरिम आदेश में तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा लिए गए इसी तरह के एक फैसले का हवाला दिया। पीठ ने पूछा कि जब राज्य सरकार ऐसा करने को तैयार है तो न्यायिक अधिकारियों को राहत देने से क्यों इन्कार किया जाए। पीठ ने कहा कि यह कहने की जरुरत नहीं है कि न्यायिक अधिकारियों के साथ राज्य सरकार के अन्य कर्मचारी भी उसी सरकारी खजाने से वेतन प्राप्त करते हैं। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष है।

अरावली पहाड़ियों में वैध खनन जारी रहेगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को संपूर्ण अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं के लिए सतत खनन प्रबंधन योजना तैयार करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने इस क्षेत्र की रक्षा के लिए वैज्ञानिक रूप से निर्देशित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। अरावली पर्वतमाला दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैली हुई है। यह निर्देश अवैध खनन से संबंधित एक मामले में दिया गया है जहां न्यायालय ने पहले कहा था कि विभिन्न राज्य अरावली पहाड़ियों की असंगत परिभाषाओं का पालन करते हैं।

राहुल के खिलाफ अधीनस्थ अदालत की कार्यवाही पर रोक बढ़ी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश की अवधि को बृहस्पतिवार को चार दिसंबर तक बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि स्थगन के लिए एक पत्र दिया गया है। यह पीठ गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने इस मामले में अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के 29 मई के आदेश को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को लखनऊ की एक अदालत में लंबित मामले में आगे की कार्यवाही पर सुनवाई की अगली तारीख तक रोक लगा दी थी।

टीबी : 2025 तक था खत्म करने का लक्ष्य, उल्टे डेढ़ गुना बढ़ गए मरीज

देश में पिछले पांच सालों में लगातार बढ़ी रोगियों की संख्या

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने साल 2025 तक तपेदिक (टीबी) रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था लेकिन देश में पिछले पांच साल में इसके रोगियों की संख्या में डेढ़ गुना वृद्धि दर्ज की गई है।

2020 में जहां टीबी रोगियों की संख्या 18,05, 670 थी वहीं 2024 में इस संक्रामक रोग का शिकार होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 26,17, 923 हो गयी। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत दायर एक आवेदन के जवाब में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग ने यह जानकारी उपलब्ध कराई है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो 'माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' नाम के बैक्टीरिया के कारण होती है।

यह रोग मुख्य रूप से रोगी के फेफड़ों को प्रभावित करता है लेकिन शरीर के अन्य अंग जैसे गुर्दे, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, टीबी के कुल मामलों की संख्या इस साल अक्टूबर तक 20,77,591 हो चुकी है। आरटीआई के मुताबिक, 2020 में टीबी के18,05,670, 2021 में

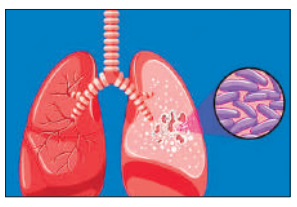

● सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में हुआ खुलासा
● 2020 में 18,05,670 थे मरीज 2024 में हो गए 26,17,923

21,35,830, 2022 में 24,22,121, 2023 में 25,52,257 और 2024 में 26,17,923 मामले सामने आए थे।

ये आंकड़ें टीबी के मामलों में वृद्धि के परिचायक हैं। प्रति एक लाख आबादी पर टीबी के मामलों की दर की बात की जाए तो यह 2020 में 131, 2021 में 153, 2022 में 172, 2023 में 179, 2024 में 183 और 2025 में 195 पर पहुंच गई। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित 'पल्मनोलॉजी रीजेंसी हॉस्पिटल' के कंसल्टेंट डॉ. आमिर नदीम ने बताया, टीबी की अगर समय पर पहचान न हो और उपचार न मिले तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है।

उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य

आरटीआई के तहत केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां जून 2025 तक 3,83,987 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 2024 में यहां 6,81,779, 2023 में 6,32,872, 2022 में 5,22,850, 2021 में 4,53,712 और 2020 में 3,66,641 मामले सामने आए थे। आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जून 2025 तक 62,342 मामले, सामने आ चुके हैं जबकि पिछले चार वर्ष में यह आंकड़ा एक लाख को पार कर गया था। दिल्ली में 2024 में 1,05,343, 2023 में 1,00,523, 2022 में 1,06,731, 2021 में 1,03,038 और 2020 में 86,842 मामले सामने आए थे। टीबी से सबसे कम प्रभावित राज्यों की गिनती में लक्षद्वीप सबसे आगे हैं, जहां जून 2025 तक सिर्फ नौ मामले सामने आए हैं।

कार्तिकोत्सव समारोह

कर्नाटक के हुबली में गुरुवार को श्री सिद्धारूढ़ स्वामी मठ में कार्तिकोत्सव समारोह के दौरान हजारों लोगों की भीड़ जुटी। परंपरागत रूप से श्रद्धालुओं ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ उत्सव में भाग लिया और रथ खींचकर, प्रसाद ग्रहण करके और अनुष्ठान करके आध्यात्मिक मेले का आनंद उठाया। जुलूस में भक्त स्वामी सिद्धारुधा के प्रबल शिष्य स्वामी श्री गुरुनाथरुधा की 'उत्सव मूर्ति' भी ले गए। महाशिवरात्रि सप्ताह समारोह के एक भाग के रूप में, हर साल शिवरात्रि के बाद रथोत्सव का आयोजन किया जाता है।

मनी लॉन्ड्रिंग: सहारा समूह के निदेशक ओपी श्रीवास्तव गिरफ्तार

नई दिल्ली/कोलकाता। ईडी ने सहारा समूह के निदेशक ओपी श्रीवास्तव को एक लाख 79 हजार करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया है। उन पर निवेशकों से धोखाधड़ी और धन को शेल कंपनियों में घुमाने का आरोप है।

श्रीवास्तव को कोलकाता में दिन भर चली पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। एजेंसी के मुताबिक, आरोपी को विभिन्न पोंजी फर्मों के संबंध में संघीय एजेंसी को गुमराह करने की कोशिश और निवेशकों से लगभग 1 लाख 79,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के बाद गिरफ्तार किया गया था।

मुख्यमंत्री पद खींचतान: शिवकुमार के समर्थक मंत्री-विधायक दिल्ली रवाना

बेंगलुरु, एजेंसी

● सिद्धरमैया के ढाई साल पूरे होते ही बढ़ने लगी जोर-आजमाइश

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के करीबी माने जाने वाले एक मंत्री और कुछ विधायक बृहस्पतिवार को शीर्ष नेताओं से मिलने के लिए नई दिल्ली पहुंचे, जिसे सत्तारूढ़ कांग्रेस में सत्ता को लेकर खींचतान का संकेत माना जा रहा है। यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने के एक दिन बाद हुआ है।

विधानसभा चुनाव का बीस मई 2023 को परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। कांग्रेस शिवकुमार को मनाने में कामयाब रही व उन्हें उपमुख्यमंत्री बना दिया। उस समय कुछ खबरें थीं कि बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनाने के फॉर्मूले के आधार पर समझौता हो गया है, जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन पार्टी द्वारा इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, सिद्धरमैया ने इन खबरों को खारिज कर दिया और कहा कि वह पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे। शिवकुमार के कुछ नेता चाहते थे कि उनके नेता मुख्यमंत्री बने।

सूत्रों के अनुसार, मंत्री एन चालुवरायस्वामी, विधायक इकबाल हुसैन, एच सी बालकृष्ण और एस आर श्रीनिवास बृहस्पतिवार को दिल्ली रवाना हुए। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को 12 और विधायकों के दिल्ली पहुंचने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि कुछ दिन पहले दस से अधिक एमएलसी राष्ट्रीय राजधानी में रुके थे और कांग्रेस महासचिवों से बात की थी। चामराजनगर में बृहस्पतिवार एक सभा को संबोधित करते हुए सिद्धरमैया ने संकेत दिया कि वह मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे।

दिल्ली में वायु प्रदूषण गंभीर, 18 केंद्रों पर एक्यूआई 400 के पार

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता बृहस्पतिवार को 'गंभीर' श्रेणी के करीब रही और औसत एक्यूआई 391 दर्ज किया गया जबकि 18 निगरानी केंद्रों में एक्यूआई 400 से अधिक दर्ज किया गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक चौबीस घंटे का औसत एक्यूआई 391 दर्ज किया गया और यह लगातार सातवें दिन 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। सीपीसीबी के अनुसार, बुधवार को औसत एक्यूआई 392, मंगलवार को 374 और सोमवार को 351 रहा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार, आने वाले दिनों में दिल्ली की वायु गुणवत्ता और भी खराब होकर 'गंभीर' श्रेणी में पहुंचने की संभावना है तथा यह अगले छह दिनों तक 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में बनी रहेगी। सीपीसीबी के समीर ऐप के अनुसार 38 चालू केंद्रों में से 18 में एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। इनमें चांदनी चौक, डीटीयू, बवाना, आनंद विहार, मुंडका, नरेला और वजीरपुर स्टेशन शामिल हैं, जहां एक्यूआई 400 से अधिक रहा।

हिड़मा को हिरासत में यातनाएं देकर मारने का आरोप

हैदराबाद/रायपुर। कुख्यात नक्सली और सेंट्रल कमेटी सदस्य माड़वी हिड़मा की आंध्र प्रदेश में मुठभेड़ में हुई मौत के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। नक्सलियों ने आंध्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि हिड़मा को मुठभेड़ में नहीं बल्कि हिरासत में यातनाएं देकर मारा गया।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) न्यू डेमोक्रेसी ने गुरुवार को एक प्रेस नोट जारी कर केंद्र सरकार और आंध्र प्रदेश पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राष्ट्रीय सचिव सूर्यम ने दावा किया है कि हिड़मा की मौत मुठभेड़ में नहीं हुई, बल्कि उसे जीवित पकड़कर पूछताछ के दौरान यातनाएं दी गईं और बाद में उसकी हत्या कर दी गई। सूर्यम ने कहा कि सरकारी एजेंसियों ने हिड़मा की मौत को मुठभेड़ बताया गया है, जबकि वास्तविकता बिल्कुल उलट है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिड़मा को पकड़ने के बाद उसे अमानवीय यातनाएं दी गईं।

मणिपुर में सरकार अवश्य होनी चाहिए: भागवत

इंफाल, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि मणिपुर में सरकार अवश्य होनी चाहिए और सरकार बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भागवत ने यहां एक संवाद कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति के सवाल का जवाब देते हुए कहा, सरकार और पार्टियों के मामलों में मैं बहुत हस्तक्षेप नहीं करता, लेकिन मणिपुर में सरकार अवश्य होनी चाहिए और मेरी जानकारी के अनुसार, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, विनाश होने में दो मिनट का समय लगता है, लेकिन निर्माण में दो साल लगते हैं... और इन कठिन परिस्थितियों में भी, मणिपुर के लोगों को अलग-अलग आधारों पर बिखरने से बचाने के लिए निरंतर प्रयास किए गए, हम निश्चित रूप से सभी को साथ लेकर चलेंगे। किसी की पहचान आदि को नुकसान पहुंचाए बिना, भौतिक मामलों में शांति

● संघ प्रमुख ने कहा- केंद्र सरकार कर रही है इसके लिए प्रयास

जल्द स्थापित हो जाएगी, लेकिन आंतरिक शांति आने में कुछ समय लगेगा। हमें इसका ज्ञान है। इससे पहले, इंफाल में गणमान्य व्यक्तियों की एक विशिष्ट सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि आरएसएस पूरे देश में दैनिक चर्चा का विषय बना हुआ है और अक्सर पूर्वाग्रह और दुष्प्रचार सामने आता है। उन्होंने संघ के कार्य को अतुलनीय बताते हुए कहा, आरएसएस की तुलना किसी संगठन से नहीं की जा सकती, जैसे समुद्र, आकाश और महासागर की कोई तुलना नहीं होती।

भागवत ने मणिपुर की मजबूत सांस्कृतिक परंपराओं की भी सराहना की, जिसमें विशेष मौकों पर पारंपरिक पोशाक पहनना और स्थानीय भाषाओं का उपयोग शामिल है। उन्होंने इन्हें और मजबूत बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। राज्य की मौजूदा स्थिति पर भागवत ने कहा कि स्थिरता बहाल करने के लिए सामुदायिक व सामाजिक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'विनाश में कुछ ही मिनट लगते हैं, लेकिन निर्माण में वर्षों का समय लगता है, खासकर जब इसे समावेशी रूप से और किसी को नुकसान पहुंचाए बिना किया जाए। शांति कायम करने में धैर्य, सामूहिक प्रयास और सामाजिक अनुशासन की आवश्यकता होती है। मणिपुर में मई 2023 से कुकी-जो और मेइती समुदायों के बीच संघर्ष में कम से कम 260 लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।फरवरी में एन. बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद मणिपुर में अब राष्ट्रपति शासन लागू है।

ममता ने एसआईआर को कहा खतरनाक, रोकने की मांग की

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में जारी एसआईआर को तुरंत रोकने की मांग करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है। ममता ने एसआईआर को अव्यवस्थित, बिना योजना और अधिकारियों व नागरिकों पर थोपी गई प्रक्रिया भी बताया।

उन्होंने इस काम को खतरनाक और दबावपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह यह प्रक्रिया अधिकारियों और लोगों पर लागू की जा रही है, वह चिंताजनक है और इसके परिणाम प्रणाली, अधिकारियों व नागरिकों पर गंभीर और अपूरणीय हो सकते हैं। उन्होंने आयोग से आग्रह किया कि दबावकारी कदम रोकते हुए प्रशिक्षण और सहयोग उपलब्ध कराया जाए तथा मौजूदा पद्धति की पूरी समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे और चुनावी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है।

बीएलओ की मौत परिवार ने एसआईआर को बताया वजह

नाडियाड। गुजरात के खेड़ा जिले में बीएलओ के रूप में कार्यरत एक स्कूल शिक्षक की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। परिवार ने एसआईआर से जुड़े अत्यधिक दबाव को उनकी मृत्यु का कारण बताया है। मृतक बीएलओ रमेशभाई परमार के भाई नरेंद्र परमार ने बताया कि जिले के कपड़वंज तालुका के जम्बूडी गांव निवासी रमेशभाई (50) की बुधवार देर रात अपने घर में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कपड़वंज के नवापुरा गांव के सरकारी स्कूल में शिक्षक रमेशभाई परमार को हाल ही में बीएलओ की ड्यूटी दी गई थी। अपना काम खत्म करने के बाद, वह बुधवार शाम लगभग साढ़े सात बजे घर लौटे। कागजी काम के बाद वह सो गए। लेकिन जब सुबह वह नहीं उठे। परमार की बेटी शिल्पा ने भी यही बात दोहराई और आरोप लगाया कि उनके पिता अत्यधिक काम के कारण दबाव में थे।

विपक्षी शासन वाले चार राज्यों के 33 से ज्यादा विधेयक राज्यपालों, राष्ट्रपति के समक्ष लंबित

नई दिल्ली, एजेंसी

● इनमें सबसे ज्यादा 19 विधेयक पश्चिम बंगाल के हैं लंबित
● कर्नाटक के 10, तेलंगाना के तीन और केरल का एक विधेयक

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि अदालत राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए कोई समयसीमा तय नहीं कर सकती। इसके बाद यह जानकारी सामने आई है कि विपक्षी दलों के शासन वाले चार राज्यों में कम से कम 33 विधेयक राज्यपाल या राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए काफी समय से लंबित हैं।

इन 33 विधेयकों में से 19 विधेयक पश्चिम बंगाल विधानसभा से पारित हैं जबकि 10 विधेयक कर्नाटक, तीन तेलंगाना और कम से कम एक विधेयक केरल विधानसभा से पारित है। उच्चतम न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा कि राज्य विधानसभा से पारित कम से कम 19 विधेयक अब भी राज्यपाल की स्वीकृति के लिए लंबित हैं। बनर्जी ने कहा कि जब कोई विधेयक बिना स्पष्टता के लंबित रहता है, तो उसकी अहमियत खत्म हो जाती है।

कर्नाटक विधानसभा से पारित कम से कम 10 विधेयक राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए लंबित हैं, जिनमें मुसलमानों को सिविल कार्यों में ठेके देने के लिए चार प्रतिशत आरक्षण देने से जुड़ा विधेयक भी शामिल है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक के राज्यपाल के पास कोई विधेयक लंबित नहीं है। बताया जा रहा है कि तेलंगाना में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण विधेयक समेत तीन विधेयक लंबित है। कांग्रेस सरकार ने विधानसभा चुनाव में किया वादा पूरा करते हुए 26 सितंबर को एक आदेश जारी किया था, जिसके तहत स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था।

इंडिया जस्टिस रिपोर्ट | मामलों को निपटाने की धीमी गति को बताया कारण, आधे से ज्यादा मामले पड़े हैं लंबित

देश में न्याय का इंतजार कर रहे हैं 50 हजार से ज्यादा बच्चे

नई दिल्ली, एजेंसी

सामान्य न्यायालयों में ही नहीं बल्कि देश के 362 किशोर न्याय बोर्ड में भी मामले काफी देर से निपट पा रहे हैं। इन बोर्ड में आधे से ज्यादा मामले लंबित पड़े हैं जिसके कारण 50,000 से अधिक बच्चे न्याय का इंतजार कर रहे हैं। इंडिया जस्टिस रिपोर्ट (आईजेआर) की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक अध्ययन में यह बात कही गई है।

अध्ययन में कहा गया है कि किशोर न्याय अधिनियम के लागू होने के दस साल बाद भी न्याय वितरण में स्पष्ट कमजोरियां बनी हुई हैं, जिनमें न्यायाधीशों की कमी, आश्रय गृहों के कम निरीक्षण, अनुपस्थित डेटा सिस्टम और राज्यों के बीच व्यापक असमानताएं शामिल हैं। इस अध्ययन में कहा गया है कि 31 अक्तूबर 2023 तक जेजेबी के समक्ष मौजूद 1,00,904 मामलों में से 55 प्रतिशत लंबित थे और राज्यवार यह आंकड़ा ओडिशा में 83 फीसदी से लेकर कर्नाटक में 35 फीसदी तक था।

देश के 765 जिलों में से 92 प्रतिशत में जेजेबी गठित हैं, लेकिन हर चार में से एक बोर्ड पूर्ण पीठ के बिना कार्य कर रहा है। औसतन प्रत्येक बोर्ड में पुराने मामलों की संख्या 154 है। भारत में अपराध संबंधी आंकड़ों के अनुसार, यह निष्कर्ष इस पृष्ठभूमि में आया है कि 2023 में भारतीय दंड संहिता और विशेष कानूनों के तहत 31,365 मामलों में 40,036 किशोरों को पकड़ा गया, जिनमें से तीन-चौथाई की आयु 16 से 18 वर्ष के बीच है। प्रणाली का विकेन्द्रीकरण हुए एक दशक बीत चुका है, फिर भी अनेक संरचनात्मक कमियां समय पर सहायता और पुनर्वास की प्रक्रिया में बाधा बन रही हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 30 प्रतिशत किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) के पास कानूनी सेवा क्लिनिक नहीं है। चौदह राज्यों और जम्मू-कश्मीर में 18 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के लिए सुरक्षित आवास की कमी है, जो उनके लिए बेहद जरूरी है। इन राज्यों में बाल देखभाल संस्थानों (सीसीआई) की निगरानी भी संतोषजनक नहीं पाई गई है। इन राज्यों के 166 गृहों में अनिवार्य 1,992 निरीक्षणों में से केवल 810 ही किए गए। 292 जिलों के आंकड़ों में पता चला कि केवल 40 गृह ऐसे हैं जो विशेष रूप से लड़कियों के लिए हैं।

जानकारी इकट्ठी करने के लिए करने पड़े 250 आरटीआई आवेदन

रिपोर्ट के अनुसार, जेजेबी के लिए राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड जैसी कोई समतुल्य व्यवस्था न होने के कारण, आईजेआर टीम को 250 से ज्यादा आरटीआई आवेदन दायर करने पड़े। इन जवाबों का 'पैटर्न' कमजोर पारदर्शिता की ओर इशारा करता है। 28 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त 500 से ज्यादा जवाबों में से 11 प्रतिशत खारिज कर दिए गए, 24 प्रतिशत पर कोई जवाब नहीं मिला, 29 प्रतिशत सिर्फ स्थानांतरित किए गए और केवल 36 प्रतिशत ने ही उपयोगी जानकारी प्रदान की।

अमृत विचार

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

सभी जटिल चीजों में अराजकता अंतर्निहित है। दृढ़ता के साथ प्रयास करते रहो।

–महात्मा बुद्ध

सख्त संदेश के निहितार्थ

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि मामूली फेरबदल करके सरकार हमारे आदेशों को निष्प्रभावी नहीं कर सकती, दरअसल अनुच्छेद 141 के तहत न्यायालय के आदेशों की बाध्यता और शक्ति को पुनः स्थापित करता है। यह निर्णय न केवल न्यायिक स्वतंत्रता बल्कि न्यायिक समीक्षा की संवैधानिक भूमिका को भी मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट को यह कठोर टिप्पणी इसलिए करनी पड़ी, क्योंकि ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट-2021 में सरकार ने ठीक वही प्रावधान दोबारा शामिल कर दिए थे, जिन्हें शीर्ष अदालत पहले ही खारिज कर चुकी थी। अदालत के अनुसार यह कदम उसकी अधिकारिता को कमजोर करने जैसा था। इसी कारण उसने पुनः स्पष्ट किया कि संविधान के मूल ढांचे के तहत न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायिक आदेशों की बाध्यता पर संसद हस्तक्षेप नहीं कर सकती। फैसले में अदालत ने ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट 2021 की कई प्रमुख धाराओं को असंवैधानिक घोषित किया। इनमें खासतौर पर ट्रिब्यूनल सदस्यों का कार्यकाल तय करना, न्यूनतम आयु नियत करना एवं सर्च-कम-सेलेक्शन कमेटी की सिफारिशों को बाध्यकारी न मानना था। अदालत को गंभीर आपत्ति इसलिए थी, क्योंकि इन धाराओं में बदलाव न्यायिक निकायों की आज़ादी को प्रभावित कर सकती थीं। कम अवधि का कार्यकाल सदस्यों को कार्यपालिका पर निर्भर बनाता है, न्यूनतम 50 वर्ष की आयु सीमा युवा और योग्य विशेषज्ञों को बाहर करती है और चयन समिति की भूमिका को कमजोर करने से नियुक्तियों में पारदर्शिता पर प्रश्न उठते हैं। सरकार ने वे प्रावधान पुनः जोड़ दिए थे, जिन्हें 2020 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किए थे। अदालत द्वारा इसे 'प्रत्यक्ष अवज्ञा' मान कर रद्द कर देना उचित है।

इस फैसले में सकारात्मक पहलू यह है कि अदालत ने ट्रिब्यूनल प्रणाली की स्वतंत्रता और दक्षता को प्राथमिकता दी, यानी वह प्रशासनिक ट्रिब्यूनलों को सरकार के प्रभाव से मुक्त रखना चाहता है, ताकि वे निष्पक्ष न्याय देने में सक्षम रहें। इससे भविष्य में ट्रिब्यूनलों की विश्वसनीयता और कामकाज दोनों बेहतर होंगे। यह फैसला सरकार को स्पष्ट संदेश देता है कि न्यायिक आदेशों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि संवैधानिक आवश्यकता है। इससे संसद और न्यायपालिका के बीच संस्थागत संवाद अधिक संतुलित होगा। निस्संदेह सरकार के लिए यह फैसला किसी झटके से कम नहीं, क्योंकि वह जिस संरचना को लागू करना चाहती थी, वह अब न्यायालय द्वारा पूरी तरह अस्वीकार कर दी गई है।

सरकार की प्रतिक्रिया शांत, संयत और संविधानसम्मत होनी चाहिए। उसे अदालत की टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए ट्रिब्यूनलों के सुधार पर पुनर्विचार करना चाहिए। सरकार का अगला कदम यही होना चाहिए कि वह न्यायपालिका से संवाद कर एक व्यावहारिक, पारदर्शी और संविधान-सम्मत ढांचा तैयार करे। सहयोग और संवैधानिक मर्यादा के साथ ही ट्रिब्यूनल सुधारों का भविष्य सुरक्षित और प्रभावी बन सकता है, संसद और न्यायपालिका के बीच एक न्यायपूर्ण संबंध तथा संतुलन बनेगा।

प्रसंगवश

गौर करें, आपके आसपास कम हो रहे हैं पंछी

कभी मुंडेर पर कांव-कांव करने वाला कव्वा और आंगन में चीचीं करती नन्ही गौरैया कम हो रही है। पेस्टिसाइड और शहरीकरण ने हमारे आसपास के तमाम पंछियों को खत्म कर दिया है। आपको एक घटना बताती हूं। कुछ दिनों पहले मैंने अपने स्कूल में एक कौवा मरा पड़ा देखा। बहुत सामान्य सी बात है। मैंने भी इस बात पर बहुत ध्यान नहीं दिया। अगले दिन स्कूल में तीन कौवे मरे पड़े थे। थोड़ा अजीब लगा। बच्चे आपस में कुछ सुगबुगाहट कर रहे थे। मैंने पूछा, पर कुछ खास जवाब नहीं आया। तीन कौवे स्कूल में मरे पड़े हैं। अब यह बात थोड़ा ध्यान में रुक गई। अगले कुछ दिनों में मरे कौवो की संख्या बढ़ती ही गई।

मैंने कक्षा पांच के कुछ बच्चों से बात की। एक बच्चा प्रिंस बोला, ऐसी बात नहीं है मैडम! मेरे चाचा और पापा रात बात कर रहे थे। मैंने सुना वह लोग कह रहे थे खेतों में दवाई इस बार ज्यादा पड़ गई है। हम सब शांत हो गए। फिर मैंने प्रिंस से पूछा, कैसी दवाई? बच्चों की नादान बुद्धि के उत्तर आप भी सुनिए- खीरे को बड़ा करने की दवाई, कद्दू को जल्दी से फसल पर उतर लेने की दवाई, फसल में कीड़े लग जाने की दवाई। ऐसी बहुत सी दवाइयां मैडम हम डालते हैं। मैंने पूछा, तो कौवे क्यों मर रहे हैं? प्रिंस ने कहा, दवाई ज्यादा डल जाने से जान भी ले सकती है और कौवे मोर और चिड़िया यह सब खेत से सीधे अनाज, फल, सब्जी खाते हैं, तो दवाई से यह सब मर गए।

निवेदिता शर्मा

शिक्षिका

मैं सोच में पड़ गई कि बेजुबान जानवर इन दवाइयों का शिकार होकर मर रहे हैं और हम सबको खबर भी नहीं लग पा रही है। उससे भी बड़ी समस्या यह है कि लोग इस बड़ी समस्या को भी सामान्य मान रहे हैं। उनकी नजर में दवाई डालना एक बहुत ही सामान्य काम है। इस सामान्यीकरण से बच्चों के मानसिक और शारीरिक दोनों किस्म के विकास पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ रहा है ।

फसलों को कीट-पतंग, कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक का प्रयोग किया जाता है। यह कीटनाशक हमारे खाने के सहारे हमारे शरीर में धीरे-धीरे जमा हो जाते हैं और यह हमारे शरीर में जाकर सेंट्रल नर्वस सिस्टम को इफेक्ट करते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि लंग कैंसर, ब्लड कैंसर का कारण मुख्य रूप से पेस्टिसाइड्स ही हैं। पेस्टिसाइड्स वे दवाइयां हैं, जिन्हें फसलों में, खेतों में, कीटों चूहों आदि से बचाने के लिए डाला जाता है। जानने की बात यह है कि इन्हें खाकर चूहा या कीट भागते नहीं है बल्कि मर जाते हैं।

जरा सोचिए जब यही दवाई हमारे शरीर में जाती है तो कुछ तो असर करती ही होगी न। पेस्टिसाइड्स का प्रयोग हरित क्रांति के समय हुआ। उपज को बढ़ाने और मुनाफा कमाने के लक्ष्य ने इसे बढ़ावा दिया। पेस्टिसाइड्स प्रयोग करने की मात्रा, समय, सभी कुछ अच्छे से निर्देशित होने के बावजूद लाभ कमाने के लालच, जागरूकता की कमी की वजह से किसानों ने ताबड़तोड़ मात्रा में कीटनाशक का प्रयोग किया है।

केरल के कासर कोड की घटना की तरफ सबका ध्यान जाना जरूरी है। एक पेस्टिसाइड का स्प्रिंग काजू की खेती पर 25 साल तक लगातार उपयोग किया गया। डॉ. मोहन कुमार, कासर कोड में डॉक्टर के रूप में आए। उन्होंने देखा कि अधिकतर घरों में बच्चे न्यूरो प्रॉब्लम्स कैंसर, क्रॉनिक प्रॉब्लम्स से संबंधित बीमारियों से लंबे समय से जूझ रहे हैं। उन्होंने अपनी रिसर्च में पाया कि जो पेस्टिसाइड काजू की खेती पर छिड़का जा रहा था, वह धीरे-धीरे सबके शरीर में जमा होता चला गया और वह आने वाली पीढ़ी के लिए इतनी बड़ी समस्या का सबब बना।

डिजिटल अरेस्ट खौफ का दोहन करते अपराधी

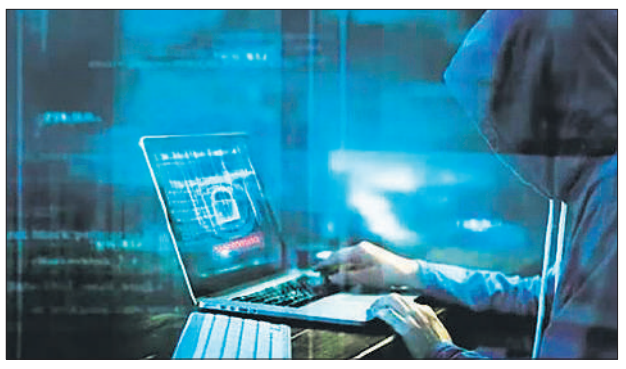

विवेक सक्सेना

अयोध्या

भारत में डिजिटल अरेस्ट एक खतरनाक साइबर अपराध के रूप में उभर रहा है। जो कि बेहद चिंताजनक है। साइबर अपराधी नए-नए तरीके से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। साइबर ठग लोगों को डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फंसा कर उनको डराते-धमकाते हैं। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स व अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हैं। डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फोन करने वाले कभी पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स, आरबीआई और दिल्ली या मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर आत्मविश्वास से बात करते हैं। वॉट्सएप या स्काइप कॉल पर जब कनेक्ट करते हैं, तो आपको फर्जी अधिकारी एकदम असली से लगते हैं। वे लोग पीड़ित को इमोशनली और मेंटली टॉर्चर करते हैं। साइबर फ्रॉड के शिकार होने वालों में छात्रों से लेकर बुजुर्ग, होम मेकर्स से लेकर काम कामकाजी महिलाएं, किसान से लेकर आईटी सेक्टर में काम करने वाले और बड़े-बड़े पदों पर आसीन पेशेवर भी शामिल हैं। फ्रॉड करने के लिए ऐसे जाल-बिछाते हैं कि पढ़े-लिखे और जागरूक लोग भी उनके चंगुल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई के लाखों-करोड़ों गंवा देते हैं।

देश में तेजी से बढ़ रहे इस खतरनाक क्राइम को लेकर उच्चतम न्यायालय ने भी आश्चर्य जताते हुए कहा कि ऐसे अपराधियों से सख्ती से निपटे जाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि देशभर में वरिष्ठ नागरिकों समेत अन्य पीड़ितों से 3000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही की जा चुकी है।

2024 में डिजिटल अरेस्ट से 92,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए, जिनसे 1,616 करोड़ से अधिक की ठगी हुई। सुप्रीम कोर्ट और सरकार ने इस बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ी चिंता जताई है। अदालत ने सख्त कदम उठाने के लिए कहा। अपराधियों की रणनीति वीडियो कॉल, व्हाट्सएप कॉल, स्पूफ कॉल, फर्जी वेबसाइट आदि ये मुख्य तरीके हैं, जिनसे स्कैम चलाया जाता है। वरिष्ठ नागरिक, अकेले रहने वाले युवा, डिजिटल साक्षरता से दूर लोग इस अपराध के आसानी से शिकार बन रहे हैं। जागरूकता की कमी के चलते पढ़े-लिखे लोग भी इन जालसाजियों का शिकार हो जाते हैं। तकनीकी विकास के साथ-साथ टेक साक्षरता, जागरूकता और कड़े कानून का अनुपालन बेहद जरूरी है, वरना आम नागरिक भय, जानकारी की कमी और व्यवस्था के कमजोर पहलुओं के चलते बार-बार शिकार बनेंगे।

हाल ही में साइबर अपराध यानी हैकिंग से जुड़ी एक ग्लोबल रिपोर्ट सामने आई है, जिसने भारत को चिंता में डाल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, हैकिंग के मामले में भारत, दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल हो गया है, जो कि डिजिटल सुरक्षा के लिहाज से एक गंभीर चेतावनी है। तीन वर्षों में महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश लगातार साइबर अपराध से सर्वाधिक प्रभावित शीर्ष दो राज्यों के रूप में स्थान पर रहे हैं। 2025 में, महाराष्ट्र साइबर अपराध के 1.6 लाख मामलों के साथ सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य होगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश (1.4 लाख) और कर्नाटक (एक लाख) का स्थान होगा।

इसी साल अगस्त में लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रुचिका टंडन को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण का अधिकारी बता फोन करने वाले ने सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 2.81 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। वर्धमान ग्रुप के चेयरपर्सन और पद्मश्री एसपी ओसवाल को भी साइबर ठगों ने सीबीआई अधिकारी बनकर फोन किया और एक पुराने मामले में अरेस्ट वारंट का हवाला देकर डरा-धमकाकर सात करोड़ रुपये ठग लिए। इससे पहले मुंबई निवासी 75 वर्षीय रिटायर्ड शिप कैप्टन को शेयर मार्केट में हाई रिटर्न दिलाने का झांसा देकर अगस्त 2024 से लेकर नवंबर 2024 के बीच 11.16 करोड़ रुपये की ठगी की गई। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक नाबालिग छात्र को भी साइबर ठगों ने कॉल कर अश्लील वीडियो देखने की धमकी देकर पैसों की मांग की। छात्र इतना डर गया कि उसने सुसाइड कर लिया। नोएडा सेक्टर 82 में रहने वाली एक महिला आईटी इंजीनियर को डिजिटल अरेस्टट कर 20 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। हाल में ही राजधानी दिल्ली के रोहिणी में रहने वाले एक 72 वर्षीय रिटायर्ड इंजीनियर को साइबर ठगों ने आठ घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी कर ली।

ये मामले सिर्फ बानगी भर हैं। सच तो ये है कि देश में रोज इस तरह के अपराध हो रहे हैं और डिजिटल अरेस्ट जैसी साइबर ठगी भारत की डिजिटल प्रणाली के सामने गंभीर चुनौती बन चुकी है। अदालत और नीति-निर्माताओं को फौरन कड़े कदम उठाने चाहिए। साथ ही, आमजन को भी सतर्क रहना और डिजिटल शिक्षा अपनाना जरूरी है। साइबर अपराध नियंत्रण के लिए (Indian Cyber Crime Coordination Centre) केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। भुक्तभोगियों को साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी जाती है।

डिजिटल अरेस्ट की पहचान करने और बचने के लिए सतर्कता जरूरी है। आपके पास अनजान नंबर से फोन या वॉट्सएप कॉल आती है तो सावधानी बरतें। ध्यान रखें कि पुलिस अधिकारी कभी खुद की पहचान बताने के लिए वीडियो कॉल नहीं करेंगे। किसी भी राज्य की पुलिस आपको कभी कोई भी ऐप डाउनलोड करने को नहीं कहेगी। पहचान पत्र, एफआईआर की कॉपी और अरेस्ट वारंट ऑनलाइन नहीं भेजा जाता है। पुलिस अधिकारी कभी भी वॉयस या वीडियो कॉल पर बयान दर्ज नहीं कराते। देश के कानून में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है।

पूरी दुनिया डर के धंधे पर टिकी हुई है। इसी खौफ का दोहन कुछ शातिर अपराधी कर रहे हैं। जीवन को बर्बाद होने के डर की बड़ी कीमत साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट के नाम पर वसूल रहे हैं।

आमने

10,000 में क्या मिलता है? 10,000 में बिहार सरकार मिलती है। वे पैसे के बल पर जीते हैं। उन्होंने महिलाओं को खुलेआम पैसे दिए और महिलाओं ने उन्हें वोट दिया। अब सरकार को 'जीविका दीदी' को किए वादे को पूरा करना चाहिए।

–**मुकेश सहनी**, अध्यक्ष
विकासशील इंसान पार्टी

सामने

मैं समझती हूं कि इस प्रकार के अजीबोगरीब बयान नहीं देने चाहिए। इलेक्शन कमीशन देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने वाली सर्वप्रथम संस्था है। ऐसी संस्था के बारे में कहना राष्ट्रद्रोह जैसा है। उनको अपनी वाणी पर लगाम रखनी चाहिए।

–**अपर्णा यादव**, उपाध्यक्ष
उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग

होमवर्क में बदलाव से बढ़ेगी सीखने की भूख

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

पढ़ाई करते समय बच्चे अक्सर किसी टॉपिक को दोहरा कर सीखने की कोशिश करते हैं, जिसे कहते हैं कि रट-रट कर परीक्षा देने जाते हैं। जिसकी जितनी अच्छी रटने की शक्ति, उतना अच्छा वो उत्तर लिखता है और परिणाम के आधार पर बुद्धिमान बच्चा कहलाता है, पर गहराई से सोचें, क्या वह बच्चा वाकई में बुद्धिमान है? क्या सच में उसने कोई ऐसा ज्ञान अर्जित किया जो भविष्य में कभी उसके काम आएगा? जवाब है नहीं! ऐसे बच्चों की रटने की क्षमता तो बहुत अच्छी होती है, लेकिन वे जीवन के असल ज्ञान से वंचित रह जाते हैं और अपनी शिक्षा का उपयोग सही तरीके से नहीं कर पाते हैं।

शिक्षा का अर्थ है सीखना। स्कूल में पढ़ाई करने के पश्चात आपने ऐसा क्या सीखा जिसका उपयोग आप जीवन को सार्थक बनाने के लिए करते हैं! यही स्कूली शिक्षा का आधार है, इसलिए रटने से अच्छा है कि किसी बात को गहराई से समझें, जिससे वो बात आपके दिमाग में अच्छी तरह से बैठ जाए। पहले स्कूलों में होमवर्क का मतलब होता था, गणित के एक जैसे सवाल बार-बार हल करना या लंबा-लंबा निबंध लिखना, लेकिन अब यह बदल रहा है।

पूरे भारत की कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो 'होमवर्क' जैसे साधारण कार्य में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। यह अब बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है। शिक्षाविदों का कहना है कि 'होमवर्क', जो पहले रटने पर आधारित था, अब नीतिगत बदलावों, डिजिटल उपकरणों और नए शिक्षण तौर तरीकों से बदल रहा है। ये रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और छात्रों के कल्याण पर जोर देते हैं।

इसका मकसद छात्रों को सिर्फ पढ़ाई के लिए मजबूर करना नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को मजेदार बनाना है। अब होमवर्क में सिर्फ याद करने के बजाय सोचने, समझने और नई चीजें बनाने पर जोर दिया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों को प्रोजेक्ट बनाना, ग्रुप में काम करना और नयी जानकारी पर खोज करने जैसे काम दिए जा रहे हैं। इससे बच्चे अपने खुद के तरीके से सीखते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है।

इस संदर्भ में देखा जाए तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के जरिये स्कूली छात्रों के होमवर्क में आ रहा बदलाव स्वागतयोग्य है, जिसमें रटने के बजाय सीखने पर ज्यादा जोर है। इस नीति में छात्रों पर शैक्षणिक बोझ कम करने तथा गतिविधि आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने की वकालत की गई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) समेत कई राज्य बोर्डों ने शिक्षकों से ऐसे होमवर्क देने को कहा है, जिन्हें करने में बच्चों को खुशी हो और उनमें प्रयोग करने की गुंजाइश हो।

ऐसे में, स्कूलों की कोशिश है कि छात्रों को होमवर्क में ही व्यस्त न रखा जाए। ज्यादातर स्कूल आज प्रोजेक्ट आधारित काम देने लगे हैं और बच्चों को सामुदायिक जुड़ाव वाली गतिविधियों में शामिल करने लगे हैं। छात्रों के होमवर्क को आसान और दिलचस्प बनाया जा रहा है, ताकि वे केवल किताबी कीड़ा बनकर न रह जाएं। जोर इस पर दिया जा रहा है कि छात्र चीजों के बारे में खुद से सोचने, समझने और उन्हें बनाने की कोशिश करें। इससे बच्चों की रचनात्मकता जागती है और उनमें सोचने की क्षमता बढ़ती है। दरअसल, छात्रों को मिल रहे भारी-भरकम होमवर्क से उनकी रचनात्मकता खत्म होने लगी थी और इसे लेकर देशभर में चिंता जताई जा रही थी।

वर्ष 2018 की वार्षिक शिक्षा स्थिति पर रिपोर्ट में पाया गया था कि 74 प्रतिशत शहरी छात्रों को दैनिक होमवर्क मिलता है, जिसमें उनके तीन से चार घंटे का समय चला जाता है, जबकि सीखने के मोर्चे पर उसका कोई विशेष लाभ नहीं होता। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने भी शिक्षकों को एक खास तरह का होमवर्क दिया था, जिसमें उन्हें छात्रों के साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के अभियान से जोड़ा गया था, ताकि 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' को प्रेरणा मिल सके। यह बच्चों में देशभक्ति की भावना के साथ व्यावहारिक सोच बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा।

अमेरिका में नेशनल पीटीए (राष्ट्रीय अभिभावक शिक्षक संघ) और नेशनल एजुकेशन एसोसिएशन द्वारा बनाया गया '10-मिनट नियम' यह बताता है कि बच्चों को हर रात अपनी कक्षा के हिसाब से लगभग 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए। इसका मतलब है कि पहली कक्षा के बच्चों को 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए, जबकि बारहवीं क्लास के बच्चों को 120 मिनट तक 'होमवर्क' करना चाहिए। भारत में 'होमवर्क' की अवधारणा भले ही बदल गई हो, लेकिन असल में कई भारतीय छात्र अक्सर रोजाना 3-4 घंटे 'होमवर्क' करने में बिताते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि 'होमवर्क' की अवधारणा में बदलाव का एक कारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भी है, जो छात्रों पर पढ़ाई का बोझ कम करने और गतिविधियां आधारित सीखने को बढ़ावा देने पर जोर देती है। कई राज्य बोर्ड और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने इसके बाद परिपत्र जारी कर शिक्षकों से ऐसे काम देने को कहा है जो 'मनोरंजक, प्रायोगिक और व्यावहारिक हों।

कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो होमवर्क में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। अब यह बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है।

सोशल फोरम

एक छोटे से आविष्कार ने बदल दी दुनिया

वह 37 साल की उम्र में मर गया- कंगाल। भुला दिया गया, लेकिन आज भी, हर दिन, आप उसी की बनाई चीज पहनते हैं।1880 में एक जोड़ी जूते की कीमत इतनी थी कि उसे खरीदने के लिए आम परिवार एक हफ्ते की कमाई भी खर्च नहीं कर पाते थे। न तो चमड़ा कम था, न मोची लालची थे। समस्या थी एक असंभव सी प्रक्रिया, जिसे दुनिया का कोई भी आविष्कारक मशीन से नहीं कर पाया था। इसे कहा जाता था 'लास्टिंग'। जूते के ऊपरी हिस्से को उसके तले से जोड़ना। यह काम इतनी बारीकी, इतना कौशल मांगता था कि सिर्फ माहिर कारीगर ही कर सकते थे।

प्रशांत पांडेय

ब्लॉगर

वो भी दिन भर की मेहनत के बाद लगभग 50 जोड़ी जूते बना पाते। दर्जनों आविष्कारकों ने इस काम को मशीन से करवाने की कोशिश की, लेकिन सब असफल।

फिर एक युवा अश्वेत आप्रवासी एक लड़का, जो अंग्रेजी तक ठीक से नहीं बोलता था, ने ठान लिया कि वह इस असंभव को हल करेगा। जान एर्न्स्ट मैटजेलिगर का जन्म 1852 में सूरीनाम में हुआ। 19 साल की उम्र में वह जहाजों पर काम करने निकल पड़े। 21 की उम्र में वो अमेरिका के लिन, मैसाचुसेट्स पहुंचे, जो उस समय जूता उद्योग की राजधानी था। वहीं फैक्ट्री में काम करते हुए उन्होंने उस bottleneck को देखा जो पूरी इंडस्ट्री को जकड़े हुए था। उन्होंने देखा कि कोई यह मानने को तैयार नहीं था कि एक अश्वेत मजदूर वह कर सकता है जो दुनिया के दिमाग नहीं कर पाए।

उन्होंने अनुमति नहीं मांगी। बस शुरू कर दिया। 10–10 घंटे फैक्ट्री में काम और फिर रात में अपने छोटे कमरे में वापस आना। अंग्रेजी सीखना, मशीन ड्रॉइंग सीखना, इंजीनियरिंग सीखना। सब कुछ खुद, मोमबत्ती की रोशनी में। और फिर- मॉडल पर मॉडल बनाना, टूटना, फिर बनाना, फिर टूटना। 6 साल तक लगातार असफलताएं। निवेशक हंसते थे। साथी मजदूरों को भरोसा नहीं था और नस्लभेद के चलते हर दरवाजा उनके लिए बंद ही रहा। 20 मार्च 1883 को, अमेरिकी पेटेंट ऑफिस ने पेटेंट नंबर 274,207 उन्हें जारी किया। उनकी Lasting Machine काम कर गई। और सिर्फ ठीक ही नहीं, बल्कि क्रांतिकारी थी। जहां एक माहिर कारीगर 50 जोड़ी जूते बनाता था, मैटजेलिगर की मशीन 150 से 700 जोड़ी तक बनाती थी। तेज, सटीक, और बिना थके। कुछ ही सालों में जूतों की कीमत आधी हो गई। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

मुफ्त अनाज का वितरण और जनवादी डाटा

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज दिसंबर के बाद भी एक साल तक मिलता रहेगा। कथित गरीबों के लिए एक और सुखद खबर है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत दो रुपये किलो गेहूं और तीन रुपये किलो चावल के तौर पर जो अनाज उपलब्ध कराया जा रहा था, सरकार के रिकॉर्ड में जो लोग 'गरीब' के तौर पर दर्ज हैं, उनकी बल्ले-बल्ले हो गई है। दरअसल भारत सरकार का यह सरोकार नहीं है कि मुफ्त अनाज के कितने लाभार्थी ऐसे गेहूं, चावल को बाजार में बेच देते हैं, क्योंकि उन्हें वह अनाज 'घटिया' लगता है। मोदी सरकार अपना डाटा 'जनवादी' बनाए रखना चाहती है कि वह 81.35 करोड़ गरीब नागरिकों को बिल्कुल मुफ्त अनाज मुहैया करा रही है।

आकाश सपेलकर

अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

बेशक अर्थव्यवस्था पर इसके व्यापक विपरीत प्रभाव न पड़ें और वित्तीय घाटा भी परिधियों के बाहर न हो, लेकिन कुछ सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं कि कोरोना-काल के बाद आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने के बावजूद मुफ्त अनाज बांटते रहना क्या और क्यों जरूरी है? यदि 81 करोड़ से अधिक लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज, प्रति व्यक्ति प्रति माह, मुहैया नहीं कराया जाएगा, तो क्या वे भूखे मर जाएंगे? क्या भारत में इतनी गरीबी और संभावित भुखमरी के हालात हैं?

तो फिर गरीबी उन्मूलन योजनाओं का क्या हो रहा है? निःशुल्क अनाज की अवधि बढ़ाने से देश के खजाने पर दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जो अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, उसके फलितार्थ क्या होंगे? बहरहाल इन दोनों योजनाओं को मिला दें, तो करीब 10 करोड़ टन अनाज मुफ्त बांटना पड़ेगा। यह भारत के कुल अनाज उत्पादन का एक-तिहाई होगा। बीती पहली दिसंबर तक केंद्रीय पूल में, गेहूं और चावल के मौजूदा भंडारण, करीब 5.54 करोड़ टन थे। यह एक साल पहले के भंडारण की तुलना में एक-तिहाई से भी कम अनाज है। भारतीय खाद्य निगम के भंडारण में इतना भी अनाज नहीं है, जितना कोरोना-काल के लॉकडाउन के बाद था। उस अनाज को लोगों में वितरित किया गया। यह सवाल स्वाभाविक है कि सरकार कब तक मुफ्त अनाज बांटती रहेगी? कमोबेश यह गरीबी और बेरोजगारी का वैकल्पिक समाधान नहीं है।

दरअसल यह मोदी सरकार का राजनीतिक तौर पर बेहद चतुर निर्णय है। बेशक भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान मुफ्त अनाज मुहैया कराने का प्रचार करे या न करे, लेकिन प्रतीकात्मक तौर पर लोगों के मानस पर इसका प्रभाव रहता ही है। भाजपा कई चुनावों में इस फॉर्मूले को आजमा चुकी है। खासकर महिलाओं पर इस योजना का जबरदस्त सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। नतीजतन महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, असंतोष, सांप्रदायिकता आदि मुद्दों के बावजूद भाजपा को जनादेश मिलता रहा है।

राज्यों में चुनाव हैं और अधिकतर राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। राजनीतिक तौर पर भाजपा के लिए अग्नि-परीक्षा से कम दौर नहीं होगा, क्योंकि वहीं के जनादेश के आम चुनाव की पुख्ता जमीन तैयार हो सकती है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने पारित कराया था। उसके तहत तीन-चौथाई ग्रामीण और लगभग आधी शहरी आबादी को सबसिडी पर अनाज हासिल करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त हुआ था। मोदी सरकार ने इसे व्यापकता दी है। अब सबसिडी पर ही नहीं, बल्कि बिल्कुल मुफ्त अनाज हासिल किया जा सकता है। योजनाओं से कितनी 'काली भेड़ें' जुड़ी हैं, यह एक अलग सवाल है और इसका विश्लेषण किया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

यूरेका

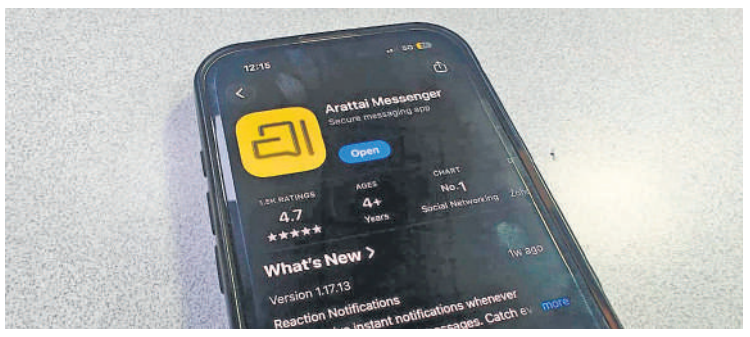

अरट्टई

डिजिटल संवाद का स्वदेशी अध्याय

भारत के डिजिटल परिदृश्य में इस समय एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में है- Zoho का 'अरट्टई' (Arattai) ऐप। सितंबर-अक्टूबर 2025 के बीच इसके डाउनलोड्स में अचानक उछाल आया और यह कुछ ही हफ्तों में ऐप स्टोर्स की शीर्ष सूची में जगह बना गया। 'अरट्टई' तमिल भाषा का शब्द है, जिसे 'गपशप' अथवा 'आकस्मिक बातचीत' के संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है। जनवरी 2021 में लॉन्च हुआ यह ऐप चार साल तक लगभग गुमनाम रहा, लेकिन अब "आत्मनिर्भर भारत" की नई लहर के बीच यह भारतीय तकनीक का प्रतीक बनकर उभरा है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

Zoho की साख और आत्मनिर्भर भारत की भावना

Zoho उन कुछ भारतीय कंपनियों में है, जो बिना विदेशी निवेश के वैश्विक पहचान बना चुकी है। संस्थापक और सीईओ श्रीधर वेम्बू के नेतृत्व में चेन्नई मुख्यालय वाली यह कंपनी बीते दो दशकों से विश्व स्तर पर सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (SaaS) क्षेत्र में भारत की पहचान रही है। इसके 55 से अधिक प्रोडक्ट्स- जैसे Zoho Mail, Zoho CRM, Zoho Books, Zoho Workplace और Zoho Cliq दुनियाभर के तमाम देशों में उपयोग किए जाते हैं। हाल में Zoho एक बड़ी खबर यह भी आई कि केंद्र सरकार के कई विभागों और निकायों ने NIC से Zoho Mail पर डेटा माइग्रेशन शुरू किया है, ताकि देशी सर्वरों पर होस्टेड और अधिक सुरक्षित ईमेल व्यवस्था स्थापित की जा सके। इससे कंपनी की साख को और मजबूती दी और यह दिखाया कि भारत अब वैश्विक विकल्पों पर निर्भर रहने के बजाय अपनी तकनीकी क्षमता पर भरोसा करने लगा है। ऐसे में जब इसी कंपनी ने एक मैसेजिंग ऐप पेश किया, तो स्वाभाविक रूप से लोगों में उत्सुकता बढ़ी। अरट्टई को आज के डिजिटल भारत की नई कहानी बनाने और इस अप्रत्याशित उछाल के पीछे भारतीय तकनीकी कंपनियों पर भरोसा, विदेशी ऐप्स के प्रति सतर्कता, डेटा सुरक्षा को लेकर बढ़ती जागरूकता जैसे कारक तो हैं ही, लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका वैश्विक अनिश्चितताओं, जैसे कि तकनीक की उपलब्धता अथवा टैरिफ संकट से भरे माहौल में 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी' अपनाने की अपील ने निभाई है।

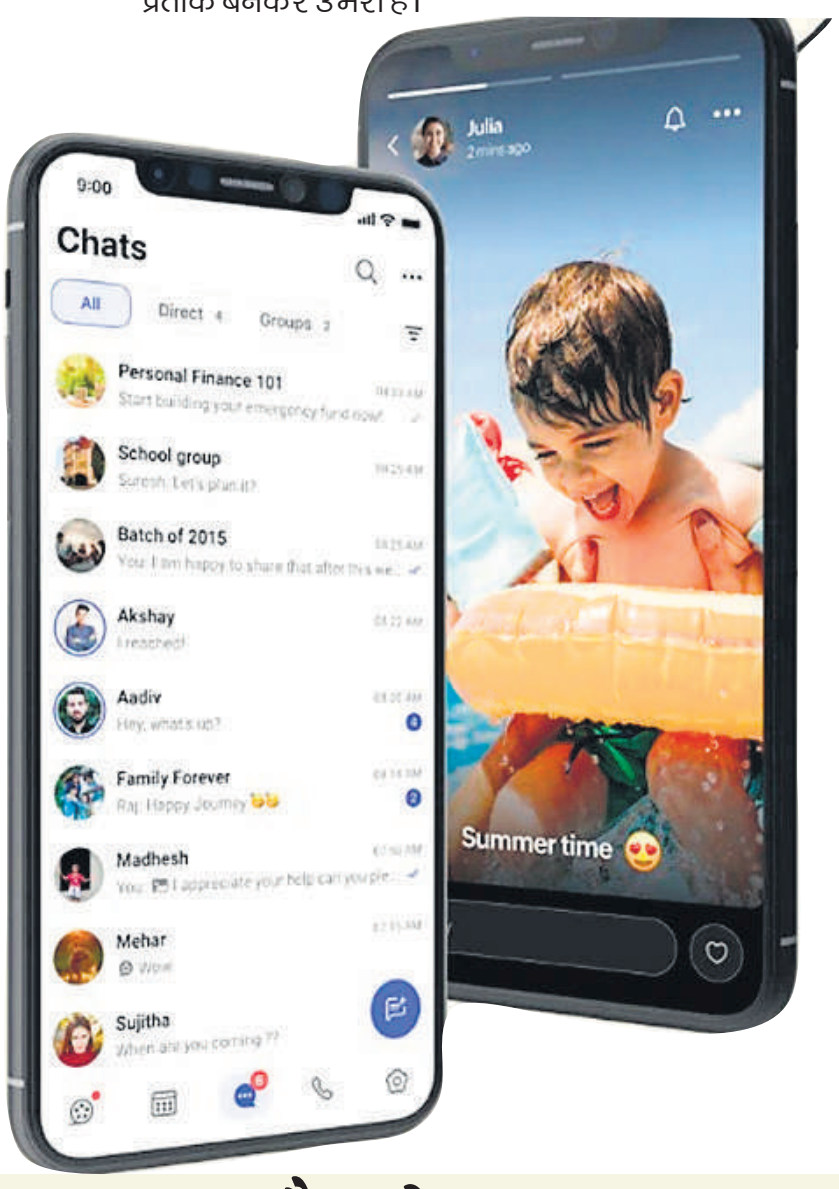

लोकप्रियता की रफ्तार और शुरुआती तकनीकी झटके

सितंबर 2025 में अरट्टई की लोकप्रियता इतनी तेजी से बढ़ी कि Zoho के सर्वरों को भी संभलने का मौका नहीं मिला। लाखों की तादाद में नए उपयोगकर्ता जुड़ने लगे और उसके साथ सामने आईं OTP में देरी, कॉल में लैग और सिंक की समस्याएं। यह दौर हर उभरते प्लेटफॉर्म के लिए सीख का होता है। तेजी से आगे बढ़ने के साथ स्थायित्व का संतुलन जरूरी है। Zoho ने भी सर्वर क्षमता बढ़ाकर स्थिति संभाली।

क्या बनाता है अरट्टई को अलग

Zoho ने अरट्टई को केवल चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि एक समग्र संचार मंच के रूप में विकसित किया है। इसके फीचर्स इस दिशा को स्पष्ट करते हैं-

- **पॉकेट- आपकी निजी डिजिटल तिजोरी-** इस फीचर में आप अपने नोट्स, फोटो, वीडियो और दस्तावेज सुरक्षित रख सकते हैं, जो लोग WhatsApp पर खुद को मैसेज भेजकर चीजें सहेजते हैं, उनके लिए यह सुविधा गेमचेंजर साबित हो सकती है।
- **मीटिंग्स टैब- वीडियो कॉल का नया रूप-** बिना Zoom या Google Meet जैसे अलग ऐप्स पर जाए, अरट्टई में ही सीधे वीडियो मीटिंग्स आयोजित की जा सकती है।
- **मेंशन्स टैब-** इस टैब में वे सभी चैट्स एक जगह मिलती हैं, जिनमें उपयोगकर्ता को टैग या उल्लेख किया गया है। यह व्यस्त पेशेवरों के लिए राहत का फीचर है।
- **Android TV पर उपलब्धता-** मोबाइल और लैपटॉप/डेस्कटॉप के साथ अरट्टई Android TV पर भी उपलब्ध है, अर्थात संवाद का दायरा घर के बड़े पर्दे तक पहुंच गया है।

डेटा सुरक्षा पर कंपनी का भरोसा

Zoho ने स्पष्ट किया है कि अरट्टई पर कोई विज्ञापन नहीं होगा, डेटा किसी को नहीं बेचा जाएगा और भारतीय उपयोगकर्ताओं का डेटा भारत के सर्वरों (मुंबई, दिल्ली, चेन्नई) में ही रखा जाएगा। हालांकि फिलहाल टेक्स्ट चैट्स के लिए पूर्ण एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन लागू नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी का कहना है कि यह सुविधा जल्द ही जोड़ी जाएगी और इसके लिए एक सुरक्षा श्वेतपत्र जारी किया जाएगा। यह कदम डेटा पारदर्शिता की दिशा में एक मजबूत संकेत है, जो उपयोगकर्ताओं में विश्वास को और बढ़ाने में मदद कर सकता है।

भविष्य की दिशा: संवाद से भुगतान तक

खबरों के अनुसार Zoho अब 'Zoho Pay' नाम से UPI भुगतान सेवा भी लाने की तैयारी में है। यदि यह सेवा भविष्य में अरट्टई से जुड़ती है, तो ऐप चैट्स, मीटिंग्स और पेमेंट्स तीनों को एकीकृत अनुभव के रूप में पेश कर सकेगा। इससे अरट्टई सिर्फ चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि भारत का पहला संपूर्ण डिजिटल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म बन सकता है। हालांकि इसके साथ नई जिम्मेदारियां भी आएंगी- वित्तीय सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और नियामक पालन की।

Hike और Koo की यादें, पर एक नया सलीका

भारत ने इससे पहले भी स्वदेशी सोशल ऐप्स की लहर देखी है। Hike मैसेंजर और Koo जैसे प्लेटफॉर्म एक समय खासी चर्चा में रहे, पर समय के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के सामने कमजोर पड़ते गए और अंततः बंद हो गए। उनका अनुभव सिखाता है कि भावनाओं का ज्वार शुरुआत करा सकता है, पर स्थायित्व के लिए उपभोक्ताओं का भरोसा, दीर्घकालिक टिकाऊ बिजनेस मॉडल और निरंतर सुधार बेहद जरूरी हैं। Zoho के पास अनुभव और संसाधन हैं और यही अरट्टई की सफलता में सबसे बड़ी ताकत साबित हो सकते हैं।

डिजिटल परिपक्वता की मिसाल

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल "डिजिटल आत्मनिर्भरता" की बातें नहीं कर रहा, बल्कि उसे जी रहा है। यह दिखाता है कि भारतीय कंपनियां न सिर्फ तकनीकी रूप से सक्षम हैं, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने को भी तैयार हैं। भरोसा, सुरक्षा और निरंतर सुधार यही वे तीन स्तंभ हैं, जिन पर कोई भी डिजिटल मंच स्थायी बन सकता है। यदि अरट्टई इन तीनों कसौटियों पर खरा उतरा, तो यह केवल एक ऐप नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल आत्मविश्वास की पहचान बनेगा।

भरोसे से बनेगा स्वदेशी नवाचार का भविष्य

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई की सफलता यह साबित कर सकती है कि स्वदेशी नवाचार अब भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक और विश्वसनीय दिशा ले चुका है। यह ऐप भारत के डिजिटल भविष्य की उस कहानी का हिस्सा है, जहां आत्मनिर्भरता सिर्फ विचार नहीं, व्यवहार बन चुकी है।

रोचक किस्सा

पैरासेल्सस

पैरासेल्सस पुनर्जागरण काल के उन विलक्षण व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपने समय की सीमाओं से आगे बढ़कर ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किए। 16 वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में उन्होंने फेरारा विश्वविद्यालय से चिकित्सा में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की, जो उस दौर में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी। आज उन्हें आधुनिक विषविज्ञान का जनक कहा जाता है, परंतु उनका व्यक्तित्व इससे कहीं अधिक विस्तृत था। वे न सिर्फ एक प्रख्यात चिकित्सक थे, बल्कि वनस्पतिशास्त्र और गूढ़ विद्याओं के भी गंभीर अध्ययनकर्ता रहे। यही गूढ़ रुचियां, उन्हें कई ऐसे प्रयोगों की ओर ले गईं, जो आज हमें अविश्वसनीय प्रतीत होते हैं। उनके सबसे चर्चित विचारों में से एक था- होमुनकुलस की कल्पना। पैरासेल्सस का दावा था कि मनुष्य का वीर्य, यदि उसे उचित गर्मी प्रदान की जाए और मानव रक्त से पोषित किया जाए, तो उसमें एक सूक्ष्म मानव यानी होमुनकुलस विकसित किया जा सकता है। उन्होंने इस प्रक्रिया के कथित चरणों

को विस्तार से लिखा, ताकि कोई भी इच्छुक व्यक्ति इस "निर्माण" को आजमा सके। उनके अनुसार, लोककथाओं में वर्णित परियां, दैत्य और अन्य रहस्यमय जीव भी इसी प्रकार की प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न हुए होंगे। हालांकि उस युग में विज्ञान अभी विकसित हो ही रहा था, फिर भी पैरासेल्सस की यह अवधारणा अत्यंत विचित्र मानी जाती थी। वैज्ञानिक समझ की सीमाओं और गूढ़ विश्वासों की मिश्रित दुनिया में जन्मे ये विचार आज हमें और भी असंगत एवं कल्पनाप्रधान लगते हैं। बावजूद इसके, पैरासेल्सस जैसे विचारकों ने इतिहास को यह सिखाया कि ज्ञान की खोज कभी रैखिक नहीं होती। कभी-कभी अजीब प्रयोग ही भविष्य की वैज्ञानिक सोच की नींव तैयार कर जाते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

तारों की बदलती स्थितियां

पृथ्वी के अक्ष दोलन का अद्भुत प्रभाव

पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है। पृथ्वी के दोलन का काल 26 हजार वर्ष का है। पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है और इसका वर्तमान झुकाव 23.44 डिग्री है। दरअसल इन दिनों पृथ्वी के घूर्णन और दोलन में आए बदलाव के कारण माना जा रहा है कि हमारी राशियों में भी बदलाव आ चुका है। राशियों का विषय ज्योतिषियों का है और राशियों में बदलावों को लेकर दुनिया के कई देशों में इन दिनों जबरदस्त चर्चा चल रही है। बहरहाल इस आलेख का आधार ज्योतिष न होकर खगोलीय विज्ञान आधार है। पृथ्वी तथा अन्य खगोलीय पिंडों की गति के आधार पर तमाम कैलेंडर प्रचलित हैं, जिसमें प्राचीन भारत में शुरू 27 नक्षत्रों पर आधारित पंचांग भी है। इन सबसे परे खगोल विज्ञान वैज्ञानिक दृष्टि से तारों और नक्षत्रों की गणना व उनका अध्ययन करता है। नक्षत्रों की स्थिति में बदलाव पृथ्वी के अक्ष के दोलन और उसके झुकाव के कारण होता है। पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है अर्थात पूरे दोलन का काल 26 हजार वर्ष है।

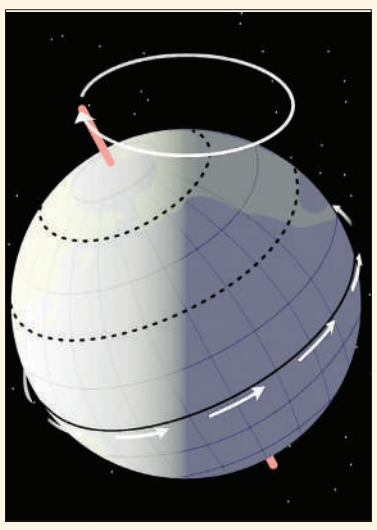

पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है। इसका एक उदाहरण मकर संक्रांति की तारीख में 14 से 15 जनवरी का बदलाव है। वर्तमान में यह झुकाव 23.44 डिग्री है और यह झुकाव धीरे-धीरे बदलता जाएगा। नक्षत्रों की अपनी परस्पर स्थिति में परिवर्तन हजारों-लाखों वर्ष में आता है। वर्तमान में पृथ्वी का झुकाव 23.44 डिग्री है, जिसे हम सब बचपन से 23.5 डिग्री सुनते आए हैं। पृथ्वी का अक्षीय झुकाव स्थिर नहीं रहता है और लगभग 41 हजार वर्षों के लंबे चक्र में 22.1 और 24.5 डिग्री के बीच दोलन करता रहता है। पृथ्वी के झुकाव में परिवर्तन की दर लगभग 46.8 आर्क सेकंड प्रति शताब्दी है। 25 शताब्दियों की गणना के अनुसार 1170 आर्क सेकेंड का अंतर यानी 0.325 डिग्री का अंतर आया है। 2500 वर्षों की अवधि में प्राकृतिक चक्र के कारण होने वाला बदलाव बहुत छोटा है, एक अंश मात्र भर है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

ध्रुव तारा भी नहीं है स्थिर

नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव कहते हैं कि ध्रुव तारे के एक स्थान पर स्थिर होने की कहानी हम सब जानते हैं, लेकिन पृथ्वी के झुकाव में बदलावों के कारण पृथ्वी के सापेक्ष वर्तमान में उत्तर में नजर आने वाला ध्रुव तारा भी स्थिर नहीं है। पृथ्वी के अक्षीय दोलन के कारण हजारों वर्ष पूर्व तथा भविष्य में कोई अन्य तारा पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव के ऊपर होगा और ऐसा भी समय होगा, जब कोई ध्रुव तारा नहीं होगा। 14000 वर्ष पूर्व तथा 11700 वर्ष भविष्य में वेगा नामक एक चमकदार तारा ध्रुव तारे का स्थान लेगा।

जंगल की दुनिया

तकाहे

दक्षिण द्वीप का तकाहे पक्षी, जो केवल न्यूजीलैंड में पाया जाता है, दुनिया की सबसे बड़ी जीवित रेल प्रजाति है। कभी इसे पूरी तरह विलुप्त मान लिया गया था, लेकिन 1948 में मर्चिसन पर्वतों में इसकी चमत्कारिक पुनर्खोज ने सभी को अचंभित कर दिया। आज इनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़कर 400 से थोड़ी अधिक हो गई है। यह उत्साहजनक वृद्धि एक विशेष और सुव्यवस्थित संरक्षण कार्यक्रम का परिणाम है, जो अभयारण्यों और प्राकृतिक आवास दोनों में इनकी आबादी को बढ़ाने में मदद कर रहा है।

हालांकि तकाहे का स्वरूप रेल परिवार की एक अन्य सामान्य प्रजाति पूकेको से मिलता-जुलता है, फिर भी नजदीक से देखने पर इनके बीच का अंतर स्पष्ट हो जाता है। पूकेको पतले होते हैं, उड़ सकते हैं और बहुत बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। इसके विपरीत, तकाहे अधिक भारी-भरकम होता है, उड़ानहीन होता है और इसके पंख गहरे, चमकीले नीले और हरे रंगों की इंद्रधनुषी आभा से भरपूर होते हैं, जो इसे देखने में बेहद आकर्षक बनाते हैं। इन सभी विशेषताओं के कारण तकाहे न केवल एक जैविक दुर्लभता है, बल्कि प्रकृति की दृढ़ता और पुनर्जीवन की अद्भुत क्षमता का जीवंत प्रतीक भी है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,632.68	26,192.15
बढ़त	446.21	139.50
प्रतिशत में	0.52	0.54

सोना 1,26,700
प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,58,000
प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छौंटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

बिजनेस ब्रीफ

आईटीसी ने सीएसई से अपने शेयर हटाए

नई दिल्ली। विविध कारोबार करने वाली कंपनी आईटीसी ने कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) से अपने शेयर को स्वेच्छा से हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। आईटीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि सीएसई ने 20 नवंबर 2025 से आईटीसी के साधारण शेयर को अपनी आधिकारिक एक्सचेंज सूची से स्वैच्छिक रूप से हटाने की मंजूरी दे दी है। यह ध्यान देने योग्य है कि कंपनी के शेयर, एनएसई और बीएसई पर अब भी सूचीबद्ध हैं।

आईपीओ से पैजसन एग्रो इंडिया जुटाएगा धन

नई दिल्ली। पैजसन एग्रो इंडिया ने एसएमई श्रेणी में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए बीएसई लिमिटेड से सैद्धांतिक मंजूरी मिलने की गुरुवार को जानकारी दी। आईपीओ दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार, यह 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 63.09 लाख से अधिक शेयर के नए निर्गम पर आधारित है। नए निर्गम से हासिल 57 करोड़ की शुद्ध आय का उपयोग आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में दूसरा काजू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

वैल्यू 360 को एसएमई आईपीओ की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। एकीकृत संचार कंपनी वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस लि. को एनएसई से अपने इक्विटी शेयरों को बाजार के एसएमई मंच...इमर्ज पर सूचीबद्ध कराने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। पब्लिक रिलेशन समेत संचार के अन्य कार्यों से जुड़ी कंपनी ने गुरुवार को कहा कि यह मंजूरी सभी नियामक आवश्यकताओं और जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करने पर निर्भर है।

केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- रुपये के लिए किसी भी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाया, डॉलर की मांग से गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ने रुपये के लिए किसी भी स्तर का लक्ष्य नहीं बनाया है और घरेलू मुद्रा में हाल में आई गिरावट की वजह डॉलर की मांग में तेजी है।

गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का काफी अच्छा भंडार है और बाह्य क्षेत्र को लेकर चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स में वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान में मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रणाली में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है और केंद्रीय बैंक जहां तक संभव हो, आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं सुरक्षा-व्यवस्था को बनाए रखते हुए विनियमनों को सरल बनाने का प्रयास कर रहा है।

● मल्होत्रा बोले- आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है

डॉलर के मुकाबले रुपये के अवमूल्यन से जुड़े सवाल पर उन्होंने विश्वास जताया कि भारत, अमेरिका के साथ एक अच्छा व्यापार समझौता करेगा और इससे देश के चालू खाता शेष पर दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रुपये का हालिया अवमूल्यन व्यापारिक गतिविधियों और अमेरिकी शुल्क मुद्दों के कारण है। मल्होत्रा ने कहा कि हम किसी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाते। रुपये में गिरावट क्यों आ रही है? ऐसा मांग के कारण है...यह एक वित्तीय साधन है। डॉलर की मांग है और यदि डॉलर की मांग बढ़ती है तो रुपये में गिरावट आती है। यदि रुपये की मांग बढ़ती है तो डॉलर में गिरावट आती है और रुपया मजबूत होता है। अमेरिकी मुद्रा में व्यापक मजबूती एवं अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की कम होती संभावनाओं के बीच रुपया गुरुवार को 23 पैसे टूटकर 88.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से जुड़े ब्योरे में दिसंबर में नीतिगत दर में कटौती न करने का संकेत मिलने के बाद डॉलर में तेजी आई है और यह 100 के स्तर के पार पहुंच गया। इससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में गवर्नर ने कहा कि जिस तरह से भारतीय बैंक प्रदर्शन कर रहे हैं, बहुत जल्द उनमें से कुछ शीर्ष 100 वैश्विक ऋणदाताओं में शामिल होंगे।

दुनिया की शीर्ष 100 बैंकों की सूची में जल्दी होंगे भारतीय बैंक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आर्थिक विस्तार और बैंकिंग प्रणाली में वृद्धि की गति को देखते हुए, भारत के और भी घरेलू बैंक जल्द ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में शामिल होंगे। मल्होत्रा ने छात्रों को बताया कि कहा कि आरबीआई भारत के कई बड़े बैंकों को वैश्विक सूची में शामिल नहीं कर सकता। जबकि इसमें उन्हें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र में कई बैंक हैं। जिस गति से वे बढ़ रहे हैं, मुझे लगता है कि यह केवल समय की बात है कि दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में हमारे कई बैंक शामिल होंगे। वर्तमान में, केवल भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में शामिल हैं। ये दोनों बैंक क्रमशः 43वें और 73वें स्थान पर हैं। इस महीने की शुरुआत में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में रिजर्व बैंक और वित्तीय संस्थानों के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा था कि यह मौजूदा बैंकों से नए बैंक बनाने से नहीं हो सकता... विलय भी एक रास्ता हो सकता है। सही मायने में आपको एक ऐसे परिवेश की जरूरत है जिसमें ज्यादा बैंक काम कर सकें और आगे बढ़ सकें। भारत में यह माहौल पहले से ही अच्छी तरह से स्थापित है, लेकिन मुझे और ज्यादा गतिशील होने की जरूरत है...।

अक्टूबर में स्थिर रहा आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी

● वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अक्टूबर में स्थिर रही। पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों, उर्वरक और इस्पात के उत्पादन में वृद्धि का असर कोयला और बिजली उत्पादन में गिरावट से जाता रहा। गुरुवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों... कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, बिजली, उर्वरक और इस्पात में सितंबर में 3.3 और अक्टूबर 2024 में 3.8% की वृद्धि हुई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक के अनुसार, कोयला उत्पादन में 8.5, बिजली उत्पादन में 7.6 और प्राकृतिक गैस उत्पादन में 5% की गिरावट आई। अक्टूबर में कच्चे तेल का उत्पादन सालाना आधार पर 1.2% घटा। दूसरी ओर, अक्टूबर में पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन सालाना आधार पर 4.6, उर्वरक उत्पादन 7.4, इस्पात 6.7 और सीमेंट 5.3% की दर से बढ़ा। अक्टूबर में स्थिर वृद्धि से चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान आठ बुनियादी उद्योगों की संचयी वृद्धि दर 2.5% पर आ गई जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.3% थी। आठ बुनियादी ढांचा उद्योगों का उत्पादन पिछले एक साल में पहली बार स्थिर रहा है। इस वृद्धि दर का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के जरिये मापे जाने वाली देश के औद्योगिक उत्पादन वृद्धि पर प्रभाव पड़ता है। इसका कारण इन प्रमुख उद्योगों का सूचकांक के भारांश में 40.27% हिस्सेदारी है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि अधिक वर्षा ने अक्टूबर में खनन गतिविधियों और बिजली की मांग को प्रभावित किया।

खाद्यान्न उत्पादन 8% बढ़कर 35.77 करोड़ टन पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में खाद्यान्न उत्पादन फसल वर्ष 2024-25 में 8% बढ़कर रिकॉर्ड 35.77 करोड़ टन हो गया। गुरुवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी। फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) में खाद्यान्न उत्पादन 33.23 करोड़ टन रहा था।

फसल वर्ष 2024-25 के लिए खाद्यान्न उत्पादन के अंतिम अनुमान जारी करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन किसानों के प्रयासों और उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और खरीद सहित सरकारी नीतियों का नतीजा है। अंतिम अनुमान के अनुसार, गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.79 करोड़ टन रहा, जबकि गत वर्ष यह 11.33 करोड़ टन था। चावल बढ़कर रिकॉर्ड 15.02 करोड़ टन हो गया। मोटे अनाज 5.69 करोड़ टन से बढ़कर 6.39 करोड़ टन हो गया। दालें बढ़कर 2.57 करोड़ टन हो गया जो 2023-24 में 2.42 करोड़ टन था। गैर-खाद्यान्न श्रेणी में, तिलहन 3.97 करोड़ टन से बढ़कर 4.30 करोड़ टन हो गया। नकदी फसलों में, गन्ना 45.46 करोड़ टन रहा। कपास का उत्पादन घटकर 2.97 करोड़ गांठ (एक गांठ-170 किग्रा) रहा, जबकि गत वर्ष यह 3.25 करोड़ गांठ था।

चौहान ने कहा कि दस वर्षों में देश का खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 35.77 करोड़ टन हो गया। मंत्री ने भविष्य की रणनीतियों पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया।

● केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे किसानों का प्रयास व एमएसपी का नतीजा बताया

बाजार में दूसरे दिन भी रही तेजी, सेंसेक्स व निफ्टी मजबूत

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही। वैश्विक स्तर पर मजबूत रुख के बीच तेल एवं गैस तथा चुनिंदा वित्तीय कंपनियों के शेयरों में लिवाली तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से बीएसई सेंसेक्स 446 अंक चढ़ गया, जबकि निफ्टी 139 अंक मजबूत हुआ।

बीएसई सेंसेक्स 446.21 अंक चढ़कर 85,632.68 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 139.50 अंक की बढ़त के साथ 26,192.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस और फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और एक्सिस बैंक लाभ में रही। वहीं, नुकसान में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टाइटन और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 0.17 प्रतिशत और मिडकैप में 0.13 प्रतिशत की गिरावट आई।

बाजार में तेजी का कारण होते हैं कई कारक

गत कई दिनों से भारतीय शेयर बाजार में तेजी का दौर जारी है, आखिरकार बाजार में इतनी तेजी क्यों बनी हुई है, इसका कारण क्या है यह निवेशकों के बीच चर्चा का कारण बना हुआ है। सेंसेक्स और निफ्टी में गत एक वर्ष के दौरान काफी तेजी देखी गई है, जिससे बाजार में उत्साह बना हुआ है और निवेशकों का मनोबल भी ऊंचा है। लेकिन इन सबके बीच सावधानी की जरूरत भी बढ़ गई है। दरअसल, बाजार में तेजी सिर्फ एक कारण से नहीं आती, बल्कि कई आर्थिक, वैश्विक और क्षेत्रवार कारकों का एक साथ मजबूत होना इसका कारण बनाकर बाजार को मजबूती देते हैं। इनमें विदेशी निवेश का लौटना, आईटी और बैंकिंग जैसे बड़े सेक्टरों में खरीदारी का बढ़ना और भविष्य की आर्थिक स्थिति को लेकर सकारात्मक उम्मीदें ये सब बाजार में दमदार मोमेंटम देते हैं। इससे बाजार में बढ़त की स्थिति बनी हुई है।

हाल की तेजी कई कारकों से

भारतीय शेयर बाजार में हाल के दिनों में दिखी तीव्र तेजी कई कारकों का संयुक्त परिणाम है। पहला बड़ा कारण है मुख्य सेक्टरों में खरीदारी। आईटी, बैंकिंग, ऑटो और कंज्यूमर सेक्टर में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है, जिससे बाजार को आधार मिला। आईटी कंपनियों के बेहतर नतीजों और डॉलर स्थिरता ने निफ्टी-आईटी इंडेक्स को ऊपर धकेला, जबकि बैंकिंग सेक्टर में क्रेडिट ग्रोथ सुधारने से सेंसेक्स को मजबूती मिली।

आर्थिक संकेतकों में सुधार

तीसरा कारक है आर्थिक संकेतकों में सुधार। औद्योगिक उत्पादन में बढ़ोतरी, जीएसटी संग्रह में मजबूती और त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने की संभावना ने बाजार में सकारात्मक भावना पैदा किए। निवेशक भविष्य को लेकर आशावादी हैं, जिससे तेजी दिख रही है।

मोमेंटम और शॉर्ट कवरिंग

एक अन्य प्रभावी कारण है मोमेंटम और शॉर्ट कवरिंग। जब बाजार लगातार ऊपर जाता है, तो तकनीकी रूप से शॉर्ट पोजीशन वाले निवेशकों को मजबूरन अपनी पोजीशन बंद करनी पड़ती है। इससे अतिरिक्त खरीदारी होती है और बाजार और तेजी पकड़ लेता है। इसी के साथ, एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग और तेज गति वाले ट्रेडर्स भी इस तेजी को और बढ़ावा देते हैं।

निवेश प्रवाह हुआ और मजबूत

अमेरिकी बाजारों में स्थिरता, कच्चे तेल की सीमित कीमतें और वैश्विक आर्थिक तनावों में राहत भी भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक रही है। भारत को उभरते बाजारों में सबसे स्थिर और आकर्षक अर्थव्यवस्था माना जा रहा है, जिससे निवेश प्रवाह और मजबूत हुआ है।

विदेशी और घरेलू निवेशकों का रुख

दूसरा महत्वपूर्ण कारण है विदेशी निवेशकों (एफआईआई) का रुख बदलना। बीते महीनों में जहां वे बिकवाल थे, वहीं अब वैश्विक जोखिमों में कमी और स्थिर ब्याज दरों की उम्मीद से वे फिर से खरीदारी कर रहे हैं। भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था, स्थिर राजनीतिक माहौल और बेहतर कॉर्पोरेट आय ने विदेशी निवेश को आकर्षित किया है। घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) भी लगातार खरीदारी कर रहे हैं, जिससे बाजार को दोतरफा समर्थन मिल रहा है।

व्यय के रिकॉर्ड को समान वर्गीकरण व्यवस्था अपनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने केंद्र और सभी राज्यों से सरकारी खर्चों को दर्ज करने के लिए मानक श्रेणियों का उपयोग शुरू करने को कहा है। इसका मकसद वित्त वर्ष 2027-28 तक पूरे देश में लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाना है। कैग का यह कदम व्यय मदों को अलग-अलग दिखाने को लेकर राज्यों के बीच व्यापक अंतर को दूर करने का प्रयास है।

उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सरकारी लेखा) और चेयरपर्सन (जीएएसएबी) जयंत सिन्हा ने कहा कि यह मामला कई पक्षों का ध्यान आकर्षित कर रहा था। साथ ही विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ-साथ केंद्र सरकार के साथ तुलना को भी प्रभावित कर रहा था। कैग ने अलग-अलग स्तर पर व्यय मदों की एक सामान्य सूची अधिसूचित की है। इसे सामान्य तौर पर विभिन्न श्रेणियों में व्यय कहा जाता है। आर्थिक प्रकृति के व्यय को अलग दिखाने में व्यापक विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ केंद्र सरकार के साथ तुलनाओं को भी प्रभावित करती है। अतः, केंद्र और राज्य सरकारों के व्यय के वर्गीकरण के मानकीकरण की जरूरत महसूस की गई है।

कैग कार्यालय द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया के तहत, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, कुछ राज्य सरकारों, लेखा महानियंत्रक और रक्षा लेखा महानियंत्रक के अधिकारियों को लेकर एक कार्यसमूह का गठन किया गया। कैग के कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है, कार्यसमूह की सिफारिशों और इस मुद्दे पर वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, भारत सरकार के साथ बातचीत के आधार पर, यह निर्णय लिया गया है कि केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों पर लागू एक समान व्यय मदों की संरचना लागू की जा सकती है। इसमें कहा गया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा लागू की जाने वाली सामान्य मदों की संशोधित सूची को तैयारियों के स्तर को ध्यान में रखते हुए अपनाया जा सकता है। तरजीही रूप से वित्त वर्ष 2027-28 से प्रभावी होना चाहिए।

● केंद्र और राज्यों से लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाने की कैग ने दी सलाह

सिन्हा ने कहा कि व्यय के वस्तु मदों को सुसंगत बनाने वाली कैग की अधिसूचना राज्यों के बजट और लेखा ढांचे को प्रभावित करने वाले दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करेगी और राष्ट्रीय सार्वजनिक व्यय क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार होगा। विशेष रूप से राज्यों में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करना कैग की रणनीतिक योजना का एक प्रमुख हिस्सा है। उच्च गुणवत्ता वाले लेखा परीक्षण और लेखांकन के माध्यम से जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देने और सभी हितधारकों को स्वतंत्र आश्वासन प्रदान करने के कैग के मिशन का अभिन्न अंग है।

कृषि क्षेत्र 10 साल में 4% की वृद्धि बनाए रख सकता है : नीति सदस्य

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने गुरुवार को कहा कि भारत का कृषि क्षेत्र 10 साल में आसानी से 4% की वृद्धि दर बनाए रख सकता है। उन्होंने साथ ही देश की गोदाम अवसंरचना को बेहतर बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

उद्योग निकाय पीएचडीसीसीआई के कार्यक्रम में चंद ने कहा कि कृषि उत्पादों की मांग 2.5% की दर से बढ़ेगी। इसलिए, मुझे लगता है कि हम 10 साल में कृषि क्षेत्र में इस 4% की वृद्धि को आसानी से बनाए रख सकते हैं। भारत के कृषि क्षेत्र ने 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान 3.7% की वृद्धि दर्ज की। चंद ने कहा, हमारे कृषि उत्पादों की मांग उस दर से नहीं बढ़ रही है। इन उत्पादों का इस्तेमाल उद्योग के लिए करें, या निर्यात बाजार के लिए करें।

26 ई-कॉमर्स मंचों ने की डार्क पैटर्न से मुक्त होने की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

● कंपनियों ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र किए प्रस्तुत

देश की 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने उनके मंचों के 'डार्क पैटर्न' से मुक्त होने की घोषणा की। सरकार ने गुरुवार को यह जानकारी दी। डार्क पैटर्न अनुचित व्यापार व्यवहार है।

सरकार, उपभोक्ताओं को गुमराह करने या उनसे छल करने वाली प्रथाओं पर रोक के प्रयास कर रही है। इन 26 ई-कॉमर्स मंचों में जेप्टो, जोमैटो, स्विगी, जियोमार्ट और बिगबास्केट शामिल हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने कहा कि 26 ई-कॉमर्स मंचों ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए जो डार्क पैटर्न की रोकथाम एवं विनियमन, 2023 के निर्देशों के अनुपालन की पुष्टि करते हैं। डार्क पैटर्न भ्रामक यूजर इंटरफेस के जरिये ऑनलाइन मंचों के उपयोगकर्ताओं को धोखा देने या हेरफेर करने का तरीका है। ये लोगों को वेबसाइट एवं ऐप पर जानबूझकर ऐसे प्रारूपों में फंसाता है जिससे उपयोगकर्ता भ्रमित हो जाएं और ऐसा कदम उठाएं जो उनके हित में न हो। इनमें कई तरह की हेराफेरी की प्रथाएं शामिल हैं जैसे भ्रामक विज्ञापन, प्रलोभन व धोखा, झूठी तात्कालिकता आदि। विभाग उपभोक्ताओं को गुमराह करने या उनके साथ छेड़छाड़ करने वाली भ्रामक ऑनलाइन प्रथाओं पर अंकुश लगाने के प्रयास कर रहा है। इन 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने 'डार्क पैटर्न' की किसी भी उपस्थिति की पहचान, आकलन और उन्मूलन के लिए आंतरिक रूप से स्वयं तथा अन्य पक्ष से 'ऑडिट' कराए हैं।

भारतीय कंपनियों को अन्य बाजारों तक पहुंच बनाने में सक्षम बनाता है अबू धाबी

मुंबई, एजेंसी

अबू धाबी-भारत की उपलब्धियों में असीम संभावनाएं

अबू धाबी आर्थिक विकास विभाग के चेयरमैन अहमद जसीम अल जाबी ने गुरुवार को कहा कि भारतीय कंपनियां अबू धाबी में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं, जिससे उन्हें पश्चिम एशिया, अफ्रीका और उससे आगे के प्रमुख बाजारों तक पहुंचने में मदद मिली है। अल जाबी ने सीआईआई-एडीएफ शिखर सम्मेलन में कहा कि अमीरात केवल लेन-देन के संबंधों के बजाय साझेदारी में विश्वास करता है।

अल जाबी अबू धाबी के अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय केंद्र व मुक्त आर्थिक क्षेत्र, अबू धाबी ग्लोबल मार्केट (एडीजीएम) के चेयरमैन भी हैं। उन्होंने कहा, भारत हमेशा से हमारी वृद्धि का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। यह भूमिका अबू धाबी के दृष्टिकोण में उसके विश्वास को दर्शाती है। भारतीय कंपनियां 2019 और 2024 के बीच 38.4% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ अबू धाबी में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। वे पश्चिम एशिया, अफ्रीका और उससे आगे के प्रमुख बाजारों तक पहुंचने में पहले से कहीं अधिक सक्षम हैं। भारत को उसकी ऊर्जा, प्रतिभा एवं महत्वाकांक्षा के लिए पूरे विश्व को प्रेरित करने वाला देश बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच भौगोलिक निकटता हमेशा मानचित्र पर दो बिंदुओं से अधिक रही है।

अबू धाबी-भारत की उपलब्धियों में असीम संभावनाएं

अल जाबी ने कहा कि भारत में अबू धाबी का निवेश विश्वास एवं साझा महत्वाकांक्षा वाली संस्थाओं की साझेदारी को दर्शाता है, जैसे कि अबू धाबी निवेश प्राधिकरण, मुबाडाला इन्वेस्टमेंट कंपनी, सॉवरेन वेल्थ फंड एडीक्यू और अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी आदि जो भारत के वृद्धि क्षेत्रों में पूंजी तथा विशेषज्ञता का उपयोग कर नौकरियां उत्पन्न कर रहे हैं, उद्योगों का निर्माण कर रहे हैं और नवाचार को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, अबू धाबी में, हम व्यवसायों को शुरू करने, विस्तार करने और सफल होने में सक्षम बनाते हैं। हम उद्यमों को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों से जोड़ते हैं। हम लेन-देन वाले रिश्तों में नहीं, बल्कि साझेदारी में विश्वास करते हैं और हम अबू धाबी और भारत की संयुक्त उपलब्धियों में असीम संभावनाएं देखते हैं। अबू धाबी वर्तमान में भारतीयों सहित लगभग 200 देशों के लोगों का घर है जो इसकी प्रगति और समृद्धि का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। भारतीय उद्यमियों, निवेशकों, नवप्रवर्तकों और पेशेवरों को अबू धाबी में सफलता मिली है।

एफटीए इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के साथ भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन को केंद्रीय मंत्री ने किया संबोधित

भारत में इजरायली कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर : गोयल

तेल अवीव, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के काफी अवसर हैं और दोनों देशों के उद्योग बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं।

गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों में वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, औषधि, अंतरिक्ष और रक्षा शामिल हैं। उन्होंने इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के साथ भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन में कहा कि दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं हैं। यह पहली बार है जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इजराइल की यात्रा पर है। गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और कंपनी प्रमुखों से मिलेंगे। मंत्री ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं जो भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं। इनमें लोकतंत्र, जनसंख्या संबंधी लाभांश, डिजिटलीकरण, तेज गति विकास और निर्णायक नेतृत्व हैं। भारत निवेशकों के अनुकूल और व्यापार के लिए एक भरोसेमंद माहौल प्रदान करता है। यह दोनों पक्षों की कंपनियों के लिए काफी अवसर प्रदान करता है। बरकत ने कहा कि भारतीय बुनियादी ढांचा कंपनियां यहां आकर बोली लगा सकती हैं। भारत-पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) भी सहयोग बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। एक अग्रणी पहल के रूप में प्रस्तुत, आईएमईसी का उद्देश्य सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सड़क, रेलमार्ग और पोत परिवहन नेटवर्क स्थापित करना है ताकि एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम के बीच एकीकरण सुनिश्चित हो सके। सितंबर, 2023 में दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान आईएमईसी पहल को अंतिम रूप दिया गया था। इजराइल को भारत का निर्यात 2024-25 में 52 प्रतिशत घटकर 2.14 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले 4.52 अरब डॉलर था। आयात भी 26.2 प्रतिशत घटकर 1.48 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया।

भारत, इजराइल ने वार्ता के लिए नियम-शर्तों पर किए हस्ताक्षर

तेल अवीव। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और इजराइल ने मुक्त व्यापार समझौते पर औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने के लिए बृहस्पतिवार को नियम-शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए। टीओआर में शुल्क और गैर-शुल्क रुकावटों को खत्म करके वस्तुओं के लिए बाजार पहुंच, निवेश, ग्राहक संतुष्टि, नवाचार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए सहयोग बढ़ाना शामिल है। इसमें सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नियमों को आसान बनाना भी शामिल है। गोयल ने कहा कि हमने आज टीओआर पर हस्ताक्षर किए हैं। अब हम जल्द ही बातचीत शुरू करने के लिए तारीख को अंतिम रूप देंगे। गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और व्यवसायियों से मिलेंगे। टीओआर पर गोयल और इजराइल के आर्थिक मामलों एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत ने हस्ताक्षर किए। गोयल ने कहा कि इजराइली पक्ष ने बताया कि वे डेयरी, चावल, गेहूं और चीनी जैसे क्षेत्र में बाजार पहुंच की मांग नहीं करेंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

ट्रंप ने किए एपस्टीन की फाइलें जारी करने के विधेयक पर हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए, जो उनके प्रशासन को यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइल सार्वजनिक करने के लिए बाध्य करता है। ट्रंप ने लंबे समय तक इसका विरोध किया था लेकिन अंततः अपनी ही पार्टी के राजनीतिक दबाव के आगे झुक गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस विधेयक पर हस्ताक्षर करने की घोषणा करते हुए लिखा, डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन मुद्दे का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि हमारी अद्भुत सफलताओं से ध्यान भटकाया जा सके। अब इस विधेयक के तहत न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़ी सभी फाइल, संचार और 2019 में एक संघीय जेल में उसकी मौत की जांच से संबंधित जानकारी 30 दिन के भीतर जारी करनी होगी।

भारत-पाकिस्तान की नौसेना के जहाज कोलंबो बंदरगाह पहुंचे

कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सुकन्या 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' के लिए कोलंबो बंदरगाह पहुंच चुका है। 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' का अर्थ उस प्रक्रिया से है जिसमें किसी जहाज को अभियानगत कार्यों को पूरा करने के बाद फिर तैयार किया जाता है, ताकि वह आगे की यात्रा या मिशन के लिए पुनः उपयोग में लाया जा सके। आईएनएस सुकन्या मंगलवार को कोलंबो पहुंचा, जहां श्रीलंका की नौसेना ने परंपराओं के मुताबिक उसका स्वागत किया। आईएनएस सुकन्या कमांडर संतोष कुमार वर्मा की कमान में कोलंबो पहुंचा। इस जहाज की लंबाई 101 मीटर है। इस बीच, उसी दिन ईंधन भरवाने के लिए श्रीलंका पहुंचा पाकिस्तानी नौसेना का जहाज सैफ बुधवार को रवाना हो गया।

दक्षिण कोरिया में 267 यात्रियों को ले जा रहा जहाज समुद्र में फंसा

सोल। दक्षिण कोरिया के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में बुधवार को 267 यात्रियों को ले जा रहा एक यात्री जहाज फंस गया। समाचार एजेंसी योनहास के मुताबिक स्थानीय समयानुसार कल रात 8:17 बजे (1117 जीएमटी) तट रक्षक बल को सूचना मिली कि 246 यात्रियों और 21 चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रहा जहाज राजधानी सोल से लगभग 310 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में सिनान काउंटी के एक द्वीप के पास फंस गया है। यह जहाज दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप जेजू से रवाना होकर दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह शहर मोकपो की ओर जा रहा था।

प्रतिबंध लागू होने से पहले अपना डेटा सुरक्षित कर लें सभी किशोर

- ऑस्ट्रेलिया में 10 दिसंबर से शुरू होगा सोशल मीडिया पर प्रतिबंध

मेलबर्न। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा ने बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया के हजारों किशोर उपयोगकर्ताओं को दो हफ्तों में अपनी डिजिटल 'हिस्ट्री' डाउनलोड करने तथा फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स से अपना खाता हटाने की चेतावनी भेजनी शुरू कर दी है। यह कदम दुनिया में पहली बार लागू होने वाले उस सोशल मीडिया प्रतिबंध से पहले उठाया गया है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के खाते बंद किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने दो सप्ताह पहले घोषणा की थी कि मेटा के तीनों मंचों फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स के साथ ही स्नैपचैट, टिकटॉक, एक्स और यूट्यूब को भी 10 दिसंबर से 16 वर्ष से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई खाता धारकों को हटाने के लिए कदम उठाने होंगे।कैलिफोर्निया स्थित मेटा ने बृहस्पतिवार को किशोर खाता धारकों को एसएमएस और ईमेल भेजकर चेतावनी दी कि चार दिसंबर से संदिग्ध नाबालिग उपयोगकर्ताओं की इन मंचों तक पहुंच रोक दी जाएगी। मेटा ने एक बयान में कहा, 'हम आज से प्रभावित किशोरों को सूचित करना शुरू कर रहे हैं ताकि वे अपने संपर्कों और यादों को सुरक्षित कर सकें।' मेटा ने यह भी कहा कि इस अवधि में किशोर उपयोगकर्ता अपनी संपर्क जानकारी अपडेट कर सकते हैं ताकि 16 वर्ष के होने पर वे अपना खाता पुनः सक्रिय करा सकें।

सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा

दुनिया की प्रमुख चिकित्सा पत्रिका लैंसेट में प्रकाशित एक ताजा रिसर्च में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते खतरों के प्रति आगाह किया गया है। दुनिया के जाने-माने चिकित्सा विशेषज्ञों की रिसर्च पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते उपयोग की वजह से दुनिया भर में मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, अवसाद और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। युवावस्था में हृदय की बीमारियां और हार्ट अटैक के पीछे भी अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की प्रमुख भूमिका है। लैंसेट में प्रकाशित रिपोर्ट में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के लगातार बढ़ते खतरों पर सरकारों की गैरजिम्मेदारी का भी प्रमुखता से उल्लेख है जो खतरों की जानकारी होने के बावजूद निहित स्वार्थों की वजह से अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पर कोई भी पाबंदी लगाने या नीति बनाने में गंभीरता नहीं दिखातीं।

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

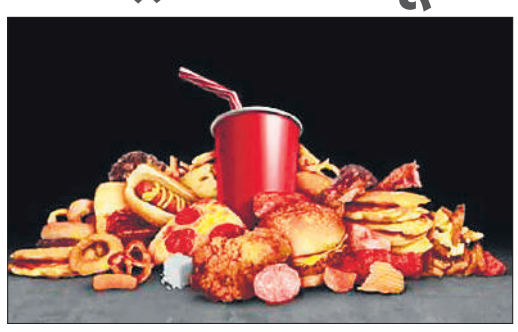

भारत में कितना बड़ा खतरा

- मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, अवसाद जैसी तमाम गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। समय से पहले मृत्यु का भी जोखिम काफी बढ़ा है।
- पुरुषों में मोटापे का प्रतिशत 12% से 23% और महिलाओं में 15% से 24% तक बढ़ा है। मोटापे की वजह से भी बीमारियां शिकार बना रही हैं।
- शरीर में सूजन को बढ़ाते हैं, जिससे कैंसर, टाइप-2 डायबिटीज और किडनी से संबंधित गंभीर बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है।
- दुनिया में भारत जैसे देश इन उत्पादों के लिए बड़े बाजार बन गए हैं, और ये देश वैश्विक व्यापार समझौते भी प्रतिबंधों को मुश्किल बनाते हैं।

चिकित्सा विशेषज्ञों के सरकार को सुझाव

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के सेवन को कम करने और लोगों की पारंपरिक, कम प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की ओर वापसी को बढ़ावा देने के लिए सरकारों को कड़े स्वास्थ्य नीतिगत कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट में स्वास्थ्य और पोषण नीति निर्धारकों को हालात बेकाबू होने की भी चेतावनी दी गई है।

बच्चों के लिए ज्यादा गंभीर

- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में एक्स्ट्रा नमक, चीनी, खराब तेल, आर्टिफिशियल रंग, फ्लेवर, प्रिजर्वेटिव्स तथा एडिटिव्स शामिल होते हैं।
- लैंसेट की रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा है कि ये घटक बच्चों की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास को प्रभावित करते हैं।
- लगातार सेवन से कुपोषण, माइक्रोन्यूट्रिएंट की कमी, मोटापा, आंतों के असंतुलन, नींद की समस्या, डिप्रेशन जैसे जोखिम बढ़ते है।

सरकारें क्यों बेपरवाह

- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड बनाने वाली कंपनियां बड़ा आर्थिक योगदान करती हैं जिसकी वजह से सरकारें प्रतिबंध लगाने से हिचकिचाती हैं।
- बड़ी खाद्य कंपनियां अपनी पहुंच और आर्थिक शक्ति का उपयोग लॉबिंग के लिए करती हैं, जिससे सरकारी नीतियां प्रभावित होती हैं।

बढ़ता कारोबार

- भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की सेल 2006 से 2019 तक लगभग 40 गुना बढ़ गई है और इन वर्षों में 0.9 बिलियन डॉलर से बढ़कर 38 बिलियन डॉलर हो गई है।
- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में बहुत अधिक स्वाद और कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जाता है, जो बच्चों को खासतौर पर लुभाते हैं।
- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड उत्पाद सुविधाजनक हैं, क्योंकि इन्हें बनाना नहीं पड़ता और ये आसानी से हर जगह उपलब्ध होते हैं।
- भारत जैसे देशों में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड ताजे और स्वस्थ भोजन की तुलना में सस्ते होते हैं। लोग इस कारण भी इन्हें खरीदते हैं।
- आकर्षक और रंगीन पैकेजिंग के साथ भ्रामक दावों के साथ उत्पादों की मार्केटिंग की जाती है। लोग इनके पीछे छिपे स्वास्थ्य खतरों को नहीं समझ पाते।

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन

सीओपी 30 में भारत ने रखा पक्ष, कहा- उत्सर्जन न्यूनीकरण में ये ढांचा सफल

बेलेम (ब्राजील), एजेंसी

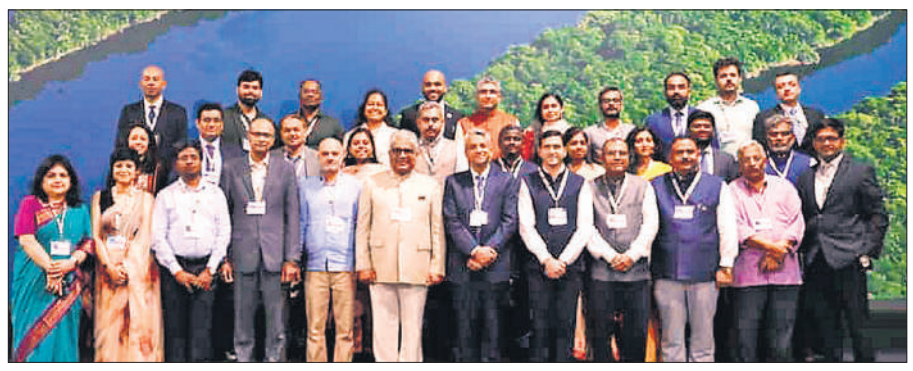

ब्राजील के बेलेम में आयोजित सीओपी 30 सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अगुवाई में पहुंचा भारतीय दल।

भारत ने कहा कि संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र (जेसीएम) वैश्विक स्तर पर न्यायसंगत एवं व्यापक जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरा है। यह उन्नत निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है और भारत के उत्सर्जन लक्ष्यों को समर्थन दे सकता है।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि यहां सीओपी 30 के इतर 11वें जेसीएम साझेदार देशों की बैठक में कहा, जेसीएम जैसे तंत्र जलवायु कार्रवाई को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं विशेषकर विकासशील देशों के हितों को भी समर्थन देते हैं। जेसीएम जैसे सहयोगी ढांचे भारत की तरह देशों की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप वैश्विक उत्सर्जन न्यूनीकरण प्रयासों को मजबूत करते हैं।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जेसीएम अनुच्छेद 6 के सहयोगात्मक ढांचे के अनुरूप है और सरकारों तथा निजी क्षेत्र को संयुक्त रूप से उत्सर्जन-न्यूनन परियोजनाएं विकसित करने, वित्त जुटाने, उन्नत तकनीक लागू करने और उत्सर्जन कटौती को पारदर्शी ढंग से आवंटित करने का मार्ग प्रदान करता है। भूपेंद्र यादव ने सभी देशों से जेसीएम को पारदर्शी, प्रभावशाली और न्यायसंगत जलवायु साझेदारी का मॉडल बनाने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन के अंतर्गत होने वाले वार्षिक सीओपी30 में 190 से अधिक देशों के वार्ताकार भाग ले रहे हैं। सीओपी30 का आयोजन ब्राजील के अमेजन क्षेत्र के बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक हो रहा है।

जेसीएम में 31 देश साझीदार, 280 परियोजनाएं

सत्र की अध्यक्षता करने वाले जापान के पर्यावरण मंत्री हिरोताका इशिहारा ने बताया कि जेसीएम अब 31 साझेदार देशों तक विस्तृत हो गया है और पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के तहत 280 से अधिक परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। जापान का लक्ष्य है कि इस सहयोग को दीर्घकालिक निवेश, क्षमता निर्माण और लचीलापन परियोजनाओं के माध्यम से और बढ़ाया जाए। भारत और जापान ने इस वर्ष अगस्त में जेसीएम पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। जेसीएम एक तंत्र है जिसमें भारत और जापान जैसे देश मिलकर कम-कार्बन तकनीक वाली परियोजनाएं लगाते हैं। इन परियोजनाओं से होने वाली उत्सर्जन कमी को दोनों देश क्रेडिट के रूप में बांटते हैं ताकि अपने-अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा कर सकें। यह स्वच्छ तकनीक, निवेश और सहयोग को बढ़ावा देता है।

लूला के साथ जीवाश्म ईंधन के खात्मे पर चर्चा

बेलेम। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन जरूरी मुद्दों पर चर्चा की जिन पर वार्ताकार अंतिम रूपरेखा तैयार करने के लिए गहन चर्चा कर रहे हैं। दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन पर एक संभावित रूपरेखा को लेकर चर्चा की और पता लगाया कि क्या इस शिखर सम्मेलन में इससे जुड़ा कोई खाका पेश किया जा सकता है। राष्ट्रपति सीओपी30 में इस विषय पर काफी जोर दे रहे हैं। बंद कमरे में हुई यह बैठक करीब 20 मिनट चली और इस बातचीत के दौरान दोनों तरफ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अमेरिका में कुशल प्रवासियों का स्वागत, इस पर आलोचना झेलने को तैयार : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ऐसे कुशल प्रवासियों का देश में स्वागत करेंगे जो अमेरिकी श्रमिकों को चिप और मिसाइल जैसे जटिल उत्पाद बनाने की तकनीक सिखाएंगे। ट्रंप ने यह भी माना कि इस मुद्दे पर उन्हें अपने उस समर्थक वर्ग से थोड़ी आलोचना झेलनी पड़ सकती है, जो कड़ी आव्रजन पाबंदियों का समर्थन करता है।

ट्रंप ने बुधवार को अमेरिका-सऊदी अरब निवेश मंच को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में बड़ी संख्या में संयंत्र बन रहे हैं जिनमें कई बेहद जटिल कार्यों से जुड़े हैं और वे देश की आर्थिक वृद्धि में बड़ा योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि इन संयंत्रों में टेलीफोन, कंप्यूटर और मिसाइल जैसे अत्यधिक जटिल उत्पाद बनाए जाएंगे इसलिए कंपनियों को विदेशों से कुशल कर्मियों को लाना होगा जो अमेरिकी श्रमिकों को प्रशिक्षण दे सकें।

नेपाल: जेन जी फिर आक्रामक बारा जिले में दोबारा लगा कर्फ्यू

काठमांडू, एजेंसी

- ओली की पार्टी के कार्यकर्ताओं से झड़प में 10 घायल, आगजनी और गोलीबारी भी हुई

नेपाल के एक जिले में बृहस्पतिवार को उस समय नए सिरे से तनाव पैदा हो गया, जब जेन जी के युवाओं की अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी के सदस्यों के साथ झड़प में 10 लोग घायल हो गए। इसके बाद अधिकारियों को भारत की सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फिर से कर्फ्यू लगाना पड़ा।

'काठमांडू पोस्ट' की अखबार के अनुसार, बारा जिले के सिमारा चौक पर उस समय तनाव बढ़ गया जब युवक ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के साथ झड़प के एक दिन बाद सड़कों पर लौट आए। उन्होंने पुलिस पर बुधवार की झड़पों को लेकर अपनी शिकायत में नामित व्यक्तियों को गिरफ्तार नहीं करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी पूर्वाह्न 11 बजे से सिमारा चौक पर एकत्र हुए। बारा में प्रशासन ने जान-माल के संभावित नुकसान को रोकने के लिए दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू लगा दिया था। समाचार पोर्टल 'खबरहब' के अनुसार, हालांकि, निषेधाज्ञा लागू नहीं हो पाई और प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और पुलिस से भिड़ गए।

प्रदर्शनकारियों द्वारा कर्फ्यू का उल्लंघन किए जाने और आगे बढ़ने पर अधिकारियों ने आंसू गैस के छह गोले दागे और हवा में दो चक्र गोलियां चलाईं।कहा गया, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर पथराव भी किया, जिसमें छह पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि जेन जी के चार प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की खबर है। पोर्टल के अनुसार, एक अलग घटना में, जेन जी के प्रदर्शनकारियों ने सिमारा बाजार में पुलिस चौकी में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने यूएमएल कार्यालय का सामान भी हटा दिया और उसे आग लगा दी। उन्होंने पुलिस पर पहले हुई झड़पों में शामिल यूएमएल कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने में आनाकानी करने का आरोप लगाया।

350% टैरिफ लगाने की धमकी दी तो मोदी-शरीफ ने मुझे किया फोन

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- ट्रंप ने एक बार फिर किया भारत पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का दावा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने भारत एवं पाकिस्तान को 350 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी देकर उनके बीच जारी हमलों को रुकवाया था और इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके कहा था कि 'हम युद्ध नहीं करेंगे।' ट्रंप अब तक 60 से अधिक बार इस दावे को दोहरा चुके हैं कि उन्होंने इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव शांत करने में मदद की जबकि भारत किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के दावे को लगातार नकारता रहा है।

ट्रंप ने बुधवार को कहा, ...मैं झगड़े सुलझाने में अच्छा हूं और हमेशा से ऐसा रहा हूं। मैंने पिछले कुछ साल में, यहां तक कि इससे पहले भी इस दिशा में बहुत अच्छा काम किया है। मैं अलग-अलग लड़ाइयों के बारे में बात कर रहा हू।. भारत, पाकिस्तान परमाणु हथियारों से हमले करने वाले थे। ट्रंप ने 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियार रखने वाले दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि वे युद्ध जारी रख सकते हैं लेकिन मैं दोनों देशों पर 350 प्रतिशत टैरिफ लगा रहा हूं। 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी शामिल हुए। ट्रंप के अनुसार, उन्होंने दोनों देशों से कहा था, मैं नहीं चाहता कि आप लोग एक-दूसरे के खिलाफ परमाणु हथियार का इस्तेमाल करें, लाखों लोगों को मारें और लॉस एंजिलिस पर परमाणु धूल उड़े। ट्रंप ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों ने उनसे ऐसा नहीं करने के लिये कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन करके कहा, हम युद्ध नहीं करेंगे। इसके बाद उन्होंने मोदी को धन्यवाद दिया।

अब सूडान में गृहयुद्ध समाप्त कराएंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह अब सूडान में जारी भीषण गृहयुद्ध को समाप्त करने में मदद पर अधिक ध्यान देने की योजना बना रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को व्हाइट हाउस में सऊदी अरब के शासक के साथ हुई विस्तृत बातचीत में सूडान के गृहयुद्ध पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस ने उनसे अनुरोध किया कि वह अपने पद की शक्ति व प्रभाव का उपयोग कर युद्ध को समाप्त करने में मदद करें। सूडान पर नियंत्रण के लिए जारी संघर्ष में 40,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 1.4 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिससे यह विश्व का सबसे बड़ा मानवीय संकट बन गया है।

बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम सरकार की बहाली का आदेश दिया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने किसी राजनीतिक दल के प्रति झुकाव नहीं रखने वाली अंतरिम सरकार को बहाल करने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया।

प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय के शीर्ष अपीलीय प्रभाग ने यह आदेश जारी किया। इस आदेश में पिछले संवैधानिक प्रावधान को बहाल किया, जिसे अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के दौरान रद्द कर दिया गया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय के फैसले में इस प्रणाली को धीरे-धीरे लागू करने की बात कही गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह योजना 13वें संसदीय चुनावों पर लागू नहीं होगी, जिससे अब प्रतिबंधित हो चुकी अवामी लीग चुनाव की दौड़ से बाहर हो जाएगी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार प्रणाली की शुरूआत 1996 में हुई थी और उसके बाद दो सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीशों की निगरानी में हुए दो चुनावों में 90 दिनों के भीतर विजेता को सत्ता हस्तांतरित कर दी गई।

फैसले के अनुसार, मुहम्मद यूनुस की मौजूदा अंतरिम सरकार फरवरी में प्रस्तावित चुनाव की देखरेख करेगी, जबकि उसके बाद का चुनाव बहाल की गई कार्यवाहक सरकार प्रणाली के तहत होगी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- ऑस्ट्रेलियन समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ बैठक में बोले जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जिनमें व्यापार तथा निवेश, रक्षा तथा सुरक्षा, शिक्षा तथा कौशल, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष तथा ऊर्जा शामिल हैं। जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ यहां 16वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता की अध्यक्षता की।

जयशंकर ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा, हम अपने प्रधानमंत्रियों को जो सिफारिशें देंगे, वे उनके लिए महत्वपूर्ण होंगी, जिन्हें वे शीघ्र ही मिलने पर संज्ञान में रखेंगे। जयशंकर की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण अफ्रीका द्वारा आयोजित 20वें जी-20 समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 21 से 23 नवंबर तक जोहान्सबर्ग की यात्रा पर रहेंगे। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की वेबसाइट पर जारी एक बयान के अनुसार वह 20 से 22 नवंबर तक जी-20 समूह के नेताओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की यात्रा करेंगे। कहा गया है कि दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए, अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक और रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए विश्व के अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 14.47 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

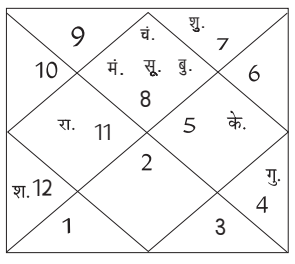

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अनुराधा 13.56 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च हो सकता है। अनावश्यक बातों पर त्वरित प्रतिक्रिया न दें। कार्यक्षेत्र को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। अपनी बातों को अच्छी तरह रख नहीं पाएंगे। म्युचुअल फंड आदि में किया गया निवेश लाभकारी सिद्ध होगा।

वृष — आज सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। थोड़ी मेहनत से आपको अधिक अच्छे परिणाम मिल जाएंगे। पैतृक कारोबार में विस्तार हो सकता है। घर में किसी प्रकार के मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। रूठे मित्रों को मनाने के लिए दिन अनुकूल है।

मिथुन — आज आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में वृद्धि होगी। अधिकारी आपसे अप्रसन्न हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। परिजन आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महिला सहकर्मी से झगड़ा हो सकता है।

कर्क — आज व्यवसाय में नए अनुबंध करने को लेकर सावधानी रखें। प्रेमी जन से अपने दिल की बात शेयर कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम मिलने से मन उत्साहित रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा। बच्चे अपनी गलतियों में सुधार करेंगे।

सिंह — आज अनजाने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन सावधानी पूर्वक करें। गूढ़ आध्यात्मिक चर्चाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। छोटे उद्योगों में घाटा हो सकता है। होटल कारोबारियों के व्यापार में कमी होने की आशंका है। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं।

कन्या — आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्यों के शुरू होने से आपकी उन्नति होगी। आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित कर सकते हैं। व्यवसाय में आपके कारोबार में स्थिरता रहेगी। बुजुर्ग लोग पुराने अनुभवों का स्मरण कर प्रसन्न रहेंगे।

तुला — आज उटपटांग कार्यों में आपका मन उलझेगा। बेरोजगार लोगों को नौकरी की चिंता हो सकती है। कारोबार को स्थिर रखने के लिए उधार लेना पड़ सकता है। आपकी सामाजिक छवि काफी अच्छी रहेगी। तनाव युक्त परिस्थितियों से बचें।

वृश्चिक — आज का दिन कला जगत से जुड़े लोगों के लिए विशेष रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। लव लाइफ काफी रोमांटिक रहने वाली है।

धनु — आज स्वभाव में विनम्रता का भाव बनाकर रखें। कमर से निचले भाग में दर्द की शिकायत हो सकती है। विवाहेतर संबंधों को लेकर थोड़े आकर्षित हो सकते हैं। आपका विवेक सदैव आपके पक्ष में रहेगा। पर्यटन के लिए यात्रा करने से बचें।

मकर — आज रुके हुए कार्य तेजी से पूर्ण कर लेंगे। नौकरी को लेकर इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लोग आपकी विचारधारा से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाएंगे। बड़े भाई-बहनों के जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं।

कुंभ — आज आर्थिक समस्याओं का निराकरण होगा। निर्माण कार्यों में गति आएगी। दिनचर्या काफी अच्छी रहेगी। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। व्यवसाय में सहयोगियों से सहायता ले सकते हैं।

मीन — आज महिलाओं को अत्यधिक प्रशंसा मिलेगी। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। पिता और गुरुओं का मार्गदर्शन लेना उत्तम होगा। अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर मिलेगा। भाग्य आपका साथ देगा।

सुडोकू-167

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
				1				
						3		
	7							
		9						
					3		2	
		8						
				7				
						9		

सुडोकू - 166 का हल

1	6	5	2	9	8	7	3	4
4	9	8	5	3	7	1	6	2
7	2	3	4	6	1	9	8	5
3	1	2	7	8	4	5	9	6
5	7	6	3	2	9	4	1	8
8	4	9	6	1	5	2	7	3
9	8	4	1	5	3	6	2	7
2	3	7	9	4	6	8	5	1
6	5	1	8	7	2	3	4	9

हम अब भी भारत में खेल रहे हैं। हम इस तरह की सतहों पर खेलते हुए बड़े हुए हैं। हां, गुवाहाटी अलग हो सकता है लेकिन मिट्टी भारत में ही कहीं से आई होगी। हम इन हालात को जानने या इन हालात में बहुत तेजी से ढलने के लिए खुद पर विश्वास करना और उनका समर्थन करना चाहेंगे।

-आकाश चोपड़ा

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार 21 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गोल्फर दीक्षा डागर ने स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने आखिरी दौर में 11 अंडर स्कोर करके बृहस्पतिवार को बधिर ओलंपिक में स्वर्ण पदक बरकरार रखा । चौबीस वर्ष की दीक्षा ने 2017 बधिर ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करके रजत पदक जीता था जब पहली बार खेलों में गोल्फ को शामिल किया गया था । इसके बाद 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था । दीक्षा ने पहले दिन चार अंडर 68 स्कोर किया जिसके बाद 65 और 72 स्कोर रहा । जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में भाग लेने वाली दीक्षा इसके एक साल बाद 18 वर्ष की उम्र में लेडीज यूरोपीय टूर पर जीत दर्ज करने वाली अदिति अशोक के बाद दूसरी गोल्फर बनी थी । तोक्यो ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) से खेलने का अचानक न्योता पाने वाली दीक्षा ने 54 होल में 26 अंडर स्कोर किया ।

प्रणवी ने आईजीपीएल खिताब जीता

मुंबई : प्रणवी उर्स बृहस्पतिवार को यहां आईजीपीएल टूर में इतिहास रचते हुए पुरुष खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए पेशेवर टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं। प्रणवी ने आईजीपीएल आमंत्रण मुंबई में अंतिम दौर में आठ अंडर 60 का हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। प्रणवी का कुल स्कोर 18 अंडर रहा। कल तक शीर्ष पर चल रहे करणदीप कोच्चर अंतिम दौर में 64 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

इटली डेविस कप के सेमीफाइनल में

बोलोगना (इटली) : दो बार की गत चैम्पियन इटली ने आस्ट्रिया को 2 . 0 से हराकर डेविस कप टेनिस सेमीफाइनल में जगह बना ली जहां उसका सामना बेल्जियम से होगा । इटली के लिये फ्लावियो कोबोली ने फिलिप मिसोलिच को 6-1, 6-3 से हराकर दूसरा मुकाबला जीता । इससे पहल मातेओ बेरेतिनी ने जुरिज रोडियोनोव को 6-3, 7-6 से मात दी थी। इटली लगातार 12 डेविस कप मुकाबला जीत चुका है। आखिरी बार उसे 2023 में कनाडा ने ग्रुप चरण में हराया था। अन्य मुकाबलों में स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा जबकि जर्मनी की टक्कर अर्जेंटीना से होगी।

रेयान विलियम्स को मिली फीफा की स्वीकृति

नई दिल्ली : अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि रेयान विलियम्स भारतीय टीम में चयन के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हैं क्योंकि उन्हें अपनी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता छोड़ने के बाद सदस्य संघ बदलने के लिए खेल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा की मंज़ूरी मिल गई है। पर्थ में जन्मे 32 साल के फारवर्ड विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिक बनने के लिए अपना ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट छोड़ दिया था। विलियम्स इंडियन सुपर लीग की टीम बेंगलुरु एफसी के लिए खेलते हैं। एआईएफएफ ने कहा फीफा के प्लेयर्स स्टेटस चैंबर ने 19 नवंबर 2025 को अपना आखिरी फैसला जारी किया जिसमें रेयान विलियम्स के संघ बदलने के अनुरोध को मंज़ूरी दी गई जिससे वह भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हो गए।

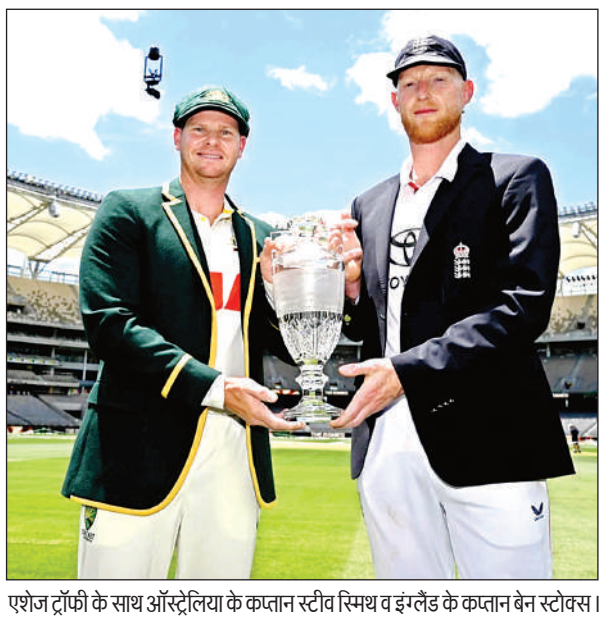

एशेज ट्रॉफी के साथ ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ व इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स।

ऑस्ट्रेलिया में एशेज खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

पर्थ, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से शुरू हो रही एशेज शृंखला से पहले यक्षप्रश्न यह है कि क्या इंग्लैंड ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर खिताब का सूखा खत्म कर सकेगा।

ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड ने 13 गंवाये और दो ड्रॉ खेले हैं जबकि एक भी जीत नहीं मिल सकी। आखिरी बार 2010-11 में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था। अगले सात सप्ताह तक पांच शहरों में चलने वाली एशेज श्रृंखला से पहले कई बड़े सवाल खड़े हैं। क्या उम्मदराज और प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही आस्ट्रेलियाई टीम अपनी सरजमीं पर 2010-11 से चला आ रहा अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी। क्या बेन स्टोक्स इंग्लैंड को आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर लंबे अर्से बाद एशेज दिला सकेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर जिम्मेदारी बढ जाएगी। ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं जिससे आस्ट्रेलियाई पुरूष टेस्ट एकादश में पहली बार दो देशी खिलाड़ी होंगे। कैमरन ग्रीन हरफनमौला की तरह खेलेंगे।

मार्नस लाबुशेन व एंड्रू मैकडोनाल्ड।

ऑस्ट्रेलिया सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिल सकता है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे। इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं जनवरी में यहां से रवाना होते समय उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इतिहास के बारे में काफी बातें होती है लेकिन अब हमारे पास अपना इतिहास रचने का मौका है। इंग्लैंड टीम में जोफ्रा आर्चर तेज गेंदबाजी का दारोमदार संभालेंगे जिनका साथ देने के लिये मार्क वुड हैं। स्टोक्स खुद गेंदबाजी करेंगे और तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स तथा गुस एटकिंसन को भी मौका मिल सकता है ।

टीमें

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), जैक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कारी, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, ब्रेंडन डोगेट, स्कॉट बोलैंड, उस्मान ख्वाजा

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर।

गिल नहीं खेल पाएंगे गुवाहाटी टेस्ट, पंत करेंगे कप्तानी

गले में ऐंठन दोबारा न हो, इसलिए कप्तान को दी गई और आराम की सलाह, अब वनडे सीरीज पर भी पड़ेगा असर

गुवाहाटी, एजेंसी

शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू होने वाले भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे। माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उन्हें गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है।

इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से, भारत को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना पड़ सकता है। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब उन्होंने भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया था। तीसरे दिन की सुबह, बीसीसीआई ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे।

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह। एजेंसी

शुभमन का आज होगा फिटनेस टेस्ट

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में ऐंठन के शिकार हुए भारतीय कप्तान शुभमन गिल का फिटनेस टेस्ट शुक्रवार को होगा। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने अभ्यास सत्र से पहले कहा वह तेजी से फिट हो रहा है क्योंकि मैं उससे कल ही मिला था। उसे एक मैच के लिये और आराम दिया जाएगा। शुभमन जैसा खिलाड़ी और वह कप्तान भी है तो टीम को उसकी कमी खलेगी। हमारे पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वे पेशेवर हैं और टीम के लिये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं । हम उम्मीद करते हैं कि शुभमन खेलेगा लेकिन नहीं भी खेलता है तो हमारे पास विकल्प हैं।

दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाजों का संतुलन बनाने में होगी परेशानी

गुवाहाटी : गिल के रिप्लेसमेंट के बारे में सोचते समय भारत के लिए एक चिंता यह है कि उनकी टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है। कोलकाता में उनकी ग्यारह में छह खिलाड़ी थे - टॉप आठ में पांच - और साई सुदर्शन और पडिक्कल, जो लाइन-अप में आने की कोशिश कर रहे थे, वे भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। भारत की लाइन-अप में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा होने से कोलकाता में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को काफी फायदा हुआ। कोटक ने कहा कि ऑफ स्पिनर बनाम बाएं हाथ के बल्लेबाज के मैच पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया गया, और बताया कि दक्षिण अफ्रीका ने कोलकाता में बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज को भी खिलाया, जिससे भारत की लाइन-अप को फायदा होना चाहिए था। आप मुझे एक बात बताइए, उनके पास एक बाएं हाथ का स्पिनर भी था। अगर हमारे पास सात दाएं हाथ के बैट्समैन होते, तो? उनके पास एक बाएं हाथ का स्पिनर भी था, और एक ऑफ स्पिनर भी। मेरा मानना है कि आपको अच्छा खेलना होगा। ऑफ स्पिनर का बाएं हाथ के बल्लेबाज को बॉलिंग करने का मतलब यह नहीं है कि बाएं हाथ का बल्लेबाज आउट हो जाए। हमारे पास (कोलकाता में) दो बाएं हाथ के स्पिनर थे, उनके पास नौ दाएं हाथ के बल्लेबाज थे; क्या वे आउट हुए? तो शायद वह बात थोड़ी ओवररेटेड है। ओवररेटेड हो या न हो, इंडिया शायद मैच-अप पर सोचेगा, भले ही वे गुवाहाटी के ट्रैक के लिए तैयारी कर रहे हों, जो कोलकाता के मुकाबले बैटर्स के लिए ज्यादा आसान होने वाला है। मैच से दो दिन पहले इंडिया के ज़रूरी प्रैक्टिस सेशन से कुछ इशारा मिला कि गिल की जगह कौन आ सकता है। नेट्स में बैटिंग करने आए पहले चार बैटर यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल थे।

भारत के लिए हर प्रारूप खेल पाना आसान नहीं: कुलदीप

गुवाहाटी : भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि भारत में हर प्रारूप में खेलने का मौका मिलना आसान नहीं है लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आक्रामक मानसिकता से वह अपनी जगह बनाये हुए हैं। कुलदीप आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी-20 शृंखला के बीच से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट शृंखला खेलने स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिए हालांकि भारत 30 रन से हार गया था।

सभी प्रारूप मिलाकर 342 विकेट ले चुके कुलदीप ने जियो स्टार के ' फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा निश्चित तौर पर आप तीनों प्रारूप खेलना चाहेंगे, लेकिन टेस्ट खेलने में मजा आता है । भारत में सभी प्रारूपों में खेल पाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा हर किसी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है। सभी को इसमे मजा आता है, लेकिन यह काफी चुनौतीपूर्ण भी है । अगले चार पांच साल टेस्ट क्रिकेट में मेरे लिए काफी अहम हैं तो मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह से खेलने पर फोकस करूंगा। उन्होंने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर वह स्पष्ट है और टीम प्रबंधन के सहयोग से वह आक्रामक मानसिकता के साथ खेल पाते हैं । कुलदीप ने कहा एक आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर मैं काफी स्पष्ट हूं। मुझे अपनी भूमिका पता है।

गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में पिच का निरीक्षण करते भारतीय खिलाड़ी।

अगर वे घास काटेंगे तो फर्क पड़ेगा : बोथा

गुवाहाटी, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा को लगता है कि बरसापारा स्टेडियम का विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर होगा, लेकिन वह यह जानना चाहते हैं कि क्या भारतीय क्यूरेटर लाल मिट्टी वाली पिच से घास हटा देंगे। दूसरा और आखिरी टेस्ट शनिवार से यहां शुरू हो रहा है।

बोथा ने दूसरे टेस्ट से पूर्व संवाददाताओं से बात करते हुए कहा जहां तक पिच का सवाल है तो मैंने आज सुबह इसे देखा। अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और

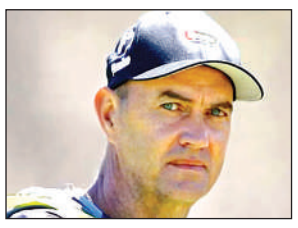

घास काटेंगे या नहीं। इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा।

प्रथम श्रेणी में 217 विकेट चटकाने वाले बोथा ने कहा लेकिन हमने जो सुना है उसके हिसाब से यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होगा और स्पिन की भूमिका बाद में बनेगी। लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि शायद स्पिन पहले होने लग जाए जैसे पिछले टेस्ट में हुआ था। बोथा का मानना था कि भारत में सामान्य समय से आधा घंटा पहले सुबह नौ बजे मैच शुरू होने से नमी की वजह से नई गेंद की बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा, ''मैच नौ बजे शुरू हो रहा है, ज़ाहिर है यह थोड़ा ठंडा होगा। रात में काफी गर्मी होती है लेकिन जाहिर है थोड़ी अधिक नमी होगी इसलिए मुझे लगता है कि पहले घंटे में नई गेंद की भूमिका होनी चाहिए। बोथा ने कहा अगर विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है तो पहले बल्लेबाजी करना एक अच्छा विकल्प है लेकिन अगर विकेट कोलकाता जैसा है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

घर में खेलने का फायदा नहीं छीना जा सकता : आकाश

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों गुवाहाटी की पिच से अनजान हैं लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि ऐसी पिच पर खेलने के अपने पहले के अनुभव के कारण घरेलू टीम अब भी थोड़े फायदे की स्थिति में है।

कोलकाता टेस्ट 30 रन से हारने के बाद भारत की नजरें दो मैच की सीरीज को बराबर करने पर टिकी हैं, लेकिन पहली बार टेस्ट की मेजबानी कर रहे एसीए स्टेडियम में खेलना उसके लिए नई चुनौती होगी। चोपड़ा ने कहा किसी को भी नहीं पता कि गुवाहाटी में क्रिकेट कैसे खेला जाएगा क्योंकि यह एक नया टेस्ट स्थल है। उन्होंने कहा अगर आप वहां पहली बार खेल रहे हैं तो पिच शुभमन गिल या साई सुदर्शन या ऋषभ पंत के लिए उतनी ही अच्छी है जितनी तेम्बा बावुमा या रेयान रिकेलटन के लिए है। इसलिए यह दोनों टीम के लिए एक चुनौती है। भारत के पूर्व बल्लेबाज को कोई शक नहीं कि भारत को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा।

सात्विक-चिराग, लक्ष्य व आयुष क्वार्टर फाइनल में, प्रणय और श्रीकांत बाहर

सिडनी,एजेंसी

भारतीय शटलर आयुष शेट्टी और लक्ष्य ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकल वर्ग के मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। वहीं पुरुष युगल मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया।

आज यहां पुरुष एकल वर्ग में 32वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में उलटफेर करते हुए जापान के नाराओका को 21-17, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। आयुष शेट्टी शुक्रवार को क्वार्टर-फाइनल में लक्ष्य सेन से मुकाबला करेंगे। पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 50वीं रैंक वाली चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन की जोड़ी को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-11 से हराया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

सात्विक-चिराग। फाइल फोटो

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने सिडनी के ओलंपिक बुलेवार्ड के क्वेसेंटर में धीमी शुरुआत की। वे सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन के खिलाफ शुरुआती गेम में 15-9 से पीछे चल रहे थे। इसके बाद सात्विक-चिराग ने तेजी दिखाते हुए बढ़त बना ली और पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम एकतरफा रहा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी शुक्रवार को शीर्ष आठ में इंडोनेशिया के पांचवें सीड मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और फजर अल्फियन से मुकाबला करेंगे। इस बीच, पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने एक घंटे से अधिक देर तक चले मुकाबले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीनी ताइपे के 27वें रैंक वाले ची यू-जेन को 21-17, 13-21, 21-13 से हराया। भारत के दुनिया के 35वें नंबर के एचएस प्रणय इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 21-19, 21-10 से हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड नंबर वन किदांबी श्रीकांत को भी हार का सामना करना पड़ा।

विश्व मुक्केबाजी | सभी 20 वजन वर्ग में मेजबान मुक्केबाजों ने दिखाई धमक, नौ स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक हासिल किए

भारतीय महिला मुक्केबाजों ने सात स्वर्ण पदक जीते

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

स्टार मुक्केबाज निकहत जरीन की अगुआई में भारतीय महिला मुक्केबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में सात स्वर्ण पदक जीते जबकि पुरुष मुक्केबाजों में हितेश गुलिया और सचिन सिवाच ने भी खिताब जीता। मेजबान देश के मुक्केबाजों ने सभी 20 वजन वर्ग में पदक जीता जिसमें नौ स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य शामिल रहे।

बृहस्पतिवार को भारत के 15 मुक्केबाज रिंग में उतरे जिसमें से महिला वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया (57 किग्रा) और मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार (54 किग्रा), विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (60 किग्रा), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और नुपुर श्योराण (80 किग्रा से अधिक) ने भी स्वर्ण पदक जीते। जादुमणि सिंह (50 किग्रा), अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), पवन बर्तवाल (55 किग्रा), अंकुश फंगल (80 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा) और पूजा रानी (80 किग्रा) ने रजत पदक हासिल किए। इससे पहले नीरज फोगाट (65 किग्रा), स्वीटी (75 किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा) और नवीन (90 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। टूर्नामेंट से कई शीर्ष मुक्केबाज नदारद थे।

कजाखस्तान और उज्बेकिस्तान जैसे मजबूत देशों ने तीसरे दर्जे की टीम भेजीं लेकिन डब्ल्यूबीसी फाइनल्स परवीन, प्रीति और अरुंधति जैसे वापसी कर रहे भारतीय मुक्केबाजों के लिए बहुमूल्य साबित हुए जिन्होंने लय और आत्मविश्वास हासिल करने के लिए इसका उपयोग किया। जैस्मीन ने प्रतियोगिता में भारत की सबसे बड़ी जीत में से एक हासिल की। उन्होंने पेरिस ओलंपिक्स की पदक विजेता वू शिह यी को रोमांचक फाइनल में 4-1 से हराया। प्रीति ने इटली की विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता सिरीन चर्राबी के खिलाफ एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

निकहत जरीन

नूपुर

अरुंधति चौधरी

प्रीति।

निकहत ने शुआन को हराया

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत (50 किग्रा) ने चीनी ताइपे की गुओ यी शुआन पर सर्वसम्मति से 5-0 से जीत दर्ज की । परवीन ने जापान की अयाका तागुची पर 3-2 से जीत दर्ज की जबकि अरुंधति ने उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा को 5-0 से हराया। मीनाक्षी हुड्डा ने मौजूदा एशियाई चैंपियन फरजोना फोजिलोवा पर 5-0 से जीत हासिल की। पुरुषों के वर्ग में सचिन ने किर्गिस्तान के मुनारबेक उलु सेइतबेक को 5-0 से हराया जबकि हितेश ने धीमी शुरुआत के बाद कजाखस्तान के नूरबेक मुर्सल को एक रोमांचक मुकाबले में 3-2 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के दौरान भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की आम बैठक के दौरान टकराव के संकेत मिले।